हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

झालमुड़ी बांटकर जीत का जश्न मना

बंगाल की 'ममता' अब मोदी के साथ

पीएम नरेंद्र मोदी बोले

बंगाल में 'जनशक्ति की जीत'

बंगाल में कमल खिल गया है, यह चुनाव हमेशा याद रखा जाएगा क्योंकि इसमें जनता की शक्ति की जीत हुई है और भाजपा की सुशासन की राजनीति सफल रही है। लोगों ने भाजपा को शानदार जनादेश दिया है और उनकी पार्टी राज्य के लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

तीन राज्यों बंगाल, असम व पुडुचेरी में भाजपा को बहुमत, तमिलनाडु में एक्टर थलापति विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) बहुमत के करीब, केरलम में कांग्रेस की सरकार

'पालटानो दरकार, चाई बीजेपी सरकार' (पलटना जरुरी है, भाजपा की सरकार चाहिए) बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत में इस नारे ने भी अहम भूमिका निभाई

भाजपा को करीब 1.39 करोड़ वोट मिले,जबकि तृणमूल कांग्रेस को करीब 1.26 करोड़ वोट मिले। भाजपा को करीब 45% वोट मिले, जबकि टीएमसी को 40.83%. यानी सिर्फ करीब 4% का अंतर

बंगाल

कुल सीट 293, बहुमत :147

पार्टी	आगे	जीत	कुल (+/-)
भाजपा	3	203	206 (+127)
टीएमसी	7	74	81 (-134)
कांग्रेस	0	2	2(+2)
लेफ्ट	0	0	2 (+1)
अन्य	0	2	2(+2)

तमिलनाडु

कुल सीट 234, बहुमत :118

पार्टी	आगे	जीत	कुल (+/-)
टीवीके	1	106	107 (+107)
अन्नाद्रमुक	1	50	51 (-24)
द्रमुक	1	64	65 (-94)
अन्य	0	11	11 (+11)

केरलम

कुल सीट 140, बहुमत :71

पार्टी	आगे	जीत	कुल (+/-)
यूडीएफ	0	102	102 (+62)
एलडीएफ	0	35	35 (-59)
भाजपा	0	3	3 (3)
अन्य	0	0	0 (-6)

असम

कुल सीट 126, बहुमत : 64

पार्टी	आगे	जीत	कुल (+/-)
भाजपा	0	102	102(+27)
कांग्रेस	0	21	21 (-29)
एआईयूडीएफ	0	2	2 (-14)
अन्य	0	1	1 (0)

पुडुचेरी

कुल सीट 30, बहुमत : 16

पार्टी	आगे	जीत	कुल (+/-)
एनडीए	0	18	18 (+2)
कांग्रेस	0	6	6 (-2)
टीवीके	0	2	3 (+3)
अन्य	0	3	3(-3)

तृणमूल 15 साल बाद सत्ता से बाहर, तमिलनाडु में 59 साल से डीएमके-एआईडीएमके का पावर शेयरिंग का खेल खत्म, केरलम में 10 साल बाद वामपंथी सत्ता से बेदखल, अब देश में 80 फीसदी आबादी में भाजपा का कमल

खाड़ी में 'भगवा' तूफान

असम में भाजपा की हैट्रिक... तमिलनाडु में 'सीटी' की गूंज

सुवेंदु अधिकारी

थलापति विजय

ममता बनर्जी, अधीर रंजन चौधरी और गौरव गोगोई सब हारे

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की लगातार तीन बार मुख्यमंत्री रही ममता बनर्जी का अपनी परम्परागत सीट भवानीपुर से 15 हजार से ज्यादा वोटों से भाजपा के शुभेंदु अधिकारी से हार गई। विधानसभा चुनाव में भाजपा की आंधी किस कदर चली उसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। जिसे मुख्यमंत्री का चेहरा कांग्रेस ने असम में बनाने की कोशिश की वो गौरव गोगोई का 23 हजार से ज्यादा वोटों से हार जाना कांग्रेस के रणनीतिकारों को न्याय सबक दे गया। लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता रहे अधीर रंजन चौधरी अपने घर की सीट से चुनाव हार गए।

विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की तेज़ लहर के सामने कई दिग्गज नेताओं को अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा है। पश्चिम बंगाल और असम ▶▶ शेष पेज 7 पर

मोदी ने जीता कार्यकर्ताओं का दिल
अपनी फूलमाला नवीन को पहना दी

पीएम मोदी जैसे ही भाजपा मुख्यालय पहुंचे उनका स्वागत पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने किया। उन्होंने पीएम को जैसे ही फूल माला पहनाई, पीएम ने यही फूलमाला नितिन नवीन के गले में डाल दी। उन्होंने ऐसा करके संदेश दिया कि यह प्रचंड जीत संगठन के कारण है। पीएम मोदी ने ऐसा करके पार्टी के कार्यकर्ताओं का दिल जीत लिया।

विजय के परिवार ने चुनाव चिन्ह 'सीटी' बजाकर जीत का जश्न मनाया

बंगाल में प्रचंड जीत पर शाह बोले

बंगालवासियों ने घुसपैठियों और उनके हितैषियों को सबक सिखाया

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बंगालवासियों ने घुसपैठियों और उनके हितैषियों को ऐसा सबक सिखाया है, जिसे तुष्टीकरण की राजनीति करने वाली पार्टियां कभी भूल नहीं पाएंगी। बंगाल ने जिन आशाओं और आकांक्षाओं के साथ मोदी जी के नेतृत्व पर यह विश्वास जताया है, हम निश्चित रूप से उन्हें पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि चैतन्य ▶▶ शेष पेज 7 पर

कोलकाता में भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की

नई दिल्ली में पीएम के कटआउट को रसगुल्ला खिलाते हुए

बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर रंग गुलाल उड़ाया

ममता बेनर्जी: भवानीपुर

हारीं

बंगाल में टीएमसी का परिसीमन व एसआईआर का मुद्दा फेल, बांग्लादेशी घुसपैठियों का भाजपा का मुद्दा असरदार रहा

पिनराई विजयन - धर्मादम

जीते

केरल में एंटी हिंदू मूवमेंट घातक रहा। बेरोजगारी और धर्मपरिवर्तन जैसे मुद्दे भारी पड़ गए। कांग्रेस ने वहां अपना स्पेस तलाश लिया

एमके स्टालिन - कोलाथुर

हारे

तमिलनाडु में सनातन का विरोध ले डूबा। हिंदू धर्म के बारे में अभद्र बातें, हताश युवा और जनकल्याणकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार से हुई दुर्गति

हिमंता सरमा -जलुकबारी

जीते

असम में घुसपैठियों को खदेड़ने का मुद्दा छाया, विकास के नए रास्ते के मंत्र ने काम किया, डबल इंजन सरकार का फॉर्मूला असर कर गया

भाजपा की 'नवीन' नीति ने बदला बंगाल का गणित

करीब पांच महीने पहले भाजपा जो पार्टी में 'नवीन नीति' लाई थी, इसे उसका परिणाम कहें तो गलत नहीं होगा। नितिन नवीन को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया, तभी से यह चर्चा चल निकली थी कि अब निशाना पश्चिम बंगाल ही है। पहली बार पश्चिम बंगाल में इस तरह बांग्लादेशियों को अलग-थलग करने और तुष्टिकरण का मुखर विरोध करने के साथ वर्गों में बंटे हिदुओं को एकजुट करने के लिए भाजपा ने चक्रव्यूह की रचना की थी। नितिन ने पश्चिम बंगाल से सटे बिहार से भाजपा के हर स्तर के नेता को पश्चिम बंगाल में करीब 90 दिनों के लिए शिफ्ट कर दिया। पार्टी ने बांग्लादेशियों को अलग-थलग करने के साथ ही मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी की तुष्टिकरण की नीति के खिलाफ पूरा प्लान तैयार किया था। नितिन नवीन की पूरी टीम इस प्लान के तहत काम करती रही। दिल्ली की तरह ही पश्चिम बंगाल में भी केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों की बड़ी संख्या है। सरकारी कर्मचारियों को उनके हकों से वंचित करना और सातवें वेतन आयोग को लागू करने के वादे की वजह से लगभग 20 से 50 लाख मतदाताओं पर असर पड़ा है। चुनाव आयोग के मुताबिक 5.23 लाख मतदाता ऐसे थे जिन्हें पहली बार वोट डालना था, 1.31 करोड़ मतदाता ऐसे थे, जिनकी उम्र 20 से 29 साल के बीच है। भाजपा ने सोशल मीडिया और जमीनी स्तर पर काम कर इस वर्ग तक पहुंचने की कोशिश की और पहुंच भी गए।

Terms and Conditions applied. *Approval of the loan is at the sole discretion of the financiers, and additional documentation may be required. *The interest rates, loan amount, down payment, tenure options, and EMI are based on the financier's assessment of the applicant's credit profile. *Some of the mentioned components of the scheme cannot be clubbed together. *The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. *Offer valid until 31st May 2026. #5% Instant Cashback up to Rs. 5000 is available on all HMSI models for EMI transactions made using HDFC Bank credit cards with a minimum transaction value of Rs. 40000 (Tenure 6 months & above). #Instant Cashback of up to Rs. 4000 is available on selected HMSI models for EMI transactions using IDFC Bank credit cards with a minimum transaction value of Rs. 40000 (Tenure 9 months & above). #The offer is valid on credit card transactions processed through Pine Labs machines only and is applicable for one transaction per card/order during the offer period. #The Instant Cashback offer is valid until 31st May 2026. ^The price shared above is of Activa 110 Std OBD2B Model Variant for Delhi. ^For more information contact nearest dealers. The feature shown in the creative may not be available in all variants. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.

डीलर विवरण के लिए QR कोड स्कैन करें

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) – 122052, India; Website: www.honda2wheelersindia.com; Customer Care: customercare@honda.hmsi.in

एक डॉक्टर सहित चार लोगों को किया गिरफ्तार

एमबीबीएस में प्रवेश दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो नीट अभ्यर्थियों और उनके परिवारों को एमबीबीएस में प्रवेश दिलाने के नाम पर कथित रूप से ठगी करता था। इस बाबत संदिग्ध सरगना और एक डॉक्टर सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि तीन मई को हुई राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी) 2026 परीक्षा से पहले कुछ नाबालिग समेत 18 विद्यार्थियों को इन ठगों के चंगुल से बचाया। आरोपी उन्हें परीक्षा प्रश्न उपलब्ध कराने के बहाने अज्ञात स्थानों पर ले जा गए थे। आरोप है कि फर्जी प्रश्न पत्र पिछले वर्षों की सामग्री और कोचिंग संस्थानों की सामग्री का उपयोग करके बनाए गए थे। आरोपियों ने छात्रों के परिवारों से कथित रूप से 20 से 30 लाख रुपये की मांग की और मेडिकल कॉलेजों में सीट दिलाने की गारंटी देते हुए कुछ पैसा ले भी लिया। अधिकारी ने बताया कि सूरत पुलिस से दो मई को सूचना मिली कि दिल्ली में एक संदिग्ध गिरोह नीट के माध्यम से मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश दिलाने का दावा कर रहा है जिसके बाद कार्रवाई शुरू की गई और तकनीकी निगरानी के आधार पर जांचकर्ता महिपालपुर एक्सटेंशन पहुंचे, जहां कई होटलों की तलाशी ली। पुलिस ने अंततः होटल में ठहरे चार आरोपियों को पकड़ा, जिनमें विनोद भाई भीखा भाई पटेल भी शामिल था, जिसने एमबीबीएस में दाखिला लेने के गुजरात के इच्छुक छात्रों को बहला-फुसलाकर कथित तौर पर अपने जाल में फंसाया था। पूछताछ के दौरान पता चला कि आरोपियों ने एमबीबीएस में सीट दिलाने का वादा कर अभिभावकों से बड़ी रकम, कक्षा 10वीं और 12वीं की मूल मार्कशीट और हस्ताक्षर किए गए खाली चेक भी लिए। जांचकर्ताओं ने बताया कि आरोपियों ने कुछ छात्रों को उनके अभिभावकों से अलग कर दिया था। पुलिस ने गाजियाबाद के एक अस्पताल के पास जाल बिछाकर तीन छात्रों को बचाया और कथित मास्टरमाइंड संतोष कुमार जायसवाल को गिरफ्तार कर लिया। गाजियाबाद के एक फ्लैट पर छापेमारी के बाद 15 और छात्रों को बचाया गया, जिनमें से कुछ नाबालिग थे और तीन मई को नीट परीक्षा देने वाले थे। पुलिस ने बताया कि उन्हें समझाया गया और परीक्षा में बैठने की अनुमति दी गई। फ्लैट से दो और आरोपियों - संत प्रताप सिंह और डॉ. अखलाक आलम उर्फ गोल्डन आलम - को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि गिरोह ने मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेने के इच्छुक विद्यार्थियों की आकांक्षाओं का फायदा उठाने के लिए एक सुनियोजित कार्यप्रणाली तैयार की थी। आरोप है कि जायसवाल ने साजिश रची, जबकि आलम ने पिछले वर्षों की सामग्री और कोचिंग संस्थानों की सामग्री का उपयोग करके फर्जी प्रश्न पत्र तैयार किए। सिंह ने साजो समान और आवास की व्यवस्था की, और पटेल ने परिवारों से संपर्क करने के लिए बिचौलिए की भूमिका निभाई। आरोपियों ने कथित तौर पर प्रत्येक आवेदक से 20 से 30 लाख रुपये की मांग की और धोखाधड़ी के तहत अग्रिम भुगतान के तौर पर कुछ पैसे, दस्तावेज और चेक लिए। इस अभियान के दौरान, पुलिस ने कथित प्रश्न-उत्तर सामग्री के 149 पृष्ठ, पीड़ितों से संबंधित हस्ताक्षर किए गए तीन खाली चेक और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए। भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने के लिए आगे की जांच जारी है।

सर्वोदय एन्क्लेव लूट: पुलिस के साथ मुठभेड़ में कच्छा-बनियान गिरोह के संदिग्ध सदस्य दबोचे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली के सर्वोदय एनक्लेव में हाल में हुई लूट में शामिल कुख्यात 'कच्छा-बनियान' गिरोह के तीन संदिग्ध सदस्यों को सोमवार तड़के पुलिस के साथ संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सर्वोदय एनक्लेव में लूट की यह वारदात गत बृहस्पतिवार और शुक्रवार की मध्यरात्रि को हुई थी।

पुलिस ने बताया कि आरोपी विजय मंडल पार्क की चारदीवारी से सटे पेड़ पर चढ़कर बालकनी से घर में घुसे थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि उन्होंने कटर का उपयोग करके दरवाजे का ताला काटा और घर में घुस गए। जब घर के लोग जाग गए, तो उन्हें बंधक बना लिया गया और एक कमरे के अंदर बंद कर दिया गया। इसके बाद आरोपियों ने करीब एक घंटे तक घर को खंगाला और नकदी, आभूषण तथा अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। परिसर के अंदर के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में तीन नकाबपोश लोगों को आसानी से घर में घूमते हुए देखा गया। वे दस्ताने और मोजे पहने हुए थे और उनके पास ऐसे हथियार थे जिनका इस्तेमाल 'कच्छा-बनियान' गिरोह करता है। जांचकर्ताओं ने कहा कि यह गिरोह कम कपड़ों में चोरी और लूट करने के लिए जाना जाता है। वे अक्सर औजारों से लैस होते हैं और विरोध किए जाने पर हिंसक होने से नहीं हिचकिचाते। अधिकारी ने कहा कि अगर पीड़ितों ने विरोध करने की कोशिश की होती, तो स्थिति घातक हो सकती थी।

घटना के बाद मालवीय नगर थाने में मामला दर्ज किया गया और आरोपियों का पता लगाने के लिए कई टीमें गठित की गईं। विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने आंबेडकर नगर के पास जाल बिछाया, जहां संदिग्धों को रोका गया, जिसके बाद मुठभेड़ हुई। पुलिस ने कहा कि शहर भर में इसी तरह के अन्य मामलों में उनकी संलिप्तता का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

कोर्ट ने बकाया देने के लिए दो माह का समय दिया, बहुसंख्यक समाज का आभार: कालका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका ने कहा है कि दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरु हरकृष्ण पब्लिक स्कूलों के स्टाफ के बकाया मामले के समाधान के लिए दो महीने का समय दिया है। इस मामले में मिले बहुसंख्यक स्टाफ के सहयोग के लिए हमारी तरफ से उन सभी का धन्यवाद। कालका ने बताया कि कमेटी के स्कूलों के स्टाफ के बकाया का मामला दिल्ली हाई कोर्ट में विचाराधीन है। इस मामले पर सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने कमेटी को इस मामले के समाधान के लिए दो महीने का समय दे दिया है। उन्होंने बताया कि सुनवाई के दौरान महासचिव सरदार काहलों ने स्वयं जज साहब को विस्तार से बताया कि यह बकाया कैसे बढ़ा और किन पूर्व प्रधानों ने बकाया का भुगतान नहीं किया। जज साहब ने लगभग 7 से 8 मिनट तक उनकी बात सुनी। उन्होंने बताया कि कमेटी ने अदालत में यह भी बताया कि अब तक कितना भुगतान किया जा चुका है। हमारी मंशा स्टाफ और अध्यापकों को उनका बकाया भुगतान करने की है। उन्होंने बताया कि कार्यरत स्टाफ में से 919 लोगों ने हमारे साथ एमओयू साइन किया है और हमारा साथ दिया है, जबकि बाकी बचे 33-34 लोग भी जल्द ही हमारे साथ जुड़ जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसी तरह सेवानिवृत्त कर्मचारियों से भी हमें उम्मीद है कि वे भी हमारा साथ देंगे और हम इस पूरे मुद्दे के समाधान के करीब पहुंच चुके हैं। हम उन सभी का धन्यवाद करते हैं जो स्कूलों को बचाने के लिए हमारे साथ खड़े हुए हैं और बाकी लोगों से भी अनुरोध करते हैं कि वे हमारे साथ खड़े हों।

पर्यावरण विभाग ने आयोजित की 'बीट प्लास्टिक पोल्युशन'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग ने सोमवार को सस्टेनेबल दिल्ली के विजन के तहत 'बीट प्लास्टिक पोल्युशन' पर एक दिवसीय वर्कशॉप आयोजित की। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने इस आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी और स्कूल के छात्रों व शिक्षकों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी की सराहना की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और बाल भवन पब्लिक स्कूल, मयूर विहार फेज-दो के छात्रों द्वारा स्वागत गीत से हुई। इसमें छात्र, शिक्षक, पर्यावरण एक्सपर्ट्स और दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। मंत्री सिरसा ने सिस्टम स्तर पर बदलाव और कम्युनिटी भागीदारी की जरूरत पर जोर दिया। छात्रों ने सिंगल-यूज प्लास्टिक के नुकसान पर एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। एक्सपर्ट सेशन में तुषिता रावत (सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट) ने सर्कुलर इकोनॉमी पर चर्चा की, आशीष जैन (डायरेक्टर आईपीसीए) ने सोर्स सेग्रीगेशन पर बात की और एकता गुप्ता (एमसीडी) ने अर्बन वेस्ट मैनेजमेंट प्रैक्टिसेस पर जानकारी दी। मंत्री सिरसा ने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार हर स्तर पर काम कर रही है, बैन, रीसाइक्लिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और अवेयरनेस के जरिए, ताकि दिल्ली में प्रदूषण कम हो और हमारी हवा और नदियां आने वाली पीढ़ियों के लिए साफ रहें। वर्कशॉप में कई प्रतियोगिताएं हुई और विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। मंत्री सिरसा ने कहा कि प्रदूषण के खिलाफ इस लड़ाई में बच्चों का योगदान बहुत जरूरी है। वे हमारे भविष्य के लीडर्स हैं और उनके आज के आइडियाज कल सिंगल-यूज़ प्लास्टिक को खत्म करेंगे।

एटीएम काट कर 19 लाख रुपये चोरी करने का आरोपी राजस्थान से पकड़ा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने मंडावली इलाके में एक एटीएम मशीन को गैस कटर से काटकर 19 लाख रुपये से अधिक की चोरी करने के मामले में राजस्थान से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि पकड़ा गया आरोपी कुख्यात 'इमरान मेवाती' गिरोह का सदस्य है।

एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान हरियाणा के पलवल निवासी रॉबिन (26) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से अपराध में इस्तेमाल की गई कार और चोरी की गई नकदी में से 22,500 रुपये बरामद किए हैं। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) पंकज कुमार ने बताया कि हिटाची पेमेंट्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के कानूनी सलाहकार गौरव बैसला की शिकायत पर मंडावली फज़लपुर थाने में 30 अप्रैल को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। शिकायत के अनुसार, पश्चिम विनोद नगर स्थित आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम में 29 अप्रैल को 22 लाख रुपये डाले गए थे और ग्राहकों की निकासी के बाद मशीन में 19,32,600 रुपये शेष थे। इसमें आरोप लगाया है कि 29 और 30 अप्रैल की दरमियानी रात करीब तीन बजे अज्ञात बदमाशों ने गैस कटर से मशीन काटकर यह रकम उड़ा ली। कुमार ने बताया कि जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज खंगालने और स्थानीय खुफिया जानकारी जुटाने पर पता चला कि इमरान अपने साथियों रॉबिन और भूरा के साथ इस वारदात में शामिल था। उन्होंने बताया कि, तकनीकी निगरानी के जरिए पुलिस ने आरोपी रॉबिन का पता लगाया और राजस्थान के भरतपुर में जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। उनके मुताबिक, पूछताछ के दौरान रॉबिन ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि वह पेशे से चालक है और आर्थिक तंगी के कारण वह अपने गांव के ही इमरान मेवाती के संपर्क में आया, जिसने उसे एटीएम चोरी में बड़े मुनाफे का लालच दिया था। उसने कहा कि 29 अप्रैल को इमरान, भूरा और उसने साजिश रची और दिल्ली आकर वारदात को अंजाम दिया तथा पकड़े जाने से बचने के लिए उन्होंने अपने मोबाइल फोन बंद कर दिए थे। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी इमरान मेवाती एक अंतर्राज्यीय अपराधी है, जो भारत के विभिन्न राज्यों में एटीएम चोरी और मशीन काटने के 25 से अधिक मामलों में शामिल रहा है। फरार आरोपियों को पकड़ने के प्रयास और आगे की जांच जारी है।

वाहनों के नकली पुर्जे बेचने में शामिल गिरोह का भंडाफोड़, दो अरेस्ट

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में वाहनों के नकली पुर्जों के निर्माण और आपूर्ति में शामिल एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है और नकली उत्पादों की एक बड़ी खेप जब्त की है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि करोल बाग ऑटो बाजार क्षेत्र में मोटरसाइकिल के नकली पिस्टन और क्लच प्लेट की अवैध बिक्री के बारे में मिली विशिष्ट सूचनाओं के बाद अपराध शाखा की एक टीम ने छापे मारे। पुलिस ने बताया कि रविवार को नाई वाला और करोल बाग में दो दुकानों पर छापेमारी की गई, जहां प्रतिष्ठित ब्रांड के लेबल वाले नकली पुर्जे भारी मात्रा में बरामद किए गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दो भाइयों हर्षित गुप्ता और अभिषेक कुमार गुप्ता के संयुक्त स्वामित्व वाली एक दुकान से टीम ने पैकेजिंग सामग्री सहित 473 नकली 'पिस्टन असेंबली' जब्त कीं। आरोपियों की एक अन्य दुकान से 386 नकली 'पिस्टन असेंबली' और 169 नकली क्लच प्लेट बॉक्स बरामद किए गए।₹ संगम विहार के निवासी दोनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। वे ब्रांडेड उत्पादों की बिक्री के लिए कोई वैध दस्तावेज नहीं प्रस्तुत कर सके। पूछताछ के दौरान, दोनों ने खुलासा किया कि वे पिछले तीन वर्षों से अवैध व्यापार में संलिप्त हैं, जिसमें वे 1,000 से 1,200 पिस्टन प्रतिदिन बेचते थे। इससे उन्हें प्रति माह दो से तीन लाख रुपये की कमाई हो रही थी। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा कमेटी ने विदेश मंत्रालय के सामने उठाया ईरान में फंसे सिखों का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को विदेश मंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी आनंद प्रकाश से मुलाकात की और ईरान में फंसे सिखों का मामला उठाया। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार जॉइंट सेक्रेटरी आनंद प्रकाश ने बताया है कि कुछ अपरिहार्य कारणों के चलते यह फ्लाइट रद्द हो गई, जिसके कारण सिखों को वहां से नहीं निकाला जा सका। इस प्रतिनिधिमंडल में दिल्ली कमेटी के जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों और कमेटी के विशेष मामलों के सलाहकार सरदार परमजीत सिंह चंडोक शामिल थे। इस मुद्दे पर कमेटी अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव काहलों ने बताया कि विदेश मंत्रालय के सामने उठाए गए इस मुद्दे पर भरोसा मिला है कि हर संभव मदद की जाएगी। उन्होंने बताया कि ईरान की राजधानी तेहरान से सिखों को लेकर एक विशेष विमान को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचना था, लेकिन किसी कारणवश यह फ्लाइट रद्द हो गई। इस मामले को विदेश मंत्रालय के सामने उठाया है। उन्होंने आगे बताया कि जॉइंट सेक्रेटरी ने भरोसा दिलाया है कि सिखों को जल्द निकालने के लिए विशेष उड़ान की व्यवस्था की जाएगी और उन्हें सुरक्षित भारत लाया जाएगा।

दिल्ली पुलिस अधिकारी ने सड़क हादसे के पीड़ित को वक्त पर अस्पताल पहुंचाया, बची जान

एजेंसी, नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी फ्लाईओवर पर हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल 40 वर्षीय व्यक्ति की जान एक यातायात पुलिस अधिकारी की त्वरित कार्रवाई से बच गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटना दो मई को देर रात हुई, जब उत्तरी रेंज के निरीक्षक यशपाल भाटी ड्यूटी के बाद लौट रहे थे और उन्होंने देखा कि एक स्कूटर सवार डिवाइडर से टकराने के बाद सड़क पर बेहोश पड़ा है। उन्होंने बताया कि पीड़ित को सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई थीं। भाटी ने अपनी गाड़ी रोकी और एम्बुलेंस का इंतजार किए बिना कांस्टेबल सहदेव के साथ मिलकर घायल व्यक्ति को सिविल लाइंस स्थित ट्रॉमा सेंटर ले गए। बाद में घायल की पहचान पश्चिम विनोद नगर निवासी विनोद चंद्र पुजारी के रूप में हुई। पुलिस ने उनके परिवार वालों से संपर्क करने का प्रयास किया। अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि पुजारी की हालत स्थिर हो गई है और अब वह खतरे से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि समय पर उन्हें अस्पताल पहुंचाने के कारण उनकी जिंदगी बच गयी।

हेड कांस्टेबल की गोली से मरे पांडव के घर पहुंचे डीपीसीसी अध्यक्ष यादव, पीड़ित परिवार को दी सांत्वना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने जाफरपुर कलां में हेड कांस्टेबल की गोली से मरने वाले पांडव व एक अन्य युवक के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। इस मौके पर यादव ने कहा कि बिहार के रहने वाले पांडव कुमार और उसके मित्र के परिवारजनों से मिलकर शोक संवेदना प्रकट की और मृतकों को अपनी श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सुरक्षा करने वाली पुलिस ही लोगों की हत्या करेगी तो दिल्ली वालों की सुरक्षा आखिरकार कौन करेगा। दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल द्वारा पांडव कुमार और उनके साथी को गोली मारना खौफनाक घटना है। दोनों मृतकों के परिवारजनों के साथ कांग्रेस पार्टी खड़ी है और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कोशिश करेगी। देश की राजधानी दिल्ली सबकी है, इस पर किसी एक वर्ग विशेष या समुदाय का अधिपत्य नहीं है। दिल्ली को क्षेत्रवाद के रुप में देखना पूरी तरह गलत है, क्योंकि यहाँ हर वर्ग के लोग रहते है। अमीर, गरीब, उच्च, मध्य और निम्न वर्ग, वंचित, दलित, पिछड़ा, पूर्वांचल, आदिवासी सभी का बराबर अधिकार है राजधानी दिल्ली पर। किसी भी व्यक्ति के राज्य या वर्ग के नाम पर उसकी हत्या करना राजधानी दिल्ली की छवि को धूमिल करता है। यादव ने कहा कि दिल्ली एक मिनी भारत है, जिसमें पूर्वी, पश्चिमी, दक्षिणी और उत्तरी प्रदेशों के लोग रहते है, जिनका दिल्ली को बनाने में विशेष योगदान रहा है। दिल्ली को विशेष रूप से यूपी,बिहार से आने वाले लोग जो मजदूरी करके अपना पेट तो पालते है। बेशक दिल्ली को बनाने में उनकी भूमिका को नजरअंदाज नही किया जा सकता।

महाराष्ट्र के लोक नृत्य लावणी और गुजरात के डांडिया रास की मनमोहक प्रस्तुति

दिल्ली सचिवालय में गुजरात एवं महाराष्ट्र दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली सचिवालय में सोमवार को गुजरात एवं महाराष्ट्र दिवस के परिप्रेक्ष्य में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने दिल्ली सरकार की ओर से शुभकामनाएं दीं। कपिल मिश्रा ने कहा कि गुजरात एवं महाराष्ट्र के लोगों का देश और दिल्ली के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। सचिवालय में महाराष्ट्र के लोक नृत्य लावणी, लेजिम, कोली और गुजरात के डांडिया रास, गरबा की मनमोहक प्रस्तुति हुई। दर्शकों ने श्रृंगार, प्रेम, भक्ति और सामाजिक मुद्दों के नृत्य के जरिये प्रदर्शन को खूब सराहा। करीब 25 कलाकारों ने मां दुर्गा की स्तुति और भगवान गणेश की वंदना, नृत्य के माध्यम से की। कपिल मिश्रा ने कहा कि गुजरात सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि के साथ ही आर्थिक, औद्योगिक, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों में भी देश के विकास का एक प्रमुख स्तंभ है। यह राज्य भारत की आर्थिक वृद्धि, रोजगार सृजन और वैश्विक पहचान को मजबूत करने में निर्णायक भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुआ 'गुजरात का विकास मॉडल', आज अन्य राज्यों के लिए प्रेरणा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली भी इससे प्रेरित होकर सुशासन, ई गवर्नेंस, गरीब कल्याण योजना, ईज ऑफ़ डूइंग बिज़नेस एवं स्टार्ट-अप संस्कृति से आत्मनिर्भरता और 'विकसित दिल्ली' लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। मिश्रा ने कहा कि गुजरात के पवित्र धाम सोमनाथ की अटूट आस्था और भक्ति को समर्पित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का दिल्ली सरकार ने भव्य आयोजन किया, साथ ही सोमनाथ यात्रा के लिए विशेष ट्रेन भी चलाई। मिश्रा ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्य भूमि महाराष्ट्र आज भारत के विकास का एक प्रमुख स्तंभ है, अर्थव्यवस्था, उद्योग, कृषि, फिल्म उद्योग और इंफ्रास्ट्रक्चर में इस राज्य का योगदान अद्भुत है। यह राज्य देश की आर्थिक मजबूती, रोजगार सृजन और वैश्विक पहचान को निरंतर आगे बढ़ाता रहा है। मिश्रा ने कहा कि पीएम के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के संकल्प की दिशा में राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए यह आयोजन हो रहे हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली में सभी राज्यों के दिवस का आयोजन हो रहा है ताकि देश की विविध सांस्कृतिक पहचान को प्रोत्साहन मिल सके। राज्य दिवस पर कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग की ओर से साहित्य कला परिषद ने कार्यक्रम का आयोजन किया। आयोजन में बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

जौहरी से 75 ग्राम सोना और स्कूटर लूटा

एजेंसी, नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के प्रीत विहार इलाके में एक जौहरी से बंदूक दिखा कर सोने के आभूषण और स्कूटर कथित रूप से लूट लिए गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार रात को उस समय घटी जब पीड़ित सुकुमार धारा मंडावली स्थित अपनी आभूषण की दुकान से घर लौट रहे थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ₹लक्ष्मी नगर निवासी धारा को रात करीब 10:30 बजे मधुबन रोड पर अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने घेर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने धारा को बंदूक दिखाकर धमकाया और जबरन उसका मोबाइल फोन और स्कूटर छीन लिया। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि लूट के समय उसके वाहन में लगभग 75 ग्राम सोने के आभूषण और तीन लाख रुपये नकद थे। अधिकारी ने बताया, ₹धारा की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच का जा रही है।

पुलिस ने कहा कि आरोपियों का पता लगाने और लूटी गई वस्तुओं को बरामद करने के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। संदिग्धों की पहचान करने के लिए आसपास के इलाकों में सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही हैं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नितेश, पुत्रः प्रेम लाल, निवासीः मकान नंबर–1, 439, ए2 ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No.: 814/2014, पुलिस थाना मण्डावली, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **नितेश** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **नितेश** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना मण्डावली, दिल्ली** के अभियुक्त **नितेश** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 29.06.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री सचिन
जेएमएफसी–03, पूर्व जिला, कमरा संख्या 16,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली
DP/5763/ED/2026

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **Section 82 Cr.P.C.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **राहुल, पुत्रः** जगत राम, **पताः** म.नं. A-3/104, ग्राउंड फ्लोर और फर्स्ट फ्लोर, दाल मिल रोड, हस्तल विहार, उत्तम नगर, नई दिल्ली-59, ने **Ct.Cases/520/2022, U/s: 135 Indian Electricity Act, थानाः मोहन गार्डन, नई दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **राहुल,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **राहुल,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **Ct.Cases/520/2022, U/s: 135 Indian Electricity Act, थानाः मोहन गार्डन, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त, **राहुल,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.06.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री हरलीन सिंह
एडिशनल सेशंस जज
डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज,
दक्षिण–पश्चिम, द्वारका, दिल्ली
DP/5842/Dwarka/2026
(Court Matter)

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

भाजपा के हर छोटे-बड़े कार्यकर्ता ने कमाल कर दिया है, कमल खिला दियाः मोदी

पीएम मोदी का भाजपा मुख्यालय पहुंचने पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया

भाजपा मुख्यालय से अपने संबोधन में पीएम ने पांच राज्यों की जनता को दी बधाई

पश्चिम बंगाल में जीत से गदगद मोदी बोलेः गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक कमल खिला

कहा, बंगाल में पहली बार डर नहीं, लोकतंत्र जीता, याद कीजिए पहले कैसी खबरें आती थी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भाजपा की जीत से गदगद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि 'आज का ये दिन ऐतिहासिक है। गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक कमल ही कमल खिल रहा है।' पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत पर प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय से अपना संबोधन देते हुए यह बात कही। बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बनाने जा रही है। पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'मैं चुनाव आयोग और सुरक्षाबलों का अभिनंदन करता हूं।' बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बनाने जा रही है, इस मौके पर पीएम मोदी बंगाली धोती-कुर्ता पहनकर पहुंचे। मोदी ने भी पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने कमल खिला दिया। आज भरोसे की जीत का दिन है। मोदी ने आगे कहा, 'जीत और हार लोकतंत्र और राजनीति का एक स्वाभाविक हिस्सा हैं। लेकिन, पांच राज्यों की जनता ने दुनिया को यह दिखा दिया है कि हमारा देश 'लोकतंत्र की जननी' क्यों है।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'लोकतंत्र केवल एक व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति है। आज न केवल लोकतंत्र की जीत हुई है, बल्कि हमारे संविधान की भी जीत हुई है। हमारी लोकतांत्रिक संस्थाओं की जीत हुई है।' मोदी ने कहा, 'आज मैं चुनाव आयोग को, चुनाव आयोग के सभी कर्मचारी भाई-बहनों को, मतदान प्रक्रिया से जुड़े सभी कर्मियों को और विशेष रूप से सुरक्षा बलों को भी अपनी हार्दिक बधाई देता हूं। भारत के लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखने में आप सभी के योगदान को इतिहास सदैव याद रखेगा।' मैं बंगाल की जनता का, असम की जनता का, पुदुचेरी की जनता का, तमिलनाडु और ▶▶ शेष पेज 7 पर

दिल्ली में आतिशबाजी कर जीत का जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता

खबर संक्षेप

ओडिशा में सड़क हादसा 5 की मौत, 8 घायल

भुवनेश्वर। ओडिशा के जाजपुर जिले में एक बोलेरो वाहन ने पीछे से एक हाइवा ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि चालक सहित 8 अन्य घायल हो गए। घायलों में 2 बच्चे शामिल हैं। और एक महिला भी शामिल हैं। सभी लोग एक शादी समारोह से लौट रहे थे। यह हादसा जेनापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बराडा बेहेरा टंकी चौक के पास हुआ। सभी पीड़ित बड़चना ब्लॉक के पुरुषोत्तमपुर सबर साही गांव के निवासी थे, जो क्योंझर में एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

कभी ममता बनर्जी के करीबी रहे, फिर ऐसी ठनी कि टीएमसी को सत्ता से बेदखल करना बनाया मिशन

बंगाल में भाजपा की जीत में शुभेंदु अधिकारी की रही बड़ी भूमिका, सीएम पद के प्रबल दावेदार

■ 2020 से राज्य में भाजपा का कमल खिलाने की कोशिशों में जुटे थे अधिकारी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत के बाद एक नेता की सबसे ज्यादा चर्चा है। उनका नाम है शुभेंदु अधिकारी। माना जा रहा है कि वे पश्चिम बंगाल के अगले मुख्यमंत्री होंगे। राज्य में ममता बनर्जी को पिछले कई महीने से सड़क से लेकर विधानसभा तक टक्कर देने वाले शुभेंदु अधिकारी भवानीपुर की सीट पर भी ममता के सामने ताल ठोंकने से पीछे नहीं हटे। कभी ममता के करीबी रहे अधिकारी भाजपा में आने से पहले टीएमसी के बड़े नेताओं में शुमार किये जाते थे। बंगाल में भाजपा की जीत का सबसे अहम चेहरा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को माना जा रहा है। वे 2020 के बाद से ही लगातार राज्य में भाजपा को जिताने की कोशिशों में जुटे थे और करीब छह साल बाद वे ऐसा करने में सफल रहे हैं। शुभेंदु का जन्म 15 दिसंबर 1970 को पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के करकुली में हुआ था। उनकी मां का नाम गायत्री अधिकारी है। शुभेंदु बंगाल के एक बेहद ताकतवर राजनीतिक परिवार से आते हैं। उनके पिता, शिशिर अधिकारी राज्य के एक प्रमुख नेता हैं जो मनमोहन सिंह सरकार में केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री रह चुके हैं। पूर्व मेदिनीपुर क्षेत्र में उनके परिवार का इतना गहरा प्रभाव है कि उन्हें अक्सर इलाके का सियासी सम्राट कहा जाता है। शुभेंदु के भाई दिब्येंदु और सौमेंदु भी सांसद और नेता के रूप में सक्रिय हैं। शुभेंदु अधिकारी की राजनीति में एंट्री कांग्रेस के जरिए हुई थी 1995 में उन्होंने अपने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए कांग्रेस जॉइन की। इसी साल वह पहली बार कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में पूर्वी मेदिनीपुर की कांथी नगर पालिका में पार्षद चुने गए थे। हालांकि, शुभेंदु और कांग्रेस का साथ ज्यादा लंबा नहीं चला। 1998 में जब ममता बनर्जी ने कांग्रेस से अलग होकर अपनी नई पार्टी तृणमूल कांग्रेस का गठन किया, तो शुभेंदु और उनका पूरा परिवार भी टीएमसी का हिस्सा बन गया। इसी के चलते अधिकारी परिवार के कोई बार टीएमसी के सह-संस्थापकों के तौर पर भी जाना जाता है। बंगाल की मुख्यधारा की राजनीति में उनका बड़ा कदम साल 2006 में आया। वह कांथी दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में जीतकर पहली बार पश्चिम बंगाल विधानसभा पहुंचे। इसी वर्ष उन्हें कांथी नगर पालिका का अध्यक्ष भी चुना गया। शुभेंदु के जीवन में बड़ा मोड़ 2007 में आया, जब उन्होंने बंगाल की तत्कालीन वामपंथी सरकार की नंदीग्राम में ऐतिहासिक भूमि-अधिग्रहण विरोधी आंदोलन की कमान संभाली और 'भूमि उच्छेद प्रतिरोध कमेटी' का नेतृत्व किया। इसी आंदोलन ने बंगाल में 34 साल पुराने वामपंथी शासन को उखाड़ फेंकने और 2011 में टीएमसी को सत्ता के शिखर तक पहुंचाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई। इसने ममता बनर्जी और टीएमसी को बंगाल की सत्ता में लाने में अहम भूमिका निभाई। इसी लोकप्रियता के दम पर 2009 में वह तमलुक निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव जीतकर पहली बार लोकसभा सांसद बने। टीएमसी के गठन में अधिकारी परिवार के शामिल रहने और शुरुआती आंदोलनों में अहम भूमिका निभाने की वजह से शुभेंदु का टीएमसी में बड़ा कद रहा। उन्हें तृणमूल के अहम स्तंभों के तौर पर जाना जाता था। आलम यह था कि टीएमसी में ही नेता मानते थे कि ममता के बाद पार्टी का चेहरा शुभेंदु अधिकारी ही हैं। इस तरह टीएमसी में उनकी छवि ममता के बाद नंबर-2 नेता की बन गई थी।

नंदीग्राम की सफलता के बाद, 2009 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने तमलुक सीट से सत्तासीन माकपा के बड़े नेता लक्ष्मण सेठ को 1.73 लाख से अधिक वोटों से हराया। 2014 में वह दोबारा इसी सीट से सांसद चुने गए। 2016 में शुभेंदु वापस विधानसभा चुनाव लड़े और नंदीग्राम सीट से जीत हासिल की। इसके बाद उन्हें ममता बनर्जी की सरकार में परिवहन और सिंचाई जैसे भारी भरकम मंत्रालयों का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। टीएमसी में रहते हुए शुभेंदु ने ग्रामीण बंगाल में गहरी पैठ बनाई। उनके नेतृत्व को देखते हुए ममता ▶▶ शेष पेज 7 पर

शुभेंदु जमीनी नेता है और काम करते हैं

शुभेंदु अधिकारी का टीएमसी से मोहभंग होने और भाजपा में शामिल होने का सफर कई महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रमों से होकर गुजरा। दरअसल, शुभेंदु टीएमसी में एक बड़े और जमीनी नेता थे, लेकिन ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी का पार्टी में बढ़ता कद और प्रभाव उनके असंतोष का सबसे प्रमुख कारण बना। अभिषेक को पार्टी प्रबंधन में अधिक जिम्मेदारियां दी जा रही थीं, जिससे कई जिलों में पार्टी को खड़ा करने वाले शुभेंदु खुद को किनारे महसूस करने लगे थे। इसके अलावा, 2019 के लोकसभा चुनावों के बाद पार्टी में चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर का प्रभाव भी बढ़ने लगा था, जिनसे शुभेंदु के गहरे मतभेद थे। इन मतभेदों के चलते उन्होंने पार्टी के कार्यक्रमों और कैबिनेट की बैठकों से दूरी बनानी शुरू कर दी थी। 10 नवंबर 2020 को उन्होंने नंदीग्राम में एक रैली आयोजित की थी, जिसमें टीएमसी का कोई बैनर नहीं लगाया गया था और न ही उन्हें वहां एक मंत्री के रूप में संबोधित किया गया। इसी रैली में उन्होंने खुले मंच से कहा था, 'मैदान-ए-जंग में मिलेंगे', जिससे उनके बागी होने के साफ संकेत मिल गए थे।

तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने चुनाव आयोग को बताया भाजपा आयोग

ममता बनर्जी बोली मुझे मारा भाजपा ने 100 से ज्यादा सीटें लूटी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की करारी हार के बाद ममता बनर्जी ने भाजपा और चुनाव आयोग पर जमकर आरोप लगाए। टीएमसी सुप्रीमो ममता ने कहा कि 'भाजपा ने 100 से ज्यादा सीटें लूटी हैं। चुनाव आयोग अब भाजपा कमीशन बन चुका है।' ममता बनर्जी ने काउंटिंग सेंटर में अपने ऊपर हमला होने का दावा भी किया। ममता ने कहा, 'मुझे भी अंदर जाने नहीं दिया गया...उन्होंने मुझे धक्का दिया, मारा, उन्होंने हर जगह गुंडे लगाए हैं। मैं उम्मीदवार हूं, फिर भी उन्होंने मुझे अंदर नहीं जाने दिया।' उन्होंने कहा, 'तीन बजे से वे हमें मार रहे हैं, उन्होंने मुझे लात मारी, सीसीटीवी बंद कर दिया, हमारे एक एजेंट को घुसने नहीं दिया। मैं 5 मिनट के लिए घुसी थी, मैंने अनुरोध किया था कि हमारे एजेंट को घुसने दें, उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि वे घुसने देंगे लेकिन फिर कोई उपलब्ध नहीं था। मैंने हर जगह शिकायत की।'

■ कहा, हमारी पार्टी इस हार से घबराने वाली नहीं है और हम जोरदार वापसी करेंगे

ममता बनर्जी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनकी पार्टी इस हार से घबराने वाली नहीं है और वे जोरदार वापसी करेंगे। ममता बनर्जी ने आगे कहा, 'क्या आपको लगता है कि यह कोई जीत है? यह एक अनैतिक जीत है, नैतिक जीत नहीं है। चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और केंद्रीय बलों के साथ मिलकर जो कुछ भी किया है, वह पूरी तरह से अवैध है। यह सिर्फ लूट, लूट और लूट है। हम फिर से वापसी करेंगे।' ममता बनर्जी ने कहा, 'भाजपा ने 100 से ज्यादा सीटें लूटी हैं। चुनाव आयोग अब भाजपा का कमीशन बन चुका है। मैंने इस संबंध में चुनाव अधिकारी और मनोज अग्रवाल से भी शिकायत की थी, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की।' दीदी ने इस जीत की वैधता पर सवाल उठाते हुए इसे लोकतंत्र के खिलाफ बताया।

केरल में यूडीएफ की सुनामीः 102 सीटों के ऐतिहासिक जनादेश पर कांग्रेस का दावा, जनता के भरोसे पर खरा उतरने का संकल्प

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

वरिष्ठ कांग्रेस नेता के. सी. वेणुगोपाल ने केरल में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) की भारी जीत को "सुनामी" करार देते हुए इसे राज्य की जनता का ऐतिहासिक और रिकॉर्डतोड़ जनादेश बताया है। उन्होंने कहा कि केरल की लगभग 3 करोड़ जनता ने यूडीएफ के पक्ष में अभूतपूर्व समर्थन देकर 102 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत दिया है। वेणुगोपाल ने अपने बयान में कहा कि इस चुनाव में "लाल किले" (वाम दल)) ढह गए हैं और पारंपरिक चुनावी गणित पूरी तरह बदल गया है। उनके अनुसार, पूरे केरल में यूडीएफ की लहर चली है, जिसने सभी वर्गों युवा, महिलाएं, किसान और आम नागरिक को एकजुट करते हुए जीत दिलाई। उन्होंने इस जीत को आम जनता की जीत बताते हुए कहा कि समाज के हर वर्ग, चाहे वह वर्ग, समुदाय या क्षेत्र के आधार पर विभाजित क्यों न हो, सभी ने एकजुट होकर यूडीएफ पर भरोसा जताया है। यह जनादेश जनता की आकांक्षाओं और बदलाव की इच्छा को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। कांग्रेस महासचिव ने इस सफलता का श्रेय मल्लिकार्जुन खड़गे के मार्गदर्शन और राहुल गांधी के गतिशील नेतृत्व को दिया। उन्होंने कहा कि यह एकजुट संघर्ष की जीत है, जिसमें पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं ने मिलकर काम किया। वेणुगोपाल ने आश्वासन दिया कि यूडीएफ एक जनहितकारी, कल्याणकारी और संवेदनशील सरकार का गठन करेगा, जो लोगों की आवाज सुनेगी, सभी धर्मों और विश्वासों का सम्मान करेगी और हर मलयाली के साथ न्याय और समानता का व्यवहार सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि यह जनादेश एक बड़ी जिम्मेदारी है और यूडीएफ इस भरोसे पर खरा उतरने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। सरकार जनता की अपेक्षाओं से आगे बढ़कर केरल के समग्र विकास और परिवर्तन के लिए काम करेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि केरल में यूडीएफ की यह प्रचंड जीत राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव ▶▶ शेष पेज 7 पर

31 मार्च 2026 को समाप्त तिमाही एवं वर्ष के लिए स्टैंडअलोन एवं कंसोलिडेटेड अंकेक्षित वित्तीय परिणामों का सार (₹ करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	3 माह समाप्त 31.03.2026 (स्टैंडअलोन – अंकेक्षित)	3 माह समाप्त 31.03.2025 (स्टैंडअलोन – अंकेक्षित)	समाप्त वर्ष 31.03.2026 # (स्टैंडअलोन – अंकेक्षित)	समाप्त वर्ष 31.03.2025 (स्टैंडअलोन – अंकेक्षित)	3 माह समाप्त 31.03.2026 (कंसोलिडेटेड – अंकेक्षित)	3 माह समाप्त 31.03.2025 (कंसोलिडेटेड – अंकेक्षित)	समाप्त वर्ष 31.03.2026 # (कंसोलिडेटेड – अंकेक्षित)	समाप्त वर्ष 31.03.2025 (कंसोलिडेटेड – अंकेक्षित)
1.	प्रचालनों से कुल आय	12310.37	8993.37	33782.18	28339.48	12310.37	8993.37	33782.18	28339.48
2.	अवधि के लिए निवल लाभ / (हानि) (कर, अपवादात्मक मदों से पूर्व)	1719.80	704.02	2116.30	724.67	1710.81	694.50	2077.56	686.59
3.	कर पूर्व अवधि के लिए निवल लाभ/(हानि)(अपवादात्मक मदों एवं समेकित परिणामों में सयुक्त उद्यमों के निवल लाभ/(हानि) के शेयर के बाद)	1719.80	704.02	2116.30	724.67	1727.59	704.42	2138.61	745.60
4.	कर पश्चात अवधि के लिए निवल लाभ / (हानि)	1282.68	504.05	1577.95	512.97	1290.47	504.45	1600.26	533.90
5.	अवधि के लिए कुल व्यापक आय (अवधि के लिए लाभ/(हानि) (कर पश्चात) और अन्य व्यापक आय (कर पश्चात) शामिल)	1383.32	412.05	1577.58	349.47	1391.08	412.41	1599.65	370.56
6.	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रु. 2 प्रति शेयर)	696.41	696.41	696.41	696.41	696.41	696.41	696.41	696.41
7.	अन्य इक्विटी	25820.08	24416.60	25820.08	24416.60	25450.19	24025.75	25450.19	24025.75
8.	निवल मूल्य	26516.49	25113.01	26516.49	25113.01	26146.60	24722.16	26146.60	24722.16
9.	प्रति शेयर मूल तथा डाइल्यूटेड अर्जन	3.68	1.45	4.53	1.47	3.71	1.45	4.60	1.53
10.	पूंजी विमोचन रिजर्व	37.87	37.87	37.87	37.87	37.87	37.87	37.87	37.87

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा लेखापरीक्षा के अधीन।

नोट:
1. वर्तमान अवधि के वर्गीकरण के अनुरूप, जहाँ भी आवश्यक समझा गया, आंकड़ों को पुनः समूहीकृत / पुनर्व्यवस्थित किया गया है।
2. उपरोक्त परिणाम लागू सेबी (लिस्टिंग दायित्व एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 (समय-समय पर संशोधित) के अनुसार तैयार किए गए हैं। यह उल्लेखनीय है कि वर्तमान में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के निदेशक मंडल में केवल एक स्वतंत्र निदेशक होने के कारण कोरम के अभाव में बोर्ड स्तरीय लेखा परीक्षा समिति की बैठक आयोजित नहीं की जा सकती। अतः, परिणामों को सीधे 04.05.2026 को आयोजित बोर्ड बैठक में प्रस्तुत किया गया तथा इस बैठक में निदेशक मंडल द्वारा उनकी समीक्षा कर अनुमोदन प्रदान किया गया।
3. अंतिम तिमाही के आंकड़े, पूर्ण वित्तीय वर्ष के अंकेक्षित (ऑडिटेड) आंकड़ों और वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही तक प्रकाशित वर्ष-से-तिथि (Year-to-Date) आंकड़ों के बीच संतुलनकारी आंकड़े हैं।
4. निदेशक मंडल ने 2 रुपये प्रति शेयर के अंकित मूल्य (Face Value) पर 1.40 रुपये प्रति शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है।
5. ट्रेड रिसीवेबलस में ग्राहक STPG से ₹196 करोड़ (चालू वर्ष में USD 2.5 मिलियन प्राप्त होने के पश्चात शेष USD 23 मिलियन) की अतिदेय राशि शामिल है पिछले वर्ष ₹211 करोड़ (USD 25.5 मिलियन)। यह राशि सूडान में जारी संकट के कारण रुकी हुई है। बोर्ड द्वारा अनुमोदित होने के कारण इसे अच्छा माना गया है और इसके लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है। यदि इस राशि के लिए प्रावधान किया जाता, तो 'कर पूर्व लाभ' (Profit before tax) पर प्रभाव ₹179 करोड़ (ECL प्रावधान के बाद शुद्ध) होता।
6. भारत सरकार ने 21 नवम्बर 2025 को चार श्रम संहिताओं (जिन्हें सामूहिक रूप से नए श्रम संहिता कहा जाता है) को अधिसूचित किया है। हालांकि, इन संहिताओं के अंतर्गत विस्तृत नियम अभी पूर्ण रूप से अधिसूचित नहीं किए गए हैं और न ही प्रभाव में लाए गए हैं। किसी भी वित्तीय प्रभाव को उस अवधि में मान्यता दी जाएगी, जिसमें संबंधित नियम अधिसूचित होकर प्रभावी हो जाएंगे, तथा यह मान्यता लागू लेखा मानकों के अनुसार की जाएगी। कंपनी ने भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी मार्गदर्शन के आधार पर निश्चित अवधि (Fixed-term) कर्मचारियों के संबंध में ग्रेच्युटी के लिए प्रावधान मान्यता दी है, जिसमें Ind AS 19 के अनुरूप एक्चुरियल मूल्यांकन सिद्धांतों का उपयोग किया गया है।
7. सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) नियम, 2015 के विनियम 52(4) के अनुसार अतिरिक्त प्रकटीकरण अनुबंध 'ए' में संलग्न हैं।
8. कंपनी के निम्नलिखित संयुक्त उद्यम हैं: बीएचईएल-जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (बीजीजीटीएस), रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरपीसीएल), एनटीपीसी-बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एनबीपीपीएल) और भारत कोल गैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड (बीसीजीसीएल)। वर्ष के दौरान कंपनी की कोई सहायक कंपनी (सब्सिडीयरी) और सहयोगी (एसोसिएट्स) नहीं है।
9. उपरोक्त 31 मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए संशोधित सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों में दायर विस्तृत वित्तीय परिणामों का सार है। उपरोक्त रिपोर्टिंग अवधि के लिए, प्रतिभूति प्रीमियम खाते, ऋण पूंजी, वरीयता शेयर, डिबेंचर मोचन आरक्षित, ऋण इक्विटी अनुपात, ऋण सेवा कवरेज अनुपात और ब्याज सेवा कवरेज अनुपात के संबंध में जानकारी शून्य/एनए है। लिस्टिंग विनियमों के विनियम 52(4) में निर्दिष्ट प्रकटीकरण सहित वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप स्टॉक एक्सचेंजों की वेबसाइटों: www.nseindia.com और www.bseindia.com पर और कंपनी की वेबसाइट www.bhel.com ''वित्तीय सूचना'' अनुभाग के अंतर्गत उपलब्ध है। इसे नीचे दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके भी देखा जा सकता है।

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 04.05.2026

कृते भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
हस्ता/-
(के. सदाशिव मूर्ति)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय: बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली-110049
सीआईएन: L74899DL1964GOI004281 | फोन: नं. 91-11-66337598
ई-मेल: shareholderquery@bhel.in | www.bhel.com

हमें फॉलो करें
/BHELOfficial /BHEL_India /BHEL_India /bhel.india /company/bhel

खबर संक्षेप

अमर शहीद गुलाब सिंह लोधी की 124वीं जयंती

फरीदाबाद। लोधी राजपूत जन कल्याण समिति फरीदाबाद द्वारा झण्डा सत्याग्रह आन्दोलन के

महानायक क्रांतिकारी अमर शहीद गुलाब सिंह लोधी का 124वां जयंती कार्यक्रम समिति कार्यालय में आयोजित किया गया। वरिष्ठ समाजसेवी सुरेश चन्द्र पाठक, लाखनसिंह लोधी, रूपसिंह लोधी, धर्मपाल सिंह लोधी, शीशपाल शास्त्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर नमन किया।

वसुंधरा झुग्गियों में लगी आग, कई झुग्गी राख

गाजियाबाद। वसुंधरा सेक्टर 9 स्थित झुग्गी में सोमवार सुबह अचानक आग लग गई। जिसमें कई

झुग्गियां जलकर राख हो गई। दमकल की टीम पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग आग पर काबू पाया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि इस अग्निकांड में शिराजुद्दीन व महराज, मनीराम और नरेश व राजेश की झुग्गियां जलकर राख हो गई। सभी झुग्गियों में कपड़े प्रेस करने का काम करते थे।

एकता सम्मेलन और शपथ ग्रहण समारोह

फरीदाबाद। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा का एकता सम्मेलन और शपथ समारोह कार्यक्रम की

अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सांवरमल गुर्जर ने की। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय महामंत्री बच्चू सिंह बैसला और युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष नचिकेतन मुखी मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि जल्दी ही अखिल भारतीय गुर्जर महासभा सभी राज्यों में अपनी इकाई संगठित कर कार्य करेगी।

जीआईएल ने वित्त वर्ष में तोड़े सभी रिकॉर्ड

गुरुग्राम। गोदरेज प्रॉपर्टीज लि. ने अपनी चौथी तिमाही और पूरे वित्तीय वर्ष के लिए अपने वित्तीय

परिणामों की घोषणा की। जिसमें गोदरेज प्रॉपर्टीज ने वित्त वर्ष 2026 के लिए 1,850 करोड़ का अपना सर्वाधिक वार्षिक शुद्ध लाभ दर्ज किया। यह अब तक का सबसे अधिक त्रैमासिक शुद्ध लाभ है। कार्यकारी अध्यक्ष पिरोजशा गोदरेज ने कहा कि यह गोदरेज प्रॉपर्टीज के लिए 2026 ऐतिहासिक रहा है।

देसी कट्टा के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। 3 मई को क्राईम ब्रांच डीएलएफ फरीदाबाद की टीम ने एक व्यक्तिको अवैध देसी कट्टा के

साथ गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान सोनू निवासी ग्राम मलोली जिला सन्त कबीर नगर उत्तर प्रदेश हाल भारत कॉलोनी, गांव असावटी जिला पलवल के रूप में हुई है। आरोपी ने बताया कि देसी कट्टा को संत कबीर नगर उप्र से 4000 रुपए में लेकर आया था। आरोपी को जेल भेजा गया है।

हत्या के मामले में दूसरे भाई भी गिरफ्तार

फरीदाबाद। भाई की हत्या के मामले में पुलिस ने दूसरे भाई को गिरफ्तार कर लिया है। मई 2024 में

थाना धौज में एक महिला ने शिकायत में कहा था कि उसका पति शराब पीने का आदी था। वह उससे अलग रह रही थी। पति मुकेश की अपने भाई गोविंदा व दिनेश के साथ कहासुनी हुई थी। दोनों ने लात घूसों से हमला किया था, जिसमें वह घायल हो गया। 30 मई 2024 को इलाज के दौरान मुकेश की मृत्यु हो गई।

विधायक मूलचंद शर्मा ने सोहना पुल को डबल करने के कार्य का किया शुभारंभ

29 करोड़ 10 लाख रुपए की लागत से बनकर तैयार होगा डबल लेन पुल,लोगों को यातायात में मिलेगी बड़ी राहत

विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा कि सोहना पुल के डबल होने से बल्लभगढ़ से सोहना और गुरुग्राम की ओर जाने वाले मार्ग पर बेहतर कनेक्टिविटी स्थापित होगी और क्षेत्र के लोगों को यातायात में बड़ी राहत मिलेगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

बल्लभगढ़ क्षेत्र के विकास को गति देते हुए लगभग बहु प्रतिक्षित 29 करोड़ 10 लाख रुपए से अधिक की लागत से बनने वाले सोहना पुल को डबल करने के कार्य ने अब रफ्तार पकड़ ली है। इस परियोजना के अंतर्गत पहले पिलर की आधारशिला रखने के शुभ अवसर पर यज्ञ-हवन के साथ विधिवत भूमिपूजन

इस साल 50 सेंटरों में आसानी से मिल सकेगी गोकाष्ठ

कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक मूलचंद शर्मा ने अपने कर कमलों से यज्ञ-हवन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि सोहना पुल के डबल होने से बल्लभगढ़ से सोहना और गुरुग्राम की ओर जाने वाले मार्ग पर बेहतर कनेक्टिविटी स्थापित होगी और क्षेत्र के लोगों को यातायात में बड़ी राहत मिलेगी।

उन्होंने बताया कि इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद बल्लभगढ़ औद्योगिक क्षेत्र को भी इसका भरपूर लाभ मिलेगा और व्यापारिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। साथ ही लाखों नागरिकों को प्रतिदिन जाम मुक्त आवागमन का लाभ प्राप्त होगा।

पुल की चौड़ाई साढ़े 10 मीटर व लंबाई 870 मीटर होगी

विधायक ने परियोजना को स्वीकृति देने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री हरियाणा एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर का आभार व्यक्त किया। इस पुल की चौड़ाई लगभग साढ़े 10 मीटर रहेगी जबकि लंबाई 870 मीटर होगी। उन्होंने कहा कि वो सौभाग्यशाली हैं कि जब यहां पर पहला पुल बनाया गया था तब वे सरकार में हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन के सदस्य थे और इस पुल के निर्माण कार्य के साक्षी बने थे और स्वयं विधायक रहकर डबल पुल निर्माण का भूमिपूजन करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने सभी बल्लभगढ़ के निवासियों को इस पुल निर्माण के लिए बधाई दी है। इस मौके पर विधायक मूलचंद शर्मा ने पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी और असम चुनाव में भाजपा की प्रचण्ड जीत पर बधाई दी और कार्यकर्ताओं को लड्डू बांटकर खुशी का ईजहार किया।

गंगोत्री से लेकर गंगा सागर कमल का विजय पताका

बंगाल की जनता ने भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण व हिंसा की राजनीति को नाकार दिया

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि बंगाल की जनता ने भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और हिंसा की राजनीति को नकारते हुए ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को करारा जवाब दिया है।

■ **यह केवल जीत नहीं, भारत की आत्मा में राष्ट्रवादी चेतना का विराट उदय**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

बंगाल, असम और पांडिचेरी में जीत केबाद केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि बंगाल की जनता ने भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और हिंसा की राजनीति को नकारते हुए ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ बंगाल के लोग लंबे समय तक नहीं ले सके, इसलिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास और सुशासन पर भरोसा जताते हुए भारतीय जनता पार्टी को समर्थन दिया। यह केवल केवल चुनावी जीत नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और भाजपा की विकासवादी सोच की विजय है। गुर्जर ने कहा कि पिछले वर्षों में देश ने आतंकवाद और नक्सलवाद में कमी देखी है, जिससे जनता में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। बंगाल की जनता भय, भ्रष्टाचार और हिंसा के माहौल से मुक्तिचाहती थी और विकास तथा सुशासन के रास्ते पर आगे बढना

चाहती थी। इसी सोच के साथ उन्होंने श्री मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा और एनडीए सरकार को चुना। इस जीत में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। असम में भी महिलाओं के समर्थन ने दो-तिहाई बहुमत दिलाने में अहम योगदान दिया। कृष्णपाल गुर्जर ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन बिल का विरोध कर विपक्षी दलों ने महिलाओं का अपमान किया, जिसका जवाब महिलाओं ने चुनाव में भाजपा का समर्थन करके दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर नीति निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना चाहते हैं, लेकिन विपक्ष ने इसमें बाधा डाली, जिसका खामियाजा अब उन्हें भुगतना पड़ रहा है।

ढोल-नगाड़ों के साथ कार्यकर्ताओं ने मनाई खुशी

केन्द्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के नेतृत्व में सांसद कार्यालय सेक्टर-28 फरीदाबाद पर पश्चिम बंगाल, असम और पांडिचेरी में भारतीय जनता पार्टी की शानदार एवं ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में भव्य जश्न मनाया गया। केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा, विधायक सतीश फागना, हरेन्द्र रामरतन, जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल के साथ स्वयं ढोल बजाकर जीत की खुशी का इजहार किया और कार्यकर्ताओं के साथ नृत्य कर इस ऐतिहासिक विजय को उत्सव के रूप में मनाया। कृष्णपाल गुर्जर समेत सभी नेताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी और कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक पहली बार मां गंगा के सम्पूर्ण प्रभा पर कमल का विजय पताका यह केवल जीत नहीं भारत की आत्मा में राष्ट्रवादी चेतना का विराट उदय है।

उत्तर और दक्षिण को बांटने की राजनीति करने वाले दलों को सबक सिखाया

गुर्जर ने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस का बंगाल में खाता तक नहीं खुल पाया, वहीं असम में कांग्रेस के नेता गौरव गोगोई को अपनी ही जीत के लिए संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा कि जो नेता खुद अपने क्षेत्र में मजबूत स्थिति में नहीं हैं, वे पार्टी को कैसे आगे बढ़ा सकते हैं। तमिलनाडु के लोगों ने भी उत्तर और दक्षिण को बांटने वाली राजनीति करने वाले दलों को सबक सिखाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि देश की जनता के लिए राष्ट्र सर्वोपरि है और अब लोग समझ चुके हैं कि देश को बांटने वालों को कैसे जवाब देना है।

पल्ला सेहतपुर में बनेगा अत्याधुनिक अर्बन हेल्थ सेंटर

प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती दे रही राज्य सरकार

■ **22-33 करोड़ रुपए की मंजूरी**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हरियाणा सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में लगातार बड़े कदम उठा रही है। इसी कड़ी में फरीदाबाद जिले के गांव पल्ला सेहतपुर में नए अर्बन हेल्थ सेंटर के निर्माण को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना पर लगभग 22.33 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अर्बन हेल्थ सेंटर के निर्माण से क्षेत्र के हजारों लोगों को बेहतर और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा। खासतौर पर ग्रामीण और आसपास के शहरी क्षेत्रों के लोगों को इलाज के लिए दूर-दराज के बड़े अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

सरकारी अस्पतालों पर मरीजों का दबाव कम होगा

उन्होंने कहा कि इस स्वास्थ्य केंद्र के शुरू होने से प्राथमिक और सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी, जिससे मरीजों को समय पर उपचार मिल सकेगा और बड़े सरकारी अस्पतालों पर मरीजों का दबाव भी कम होगा। प्रदेश भर में नए स्वास्थ्य संस्थानों की स्थापना, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

हर नागरिक को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मिले

उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के हर नागरिक को उसके क्षेत्र में ही बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें। पल्ला सेहतपुर में बनने वाला यह अर्बन हेल्थ सेंटर इसी सोच का हिस्सा है, जो आने वाले समय में क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मोरटावासियों ने जीडीए से लगाई समस्याओं के निस्तारण की गुहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

मोरटा ग्राम वासियों का एक बुजुर्गों का पैनल जीडीए के चीफ इंजीनियर से विनीत त्यागी और शुभम त्यागी के नेतृत्व में मिला जिसमें ग्राम वासियों ने अपनी मुख्य तीन बातों को रखा। उन्होंने बताया कि लंबे समय से हाई राइस समिति का पूरा पानी गांव के नाले में डाला जा रहा है। जिस वजह से गांव के नाले का पानी ओवरफ्लो होकर एक मुख्य मार्ग बंद हो गया है और स्कूल के बच्चों का आने जाने का रास्ता बंद हो गया है। बच्चों को 1 किलोमीटर से ज्यादा घूम कर आना पड़ रहा है और डेंगू मलेरिया फैलने का खतरा और नाले पर स्थित बड़े मकान की गिरने का खतरा पैदा हो गया है।

इस लड़ाई को पहले से ही शुभम त्यागी व गांव के बुजुर्ग लड़ते आ रहे हैं जिसमें पहले भी जिला अधिकारी और नगर निगम के लोगों से भी मुलाकात हो चुकी है परंतु चीफ इंजीनियर ने गांव की परेशानी को देखते हुए दो दिन के अंदर पानी के ओवरफ्लो को कम करने और गलत तरीके से हाई राइज के पानी को नाले में डालने के निवारण का आश्वासन सभी ग्राम वासियों को दिया। पैनल में महेंद्र त्यागी, महेश त्यागी, धर्मवीर फौजी,अनुज त्यागी, पप्पू त्यागी, पवन शर्मा, विनोद शर्मा, बबल त्यागी ,अनिल त्यागी ,विजय नेता दीपक त्यागी अरुण त्यागी शामिल थे।

भाजपा की तीन राज्यों में प्रचण्ड जीत पर पार्षद पंवार ने लड्डू बांटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

गांव चंदावली में पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी और असम विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत की खुशी में पूरे देश में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। मनोनीत पार्षद जसवंत पवार सैनी के जनसेवक पार्षद कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में मातृशक्ति और गांव की सरदारी ने मिलकर लड्डू बांटकर जीत का जश्न मनाया व आतिशबाजी की।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे और सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी सांझा की। पूरे कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में जश्न का माहौल बना रहा। इस मौके पर जसवंत पवार सैनी ने कहा कि इन चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और पार्टी के राष्ट्रीय

अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखने को मिला। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित प्रदेश के सांसदों, विधायकों, पार्षदों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिन-रात मेहनत कर इस जीत को संभव बनाया है, जिसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने विशेष रूप से पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी और असम की जनता को इस ऐतिहासिक जीत के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह जनविश्वास और विकास की नीतियों की जीत है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एकजुट होकर पार्टी की जीत पर खुशी जाहिर की और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का असर नालियों में कीचड़, कूड़ा नहीं उठने से बदबू आना शुरू

नगर पालिकाकर्मियों की हड़ताल, शहर की सफाई व्यवस्था चरमराई, संक्रमण की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर आज चौथे दिन भी नगर निगम के सफाई कर्मचारियों के अलावा फील्ड कर्मचारियों की पूर्ण रूप से हड़ताल रही, वहीं कार्यालयों का कार्य भी प्रभावित रहा। गौरतलब है कि फरीदाबाद निगम क्षेत्र में प्रतिदिन लगभग 8 टन कूड़ा प्रतिदिन निकलता है, कूड़ा उठान की व्यवस्था में नगर निगम हड़ताल से पूर्व ही असफल था, अब हड़ताल होने के बाद शहर वासियों के लिए और संकट का समय आ गया है। गर्मी और बारिश का मौसम सफाई का सीजन होता है यदि इस समय में सफाई व्यवस्था ठप रहेगी व कूड़ा शहर से नहीं उठाया जाएगा तो शहर में घातक बीमारियां एवं कई प्रकार के संक्रमण फैलने की स्थिति बन सकती है।

मुख्यालय पर जोरदार विरोध सभा एवं प्रदर्शन किया

नगर निगम के हड़ताली कर्मचारियों ने मुख्यालय पर जोरदार विरोध सभा एवं प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन की अध्यक्षता सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान बलबीर सिंह बालगुहेर ने की। मंच का संचालन नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला सचिव अनिल चिंडालिया व सफाई कर्मचारी यूनियन के सचिव महेंद्र कुडिया ने संयुक्त रूप से किया। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने कहा कि सरकार है हठधर्मिता छोड़ फायर एवं नगर पालिका कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों का बातचीत कर समाधान करें।

17 सूत्रीय मांग का समाधान करवाए बगैर पीछे नहीं हटेंगे

शास्त्री ने चेतावनी भी है सरकार ने यदि कल 5 मई तक हड़ताल का समाधान नहीं निकला तो नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा इस हड़ताल को आगे बढ़ाने के लिए मजबूर होगा। शास्त्री ने कहा कि ठेका प्रथा समाप्त, ठेके में लगे कर्मचारी विभाग के रोल पर 60 प्रतिशत डीए एवं सभी रिक्त सहित समान काम समान वेतन देने रिक्त पदों पर पक्की भर्ती एवं नए पदों का सृजन करने वह 17 सूत्रीय मांग का समाधान करवाए बगैर नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा हड़ताल से पीछे नहीं हटेंगे।

जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व पार्टी संगठन को दिया

असम व पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक विजय पर मनाया जश्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

असम और पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक विजय पर गाजियाबाद में भाजपाइयों ने जश्न मनाया। उन्होंने इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व पार्टी संगठन को दिया। कार्यकर्ताओं ने नृत्य कर अपनी खुशी का इज़हार किया। "भारत माता की जय" और "भाजपा ज़िंदाबाद" के नारों से वातावरण गूंज उठा।

भाजपा के महानगर कार्यालय पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत से उठी जनसमर्थन की प्रचंड लहर ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि देश की जनता विकास, राष्ट्रवाद और मजबूत नेतृत्व के साथ अडिग खड़ी है। असम और पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के ऐतिहासिक प्रदर्शन ने नए भारत की दिशा को और अधिक स्पष्ट कर दिया है।

जनता को तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार की राजनीति पसंद नहीं

पूर्व महानगर अध्यक्ष अजय शर्मा ने कहा कि असम में लगातार तीसरी बार प्रचंड जनसमर्थन और पश्चिम बंगाल में अभूतपूर्व जनाधार विस्तार यह दर्शाता है कि जनता अब तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार की राजनीति को नकारते हुए विकास और विश्वास की राह पर आगे बढ़ चुकी है। इस ऐतिहासिक विजय के केंद्र में देश के प्रधानमंत्री का सशक्त और दूरदर्शी नेतृत्व रहा है, जिनकी नीतियों ने जन-जन तक विकास का प्रकाश पहुंचाया है। अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व सदस्य सरदार एसपी सिंह, पार्षद प्रदीप चौधरी समेत तमाम लोग उपस्थित रहे। उधर सांसद अतुल गर्ग के आवास पर जीत का जश्न मनाया गया। इस मौके पर विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक जीत है। जिसको लेकर आम जनता में खुशी है। इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी व गृह मंत्री अमित शाह समेत पूरी पार्टी को जाता है।सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि यह आम जनता के विश्वास की जीत है। पीएम मोदी का नेतृत्व करिश्माई है। इस मौके पर पूर्व महापौर आशु वर्मा समेत तमाम भाजपा नेता मौजूद थे।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र सूचना

पत्र सं. 365135 — दिनांक: 02.05.2026

शुद्धिपत्र विवरण	शुद्धिपत्र प्रकाशन तिथि
शुद्धिपत्र संख्या 1	02.05.2026, 10:56

निविदा विवरण — समापन तिथि / समय 03.06.2026, 15:00
निविदा संख्या 365135 (खुली निविदा)
कार्य का नामः वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनसेट का व्यापक रखरखाव अनुबंध।

संशोधित मदें एनआईटी हेडर

फील्ड का नाम	मौजूदा मान	संशोधित मान
पूर्व–निविदा प्रश्न तिथि और समय	04.05.2026, 11:00	11.05.2026, 11:00

1479/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **ओम प्रकाश पुत्रः श्री राम सिंह पताः मकान नं. 9, खैबर पास, सिविल लाइन्स पुलिस स्टेशन के पास, दिल्ली** ने **CC No. 540864/16 U/s 138 NI Act, थानाः तिमारपुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **ओम प्रकाश** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **ओम प्रकाश** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC No. 540864/16 U/s 138 NI Act, थानाः तिमारपुर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **ओम प्रकाश** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद / मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 30.06.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री उर्वी गुप्ता
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी (एनआइ एक्ट–01)
केन्द्रीय, रूम नं. 201, केन्द्रीय उपभवन–II
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/5436/N/2026 (Court Matter)

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/ प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	हरियाणा चिकित्सा सेवाएं निगम लिमिटेड पंचकूला (एचएमएससीएल)	आवश्यकता की अनुसूची में मद के तहत वर्णित अनुसार दो वर्षीय दर अनुबंध पर लैमिनार एयर फ्लो बैंचटॉप की आपूर्ति, स्थापना और प्रचालन हेतु निविदा।	04.05.2026 18.05.2026	रु.2,50,00,000/-	www.hmscl.org.in	8929299829 equipmentdgm2020@gmail.com
2	हरियाणा चिकित्सा सेवाएं निगम लिमिटेड पंचकूला (एचएमएससीएल)	आवश्यकता की अनुसूची में मद के तहत वर्णित अनुसार दो वर्षीय दर अनुबंध पर पोर्टेबल हैंड हैल्ड ट्यूब सीलर सहित गन की आपूर्ति, स्थापना और प्रचालन हेतु निविदा।	04.05.2026 18.05.2026	रु.15,00,000/-	www.hmscl.org.in	8929299829 equipmentdgm2020@gmail.com
3	हरियाणा चिकित्सा सेवाएं निगम लिमिटेड पंचकूला (एचएमएससीएल)	आवश्यकता की अनुसूची में मद के तहत वर्णित अनुसार दो वर्षीय दर अनुबंध पर डिजिटल एनालाइटिकल बैलेंस की आपूर्ति, स्थापना और प्रचालन हेतु निविदा।	04.05.2026 18.05.2026	रु.22,50,000/-	www.hmscl.org.in	8929299829 equipmentdgm2020@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in — संवाद–13/2027/80/44917/I/88/7 दि. 04.05.26

जीत का जश्न : सीएम ने मंत्रियों संग खाए झालमुड़ी और रसगुल्ले

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

देश के विभिन्न विधानसभा चुनावों, विशेषकर पश्चिम बंगाल और असम में भारतीय जनता पार्टी की प्रभावी और प्रचंड जीत पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ हर्ष जताया और सभी ने एक-दूसरे को झालमुड़ी और रोशोगुल्ल खिलाकर खुशी साझा की।

मुख्यमंत्री ने इस जीत पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे देश की जनता के विश्वास और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही जनकल्याणकारी नीतियों की स्पष्ट स्वीकृति कहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को इस ऐतिहासिक जीत के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्र सरकार की विकास नीतियों का लाभ अब पश्चिम बंगाल को भी मिलेगा और वह दिल्ली की तरह विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में भी देश की जनता विकास, स्थिरता और सुशासन के पक्ष में इसी प्रकार अपना समर्थन देती रहेगी।

- रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह व भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन को दी बधाई
- दिल्ली की तरह प्रधानमंत्री की नीतियों का लाभ अब पश्चिम बंगाल को भी मिलेगा : रेखा

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जीत केवल राजनीतिक सफलता नहीं, बल्कि देश के बदलते मनोभाव का प्रतीक है। अब देश की जनता झूठे नारों, भ्रम फैलाने वाली राजनीति और तथाकथित धर्मनिरपेक्षता के खोखले दावों से ऊपर उठकर ठोस विकास, पारदर्शिता और परिणाम आधारित शासन को प्राथमिकता दे रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र को व्यवहार में उतारा है, जिसका असर आज हर राज्य और हर वर्ग में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि केंद्र सरकार की जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने आमजन के जीवन में वास्तविक परिवर्तन आया है। गरीब, किसान, महिला और युवा, सभी वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में जो कार्य हुए हैं, उन्होंने देश की विकास यात्रा को नई गति दी है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बढ़ती साख और मजबूत नेतृत्व ने देश की छवि को और सुदृढ़ किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की नीति केवल चुनावी जीत तक सीमित नहीं है, बल्कि हर राज्य में संतुलित और समान विकास सुनिश्चित करना उसका लक्ष्य है।

पूर्वोत्तर से लेकर पूर्वी भारत तक बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और रोजगार के अवसरों में जो अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, वही इन चुनाव परिणामों में परिलक्षित हो रही है। मुख्यमंत्री के अनुसार पश्चिम बंगाल सरकार ने केंद्र की अधिकतर विकास योजनाओं को लागू ही नहीं किया था। अब राज्य के नागरिक केंद्र की नीतियों का लाभ भी पाएंगे, जिससे उनके जीवन स्तर में प्रभावी सुधार होगा।

प्रवेश वर्मा ने बंगाल व असम में भाजपा की जीत पर जलेबी और झालमुड़ी बांटकर मनाया जश्न

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल और असम में भाजपा की प्रचंड जीत व पांडिचेरी में गठबंधन की जीत की खुशी में कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा ने अपने आवास पर लोगों को झालमुड़ी और जलेबी बांटी। विंडसर प्लेस स्थित आवास पर प्रवेश वर्मा ने जलेबी और झालमुड़ी वितरित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल व असम में भाजपा की प्रचंड जीत हमारे सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। इस जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, देश के गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को सबसे ज्यादा जाता है। सभी की मेहनत से यह परिणाम आया है। अब बंगाल में गुंडागर्दी बंद होगी और बंगाल विकास के नए रास्ते पर आगे बढ़ेगा। अब तक ममता दीदी केंद्र सरकार की योजनाओं को बंगाल में लागू नहीं होने देती थीं, वह सभी योजनाएं बंगाल में लागू होंगी और भाजपा सरकार वहां विकास करेगी। प्रवेश वर्मा ने कहा कि पिछले चुनाव में जब बीजेपी हार गई थी तो तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की थी। कई कार्यकर्ताओं को मार भी दिया था। महिलाओं के साथ रेप किया था। अब यह सब गुंडागर्दी पूरी तरह खत्म होगी। प्रवेश वर्मा ने कहा कि मैं इस मौके पर असम, पश्चिम बंगाल और पांडिचेरी की जनता को धन्यवाद देता हूं और भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं कि उनकी अथक मेहनत से भाजपा आज रिकॉर्ड तोड़ जीत की ओर आगे बढ़ी है।

'बंगाल में भाजपा की जीत के साथ पीएम का सपना हुआ पूरा'

नई दिल्ली। बंगाल में भाजपा की जीत के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गंगोत्री से गंगा सागर तक कमल खिलाने का सपना पूरा हुआ है। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने सोमवार को चुनाव में भाजपा की जीत को लेकर यह बात कही। उन्होंने कहा है कि इस जीत का माध्यम केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की चुनावी योजना और हजारों लाखों भाजपा कार्यकर्ताओं का संघर्ष बना है। इसी के साथ बंगाल के लोगों ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125वीं जन्म जयंती वर्ष में उनकी स्मृति में पुष्पांजलि अर्पित की है। सचदेवा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन, गृह मंत्री अमित शाह सहित सम्पूर्ण भाजपा नेतृत्व को केरलम में भाजपा का खाता खुलने के साथ ही बंगाल में सरकार बनने और असम एवं पांडिचेरी में पुनः भाजपा नेतृत्व में एन.डी.ए. सरकार बनने पर शुभकामनाएं दी है। इसी चुनाव से आज भारत कम्युनिस्ट फ्री देश बन गया है।

निकाला गया बंगाल विजय जुलूस

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुघ के नेतृत्व में दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा एवं दिल्ली भाजपा कार्यकर्ताओं ने दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर बंगाल विजय जुलूस निकाला। स्वंय ढपली बजाते प्रसन्नचित तरूण चुघ के नेतृत्व में वीरेन्द्र सचदेवा एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता गाजे बाजे के बीच भाजपा राष्ट्रीय कार्यालय के बाहर एकत्र हुए और विजय जुलूस लेकर वहां से राष्ट्रीय कार्यालय विस्तार तक गये और दीनदयाल उपाध्याय उपवन से घूमते हुए भाजपा राष्ट्रीय कार्यालय वापस पहुंचा। तरूण चुघ ने इस अवसर पर कहा कि आज बंगाल में हुई भाजपा की जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक जीत और अब पंजाब की बारी है।

दिल्ली को पानी के संकट से पूरी तरह मुक्त करने के लिए कर रहे हैं काम: रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सरकार केवल तात्कालिक राहत तक सीमित नहीं है, बल्कि दीर्घकालिक समाधान पर भी समान रूप से कार्य कर रही है ताकि भविष्य में राजधानी को पेयजल संकट से पूरी तरह मुक्त किया जा सके। यह बात मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गर्मियों के दौरान पानी के प्रबंधन को लेकर सोमवार को दिल्ली सचिवालय में समीक्षा बैठक में कही। बैठक में पानी से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा भी की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मियों के दौरान राजधानी में जल प्रबंधन को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और हर शिकायत का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी है कि लापरवाही बरतने वाले अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, मुख्य सचिव राजीव वर्मा सहित दिल्ली जल बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

- गर्मियों में पेजयल प्रबंधन को लेकर सीएम रेखा गुप्ता ने समीक्षा बैठक की, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि भीषण गर्मी के बीच राजधानी में नागरिकों को पानी के संकट से बचाने के लिए सरकार ने पेयजल प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया है। जल आपूर्ति को सुचारु और संतुलित बनाए रखने के लिए हर स्तर पर निगरानी बढ़ाई गई है।

मुख्यमंत्री के अनुसार दिल्ली के सभी जल शोधन संयंत्रों, सोनिया विहार, भागीरथी, चंद्रावल, वजीराबाद, हैदरपुर, नांगलोई, ओखला, बावाना और द्वारका से अधिकतम उत्पादन सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही, हरियाणा के साथ समन्वय स्थापित कर कच्चे पानी में अमोनिया स्तर की लगातार निगरानी की जा रही है ताकि जल संयंत्रों के संचालन में किसी प्रकार की बाधा न आए। साथ ही, उन इलाकों की पहचान की गई है जहां जल अभाव है, वहां जल आपूर्ति के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि पेयजल आपूर्ति को लेकर इस वर्ष कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। गर्मियों में कार्यरत ट्यूबवेल की संख्या 5834 से बढ़ाकर 6200 कर दी गई है, टैंकरों की संख्या 1166 से बढ़ाकर 1210 की गई है, फिक्स्ड सप्लाई पॉइंट्स 8700 से बढ़ाकर 13000 किए गए हैं और फिलिंग हाइड्रेंट्स की संख्या 198 से बढ़ाकर 202 कर दी गई है। उन्होंने बताया कि जिन इलाकों में पानी की कमी है, वहां टैंकरों के जरिए सप्लाई को और मजबूत किया गया है। इसके लिए कुल 1210 टैंकर तैनात किए गए हैं और जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल के लिए अतिरिक्त 100 टैंकर भी तैयार रखे गए हैं।

प्रदेश की नई टीम संगठन को मजबूत करने के लिए अधिक क्षमता के साथ करेगी कार्य : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने हाई कमान द्वारा गठित नई टीम को लेकर कहा है कि संगठन को मजबूत करने के लिए अधिक क्षमता के साथ नई टीम कार्य करेगी। नई 31 सदस्यीय टीम में मेरी अध्यक्षता में 12 उपाध्यक्ष व 26 महासचिव नियुक्त किए गए है। नई टीम के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, नेता विपक्ष राहुल गांधी तथा संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल का हार्दिक धन्यवाद। उन्होंने बताया कि हाईकमान ने वर्तमान मीडिया विभाग के चेयरमैन अनिल भारद्वाज को दिल्ली प्रदेश महासचिव संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। उन्होंने कहा कि इन नियुक्तियों में पूर्व सांसद, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, युवाओं, महिलाओ, पिछड़े, अल्पसंख्यक, सेवा दल व वरिष्ठ तथा अनुभवी लोगों को उचित प्रतिनिधित्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि नई टीम पार्टी हाईकमान को पूरा भरोसा दिलाती है कि प्रदेश संगठन को मजबूत करने में कोई कसर नहीं छाड़ेगी।

दिल्ली में तापमान सामान्य से 7 डिग्री नीचे

नई दिल्ली। मौसम की मेहरबानी से मई जैसे भीषण गर्मी व झुलसाने वाली लू वाले महीने में भी दिल्ली कूल-कूल हो रही है। मौसम के बदले तेवरों की वजह से दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से 7 डिग्री नीचे लुढ़क गया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार शनिवार व रविवार रात को हुई बारिश के बाद मौसम में बदलाव हुआ है। रविवार देर रात दिल्ली के कई क्षेत्रों में भारी बारिश दर्ज हुई। जिसके बाद सोमवार सुबह से ही दिल्ली का मौसम खुशनुमा बना रहा। आईएमडी के अनुसार सुबह साढ़े आठ बजे तक कुल 5.8 मिमी बारिश दर्ज हुई। जबकि सबसे अधिक आया नगर में 13 मिमी बारिश दर्ज की गई। आईएमडी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार इसके अलावा पालम में 5.7 मिमी, लोदी रोड 5.8 मिमी, रिज एरिया में 4.0 मिमी, राजघाट 4.5 मिमी, मुंगेशपुर 4.5 मिमी और मयूर विहार में 6.4 मिमी बारिश दर्ज हुई।

नगर निगम के कार्यालय को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के महापौर कार्यालय को पिछले दो महीने में दो बार बम से उड़ाने की धमकी मिली है। निगम प्रशासन ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार की सुबह एक बार फिर बम विस्फोट की धमकी प्राप्त हुई, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्थिति को पूरी तरह नियंत्रण में लिया। महापौर कार्यालय से प्राप्त आधिकारिक जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह 9:19 बजे एक अज्ञात स्रोत से ई-मेल के माध्यम से दोपहर 3:11 बजे बम विस्फोट करने की धमकी दी गई। धमकी की गंभीरता को देखते हुए बिना विलंब किए इस संबंध में दिल्ली पुलिस को सूचित किया गया।

ग्रामवासियों की हर समस्या का समाधान तय समय में किया जाएगा : महापौर

नई दिल्ली। ग्रामवासियों की हर समस्या का समाधान तय समय में किया जाएगा, संबंधित विभागों से बात कर बचे हुए निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरे किए जाएंगे। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने सोमवार को वार्ड नंबर-29 पूठ खुर्द के निरीक्षण के दौरान यह बात कही।

स्वच्छता के प्रति गंभीरता दिखाते हुए निरीक्षण के दौरान महापौर ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी एवं उनके त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। महापौर ने ग्रामीणों द्वारा किए गए स्वागत से गदगद होकर उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद अंजू देवी, सदस्य एवं जिलाध्यक्ष भाजपा विनोद सहरावत, अतिरिक्त आयुक्त संजीव कुमार मित्तल, नरेला जोन के उपायुक्त रघुवेंद्र मीणा सहित निगम के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। महापौर प्रवेश वाही ने निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों के साथ वार्तालाप कर उनकी समस्याएं सुनी। महापौर ने ग्रामोदय अभियान के अंतर्गत दिल्ली देहात के गांवों के विकास के लिए जारी किए गए फंड के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं उपराज्यपाल का धन्यवाद किया। प्रवेश वाही ने कहा कि गलियों का निर्माण कार्य अतिशीघ्रता से पूरा किया जाए और अगर कोई समस्या है तो संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाए। उन्होंने कहा कि वार्ड की समस्याओं का समाधान एक सप्ताह के अंदर कर दिया जाएगा लेकिन अगर समस्या दूर नहीं हुई तो मैं अगले हफ्ते फिर से निरीक्षण करूंगा।

करोड़ों की सरकारी बसें, फिर भी हो रही यात्रियों की जमकर

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार द्वारा करोड़ों रुपये खर्च कर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन इसके बावजूद भी रात के समय अधिकतर बस चालकों द्वारा सरकारी बसें बिना यात्रियों को बैठाए ही सड़कों पर दौड़ायी जा रही है। इससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले पर दैनिक बस यात्रियों ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह से मांग की है कि वे इस गंभीर समस्या का संज्ञान लें। साथ ही मीडिया के माध्यम से यह भी मांग की गई है कि परिवहन विभाग और डीटीसी प्रशासन को निर्देशित किया जाए और बस चालकों की जिम्मेदारी तय की जाए। लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पर विश्वास कायम रह सके। बता दें कि रविवार को रात करीब सवा नौ बजे यात्रियों की तरफ से बस नहीं रोकने की शिकायतें मिली हैं। उत्तम नगर से वाया पंजाबी बाग होकर जहांगीर पुरी के रूट 861, और इंद्र पुरी से जहांगीर पुरी के रूट 159 पर चलने वाली अधिकतर बसों को पंजाबी बाग बस स्टैंड पर रोका ही नहीं जाता है और यात्रियों को परेशान होना पड़ता है। वहीं, इस संबंध में डीटीसी के प्रबंधन निदेशक जितेंद्र यादव ने ऐसे लापरवाह चालकों पर एक्शन लेने की बात कही है।बस यात्रियों का कहना है कि कई बस चालक निर्धारित बस स्टॉप पर बस रोकने के बजाय खाली ही आगे बढ़ जाते हैं।

उपमहापौर ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्यवाही के दिए निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली की उप महापौर डॉ. मोनिका पंत ने सोमवार को कालकाजी वार्ड का निरीक्षण किया और क्षेत्र की नागरिक समस्याओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अग्रवाल धर्मशाला रोड से मौके पर ही अवैध कब्जों को हटाया गया और संबंधित विभागों को तत्काल प्रभाव से सख्ती बरतने के निर्देश दिए गए। डॉ मोनिका पंत ने मां आनंदमयी मुख्य मार्ग पर रेहड़ी पटरी वालों द्वारा किए जा रहे अतिक्रमण एवं फुटपाथ पर फैली गंदगी पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण और अवैध निर्माण किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। नागरिकों से अपील की कि वे पार्कों और आसपास के क्षेत्रों की नियमित साफ सफाई के लिए निगम का सहयोग करें। इस अवसर पर मध्य जोन वार्ड समिति की अध्यक्ष योगिता सिंह, मध्य जोन उपायुक्त शाश्वत सौरभ एवं निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बूढ़पुर गांव में शमशान घाट बदहाल, ग्रामीणों में नाराजगी

नई दिल्ली। दिल्ली के नरेला विधानसभा क्षेत्र के अलीपुर वार्ड-4 के अंतर्गत आने वाला गांव बूढ़पुर इन दिनों बुनियादी सुविधाओं के अभाव को लेकर चर्चा में है। सैकड़ों वर्षों से लगने वाले बुद्ध बाबा के मेले और भव्य मंदिर के कारण दूर-दूर तक पहचान रखने वाले इस गांव में शमशान घाट की हालत बेहद जर्जर बनी हुई है, जिससे ग्रामीणों में गहरी नाराजगी है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि शमशान घाट पर टीन शेड तक की व्यवस्था नहीं है, जिससे अंतिम संस्कार के दौरान लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गर्मी के मौसम में तेज धूप और बारिश के समय भीगते हुए शव यात्रा और अंतिम क्रिया करना बेहद कठिन हो जाता है। स्थानीय निवासी अशोक टोकस, नगेंद्र कुमार प्रजापति का कहना है कि वे कई वर्षों से प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से इस समस्या को लेकर गुहार लगा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। पहले यह आरोप-प्रत्यारोप चलता रहा कि एक सरकार काम नहीं करने दे रही है, लेकिन अब जब सभी स्तरों पर एक ही पार्टी की सरकार है, तब भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।

केरल में कांग्रेस गठबंधन यूडीएफ को मिला बहुमत

देश से लेफ्ट का आखिरी किला भी 'धड़ाम'

1960 के दशक के बाद पहली बार वामपंथी दल किसी भी राज्य में सत्ता में नहीं

140 कुल सीट

केरलमू। केरल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यूडीएफ गठबंधन ने बहुमत प्राप्त कर लिया है। केरल में कांग्रेस की वापसी के साथ ही भारत में लेफ्ट का आखिरी किला ढह गया। अब भारत के किसी भी राज्य में वामपंथी दलों की सरकार नहीं है। केरल में 10 सालों से पिनराई विजयन के नेतृत्व में सरकार चल रही थी, लेकिन इस बार कांग्रेस ने वामपंथी सरकार को हरा दिया। 10 साल से सत्ता में रही लेफ्ट की मुश्किलें बढ़ गई हैं। केरल विधानसभा चुनाव में इस बार कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ 2 कार्यकालों से सत्ता में रहे वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) के बीच सीधी टक्कर रही। कांग्रेस ने यहां 2024 के लोकसभा चुनाव और हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनाव में बेहतर प्रदर्शन किया था। एलडीएफ की हार के साथ 1960 के दशक के बाद पहली बार ऐसा होगा कि वामपंथी दल किसी भी भारतीय राज्य में सत्ता में नहीं होंगे।वहीं भाजपा के नेतृत्व वाला राजग द्विध्रुवीय राजनीति वाले राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। वहीं भाजपा भी केरल में अपनी उपस्थिति बढ़ाती नजर आ रही है। राजग, हालांकि सरकार बनाने की दौड़ में नहीं है, लेकिन 2021 में एक भी सीट जीतने में विफल रहने के बाद केरल में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए यह चुनाव अहम रहा।

यूडीएफ की जीत के कारण

- सत्ता विरोधी लहर ने एक बड़ी भूमिका निभाई
- राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की जमीनी मुहिम
- संगठनात्मक रणनीति
- अल्पसंख्यकों का एकजुट होना
- सत्ता पक्ष पर भ्रष्टाचार के आरोप

केरल में क्यों हारी एलडीएफ?

- एलडीएफ के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर
- भ्रष्टाचार और घोटालों के आरोप
- केरल में आर्थिक संकट
- 40 साल तक एक तय पैटर्न पर सरकार चली

क्यों दूसरी बड़ी पार्टी बनी एलडीएफ

- ध्रुवीकरण का गेम फेल हो गया
- ओबीसी, दलित व मुसलमानों का साथ नहीं मिला
- विश्वास की कमी भी बना बड़ा कारक

केरल में जीत की खुशी में वेणुगोपाल ने सतीशन को मिठाई खिलाई

केरल में 'लालू की लालटेन' भी जली, प्रवीण ने जीता चुनाव

केरल में कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफगठबंधन की लहर के बीच लेफ्ट के साथ चुनाव लड़ रही लालू यादव की पार्टी राजद के एक उम्मीदवार ने जीत हासिल की है। केरल की कुथुपरम्बा विधानसभा क्षेत्र में आरजेडी उम्मीदवार पीके प्रवीण ने कांग्रेस गठबंधन के खिलाफ चुनाव लड़ते हुए जीत हासिल की है।

केरल से ही हुई थी वाम शासन की शुरुआत

भारत में वामपंथी शासन की शुरुआत 1957 में केरल से ही हुई थी, जब पहली बार वामपंथी सरकार बनी। इसके बाद 1977 में पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में भी वाम दल सत्ता में आया। बंगाल में वामपंथ करीब साढ़े तीन दशक तक सत्ता में रहा, लेकिन 2011 में ममता बेनर्जी ने उसे सत्ता से बाहर कर दिया। वहीं, त्रिपुरा में 1998 से 2018 तक लगातार वामपंथी शासन रहा। बंगाल और त्रिपुरा से सत्ता गंवाने के बाद केरल ही वामपंथ का अंतिम मजबूत गढ़ बचा था। अब वहां भी हार के बाद वामपंथ पूरी तरह सत्ता से बाहर हो गया है। त्रिपुरा में जहां कभी वामपंथ का दबदबा था, अब केवल 11 विधायक ही बचे हैं। बिहार, जहां कभी वामपंथ किंगमेकर की भूमिका में रहा, अब वहां भी उसका प्रभाव काफी सीमित हो गया है। वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव में वामपंथी दलों के सिर्फ तीन विधायक ही जीत सके, दो सीपीआई (माले) और एक सीपीआई (एम) से।

मीम्स : एक-एक कप चाय और बोला जाएगा

गणित

कांग्रेस की अगुवाई में बनेगी सरकार

यूडीएफ	102 सीटें
एलडीएफ	35 सीटें
भाजपा	3 सीटें

सतीशन सीएम पद के बड़े दावेदार, फिर थरूर

वीडी सतीशन केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के मौजूदा विपक्ष के नेता हैं। हालांकि, 2026 के विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस और यूडीएफ में सीएम पद को लेकर चर्चाएं और आंतरिक गुटबाजी की खबरें सामने आई हैं, जिसमें केसी वेणुगोपाल का नाम भी सामने आ रहा है। इसके अलावा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर का भी नाम लिया जा रहा है।

राजीव चंद्रशेखर (जीते)

फातिमा (जीतीं)

बीडी सतीशन (जीते)

पिनाराई विजयन (हारे)

भाजपा ने 3 सीटों पर दर्ज की जीत

केरल की राजनीति में आज एक नया इतिहास रचा गया है। विधानसभा चुनाव के नतीजों ने साफ कर दिया है कि भाजपा अब राज्य में केवल एक 'वोट-कटवा' पार्टी नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति बन चुकी है। पार्टी ने तीन सीटों पर जीत दर्ज की है। इतिहास रचते हुए राजीव चंद्रशेखर ने 4900 से अधिक वोटों के अंतर से जीत दर्ज की है। वहीं, कोल्लम जिले की चथन्नूर सीट से भाजपा उम्मीदवार बीबी गोपकुमार ने भी जीत दर्ज की है।

ऐतिहासिक जीत

बंग फतह की जंग में ममता से 'मोह' हो गया भंग

पीएम मोदी, शाह और सुवेंदु का कमाल, बंगाल में भाजपा ने किया पहली बार 'धमाल'

293 कुल सीट

कोलकाता। प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह दोनों ही चुनावी प्रचार में अंग-बंग-कलिंग का जिक्र करते हुए बंग जीतने की बात करते थे। ये है क्या? यह प्राचीन भारत के पूर्वी हिस्से के3 ऐतिहासिक और समृद्ध साम्राज्य थे।

जिसमें अंग (बिहार), बंग (बंगाल) और कलिंग (ओडिशा) शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी और शाह ने इसे भारत की ऐतिहासिक समृद्धि के तीन मजबूत स्तंभ बताते हुए चुनावी प्रचार किया। वर्तमान चुनावी परिदृश्य में, यह अंग-बंग-कलिंग शब्द पूर्वी भारत के विकास और भाजपा के लिए प्रमुख क्षेत्र के रूप में उभरे हैं।आखिर, तृणमूल कांग्रेस से कैसे चूक गई। यूपी और असम को झोली में डाल चुके सुनील बंसल को भाजपा, बंगाल का दायित्व दी। साथ में भूपेंद्र यादव और विप्लव देव जैसे सहयोगी उनकी मदद के लिए। यूपी-बिहार के पूर्व मंत्रियों सुरेश राणा और मंगल पांडेय सरीखे नेताओं को भी इस चुनावी जंग में उतार दी। अमित मालवीय तो शुरू से ही दायित्व में थे। तृणमूल कांग्रेस की भाषा में जिन्हें बहिरागत कहा जाता है।

जीत के प्रमुख कारण

- 15साल की सत्ता विरोधी लहर
- भ्रष्टाचार के आरोप
- पारा क्लब घोटाला
- एसआईआर ने लिख दी पटकथा
- बंपर मतदान
- शांतिपूर्ण मतदान
- महिलाओं का समर्थन

ममता की हार

- सीएम ममता सुरक्षा व्यवस्था में फेल
- भ्रष्टाचार और घोटालों की लंबी सूची
- सिंडिकेट के हाथ में रहा कथित प्रशासन
- नेताओं के बड़बोलेपन ने भी डुबाया

जीत की खुखी में भाजपा समर्थकों ने आतिशबाजी की।

बंगाल में पहली बार खिला 'कमल'

बंगाल में 15 साल बाद सत्ता परिवर्तन होता दिख रहा है। राज्य की सत्ता पर काबिज ममता बेनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस की विदाई हो गई है। भाजपा राज्य में पहली बार सरकार बनाती दिख रही है। पश्चिम बंगाल की राजनीति लंबे समय से क्षेत्रीय बनाम राष्ट्रीय दलों की लड़ाई का मैदान रही है। अब तक के परिणामों को देखें तो इस बार भाजपा ने न केवल अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया, बल्कि चुनावी रणनीति, नैरेटिव और बूथ स्तर तक पहुंच में भी महत्वपूर्ण सुधार किया। इसका असर उसकी सीटों की संख्या पर दिख भी रहा है। बंगाल में भाजपा की वापसी के कई महत्वपूर्ण कारण रहे हैं।

मीम्स : खेला होबे...

राजस्थान का कनेक्शन भी आया सामने

बूथ से लेकर पीएम की सभाओं तक, जीत के 'आर्किटेक्ट' कई नेता

बंगाल में भाजपा की जीत के पीछे राजस्थान के नेताओं की रणनीतिक भूमिका अब चर्चा का बड़ा विषय बन गई है। चुनावी माइक्रो मैनेजमेंट, बूथ स्तर की तैयारी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य राष्ट्रीय नेताओं की सभाओं की मॉनिटरिंग से लेकर विधानसभा स्तर तक संगठन को सक्रिय करने में राजस्थान भाजपा के कई दिग्गज नेताओं ने अहम जिम्मेदारी निभाई।सबसे अहम भूमिका भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव की मानी जा रही है। बंगाल चुनाव में पूरी रणनीति के केंद्रीय स्तंभ रहे यादव ने उम्मीदवार चयन, बूथ मैनेजमेंट और संगठनात्मक समन्वय पर लगातार फोकस रखा। भाजपा ने करीब 40 हजार बूथों पर 'पन्ना प्रमुख' मॉडल लागू किया, जिसका असर दिखा।

वर्गों में बंटे वोटरों को जोड़ना बनाया लक्ष्य

बंगाल में मुस्लिम आबादी 30 प्रतिशत तक बताई जाती है। मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण में बवाल बाद में आया, लेकिन अंदाजा भाजपा को पहले से था। मतदान के दौरान वोट प्रतिशत बढ़ने के पीछे भी यही वजह बताई जा रही थी कि मुस्लिम आबादी एकमुश्त एक तरफ जा रही है तो जवाब में हिंदू जातियों ने गुटबंदी की है। यह गुटबंदी चुनाव परिणाम के रूप में इस तरह सामने आएगी, यह एग्जिट पोल भी बता रहे थे। पहली बार पश्चिम बंगाल में इस तरह बांग्लादेशियों को अलगथलग करने और तुष्टिकरण का मुखर विरोध करने के साथ वर्गों में बंटे हिदुओं को एकजुट करने के लिए भाजपा ने चक्रव्यूह की रचना की थी।

गणित

भाजपा का परचम

भाजपा	193
टीएमसी	95
वाम	02
कांग्रेस	02

ममता के सिपहसालार रहे सुवेंदु होंगे सीएम

बंगाल चुनाव में भाजपा की पहली बार सरकार बनने जा रही है और ममता बेनर्जी का 15 साल का किला ढह गया है। ममता के सिपहसालार सुवेंदु अधिकारी ने बड़ी फतह की है। सुवेंदु ने संदेशखाली, आरजीकर और उलबेरिया-हावड़ा में दुर्गा पूजा हिंसा जैसे मुद्दे पर ममता को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पूरे बंगाल को कई यात्राओं से मथ डाला। कांग्रेस से सियासी सफर शुरू करने वाले अधिकारी ने ममता के साथ ही 1998 में दामन थामा था।

दिलीप घोष (जीते)

हुमायूं कबीर (जीते)

शोभवदेव टीएमसी (जीते)

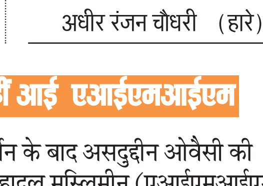

अधीर रंजन चौधरी (हारे)

मुसलमानों को पसंद नहीं आई एआईएमआईएम

बिहार चुनाव में चौंकाने वाले प्रदर्शन के बाद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) को काफी उम्मीद थी। ओवैसी की पार्टी कीपहले ही बड़ा झटका लग गया था जब हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी के साथ गठबंधन टूटने के बाद ओवैसी ने बंगाल में अकेले चुनाव लड़ा।

खबर संक्षेप

गंगा एक्सप्रेसवे पर फ्री सफर के बीच लग रहा चूना

बदायूं। गंगा एक्सप्रेसवे को प्रदेश सरकार 15 दिन के लिए टोल फ्री कर चुकी, इसके बावजूद वाहन सवारों से टैक्स वसूला गया। एक मई को कार सवारों से फास्टैग या नकद शुल्क के तौर पर टोल टैक्स लिया गया। एक बाइक सवार को टोल बूथ पर रोककर 47 रुपए वसूल लिए । इनकी पर्चियां इंटरनेट पर प्रसारित हुईं तो टोल प्रबंधन ने ट्रायल के दौरान रुपए कटने का बहाना बनाया।

केरल में जली लालटेन, 1 सीट पर आरजेडी की जीत

पटना। बिहार के पूर्वी सीएम लालू प्रसाद यादव की पार्टी आरजेडी ने दक्षीण भारतीय राज्य केरल में एक बार फिर पार्टी झंडा लहरा दिया है। केरलम विधानसभा चुनाव में कुथुपरम्बा विधानसभा सीट पर राजद के प्रत्याशी पीके प्रवीण ने जीत का परचम लहराया है। राजद कैंडिडेट ने 70448 वोट लाकर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की जयंती राजन को 1286 मतों से पराजित किया।

ग्रामीणों ने तस्करों की लालच को ठुकराया

गुमला। झारखंड के गुमला में पशु तस्करों ने एक लाख की लालच दी। परंतु ग्रामीणों ने तस्करों की लालच को ठुकराते हुए ट्रक में ठूंस कर लादे गए मवेशियों से भरी ट्रक को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। यह कार्रवाई बाइपास रोड अरमई के समीप की गई।

योगी ने कहा था- ममता बनर्जी सिंहासन खाली करो, भाजपा आ रही है

पश्चिम बंगाल चुनाव में सीएम योगी के भाषणों की गूंज देश भर में सुनाई देती रही। उन्होंने वहां ताबड़तोड़ चुनावी रैलियां और रोड शो किए। जिन-जिन क्षेत्रों में सीएम योगी गए वहां-वहां भाजपा को शानदार बढ़त मिली है। बंगाल चुनाव में सीएम योगी ने मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए ममता बनर्जी सरकार को जमकर लताड़ लगाई।

यूपी में बंगाल विजय का जश्न, योगी ने मंत्रियों को खिलाई मिठाई, हिट रहे 'बुलडोजर बाबा', कुछ यूं बदली चुनावी हवा

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी के चुनावी नतीजों में भाजपा की ऐतिहासिक बढ़त पर उत्तर प्रदेश में भी जश्न मनाया जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार शाम लखनऊ में कैबिनेट मीटिंग से पहले मंत्रियों को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजे सबसे खास हैं जहां पहली बार कमल खिला है। पश्चिम बंगाल में भाजपा के पक्ष में चुनावी बयार बहाने में सीएम योगी की भी बड़ी भूमिका रही है। पिछले 15 सालों से अभेद्य रहे दीदी (ममता बनर्जी) के इस दुर्ग ढहाकर 'बुलडोजर बाबा' ने बंगाल में भी शासन के यूपी मॉडल को हिट साबित कर दिया।

तृणमूल कांग्रेस को मुस्लिम तुष्टिकरण से फुर्सत नहीं

पश्चिम बंगाल चुनाव में सीएम योगी के भाषणों का असर ही था कि वहां लगभग हर क्षेत्र में उनकी सभाएं कराने की डिमांड रही। सीएम योगी ने ममता बनर्जी पर सीधे और तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहा कि ममता दीदी को हिंदुओं और जय श्री राम के उद्घोष से चिढ़ है। तृणमूल कांग्रेस को मुस्लिम तुष्टिकरण से फुर्सत नहीं है।

जिन क्षेत्रों में सीएम योगी गए वहां भाजपा को शानदार बढ़त मिली

सीएम योगी ने पश्चिम बंगाल में ताबड़तोड़ चुनावी रैलियां और रोड शो किए। जिन-जिन क्षेत्रों में सीएम योगी गए वहां-वहां भाजपा को शानदार बढ़त मिली है। बंगाल चुनाव में सीएम योगी ने हिन्दुत्व की पिच पर लगातार भाषण दिए। उन्होंने मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए ममता बनर्जी सरकार को जमकर लताड़ लगाई। पश्चिम बंगाल चुनाव में सीएम योगी के भाषणों की गूंज देश भर में सुनाई देती रही। सीएम योगी ने माथाभांगा और धुपगुड़ी की चुनावी जनसभाओं में जब लोगों से कहा- आप चिंता मत कीजिए। टीएमसी के गुंडे आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे तो वहां जमकर तालियां बजीं। सीएम योगी ने जब कहा- ममता बनर्जी सिंहासन खाली करो, भाजपा आ रही है तो भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों का उत्साह देखते ही बनता था।

योगी कैबिनेट की बैठक में 27 प्रस्तावों को मंजूरी

काशी समेत पांच जिलों में बनेंगे टेक्सटाइल पार्क, लखनऊ में पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

योगी कैबिनेट की बैठक में 27 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने वाराणसी में टेक्सटाइल पार्क विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसके अलावा अमरोहा, बरेली, संतकबीर नगर और बिजनौर की बंद पड़ी कताई मिलों की जमीन पर भी टेक्सटाइल पार्क विकसित किए जाएंगे...

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

लोकभवन में आयोजित योगी कैबिनेट की बैठक में सोमवार को 27 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में प्रदेश के औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कई अहम फैसले लिए गए। कैबिनेट ने वाराणसी में टेक्सटाइल पार्क विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसके अलावा अमरोहा, बरेली, संतकबीर नगर और बिजनौर की बंद पड़ी कताई मिलों की जमीन पर भी टेक्सटाइल पार्क विकसित किए जाएंगे। सरकार का उद्देश्य इन निष्क्रिय परिसंपत्तियों का उपयोग कर प्रदेश में निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा करना है।

बताया गया कि लखनऊ में तैयार टेक्सटाइल पार्क का जल्द उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। सरकार की योजना है कि प्रदेश में बंद पड़ी सभी कताई मिलों की जमीनों का इस्तेमाल टेक्सटाइल पार्क और औद्योगिक गतिविधियों के लिए किया जाए। सरकार का मानना है कि इससे वस्त्र उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित होंगे और उत्तर प्रदेश को टेक्सटाइल हब के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी।

रिसर्च असोसिएट का कार्यकाल 2 साल से बढ़ाकर 3 साल किया गया

कैबिनेट ने रिसर्च असोसिएट का कार्यकाल 2 साल से बढ़ाकर 3 साल करने का निर्णय लिया। वृक्षारोपण अभियान के लिए 147 करोड़ रुपए की मांग स्वीकृत की गई है, जिसमें 30 प्रतिशत फलदार पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सरकार हर जिले में एक विश्वविद्यालय स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है।

653 करोड़ से बनाए जाएंगे 400-220 केवीए का पावर स्टेशन

औद्योगिक विकास को ध्यान में रखते हुए नोएडा, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में 400-220 केवीए का पावर स्टेशन स्थापित किया जाएगा, जिस पर 653 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इससे मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, फिल्म सिटी व डाटा सेंटर जैसी परियोजनाओं को बेहतर बिजली आपूर्ति मिल सकेगी।

कोलकाता की जीत में 'हरियाणा मॉडल' की छाप : नायब सैनी

चंडीगढ़। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की बंपर और ऐतिहासिक जीत ने केवल बंगाल में ही नहीं बल्कि पूरे देश में एक नया संदेश दिया है। इस जीत में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का भी पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर अहम भूमिका रही, जिससे नायब सैनी को राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रभावी राजनेता के रूप में मजबूती मिली है। नायब सैनी की कार्यशैली, जो सादगी, जमीनी कनेक्ट और तेज़ फैसलों के लिए जानी जाती है, अब केवल हरियाणा तक सीमित नहीं रही। हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली और बिहार के बाद पश्चिम बंगाल में पार्टी को मिली सफलता ने यह दिखा दिया है कि नायब सैनी राष्ट्रीय स्तर पर भी अपना प्रभाव रखते हैं।

जहां चुनाव प्रचार किया वहां सभी प्रत्याशी जीते

पार्टी द्वारा संचालित चुनाव प्रचार अभियान के तहत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पश्चिम बंगाल में परिवर्तन यात्रा के दौरान सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने मेदिनीपुर जिले के मोयना विधानसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया। इसके उपरांत वे हुगली नदी के तट पर स्थित श्रीरामपुर पहुंचे, जहां उन्होंने भास्कर भट्टाचार्य (श्रीरामपुर), दिलीप सिंह (चम्पादनी), देबासिस मुखर्जी (चांदीतला), प्रसनजीत बाग (जंगीपारा) और दीपांजन चक्रबर्ती (उत्तरपरा) के नामांकन कार्यक्रमों में भाग लेकर सभी उम्मीदवारों को विजय भव का आशीर्वाद दिया।

सुनेत्रा पवार की ऐतिहासिक जीत, बना नया रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶ बारामती

महाराष्ट्र के बारामती विधानसभा उपचुनाव में सुनेत्रा पवार ने भारतीय चुनावी इतिहास में नया रिकॉर्ड बना दिया है। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) की उम्मीदवार सुनेत्रा ने 2,18,930 वोटों के अंतर से जीत हासिल की।

, जो अब तक किसी भी विधायक के लिए देश की सबसे बड़ी जीत मानी जा रही है। चुनाव में कुल 23 उम्मीदवार मैदान में थे, लेकिन कोई भी प्रत्याशी 1,000 वोट का आंकड़ा भी पार नहीं कर सका।

इस जीत के साथ सुनेत्रा पवार ने सुनील कुमार शर्मा का 2022 में बनाया गया 2,14,835 वोटों का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

यह जीत उनके दिवंगत पति अजित पवार की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने के रूप में भी देखी जा रही है।

पेज एक का शेष

खाड़ी में 'भगवा' ...

सहित विभिन्न राज्यों में आए नतीजों ने राजनीतिक समीकरणों को झकझोर दिया है। एक तरफ कांग्रेस पार्टी पश्चिम बंगाल के चुनावी समर में शुरू से अंत तक कहीं लड़ती हुई नहीं दिखी। असम में लड़ने से पहले भाजपा के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सरमा ने कांग्रेस को किसी तरह का नेरेटिव नहीं गढ़ने दिया। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा द्वारा उनकी पत्नी के दो पासपोर्ट मामले में उनके आक्रामक तेवर के आगे हर सियासी रणनीति धूल फांकती नजर आई। लगातार दूसरी बार हिमंता भाजपा सरकार गढ़ने में कामयाब रहे। कांग्रेस को असम में करारी हार का सामना करना पड़ा।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा ने इन चुनावों में बूथ स्तर तक मजबूत संगठन, आक्रामक प्रचार और नेतृत्व की स्पष्ट रणनीति के बल पर विपक्ष के बड़े नेताओं को चुनौती दी। वहीं विपक्षी दलों के बीच तालमेल की कमी और स्थानीय मुद्दों पर प्रभावी पकड़ न बना पाना भी इन हारों का एक बड़ा कारण माना जा रहा है। तमिलनाडु की राजनीति में महज तीन साल पुरानी पार्टी ने बड़ा उलटफेर कर दिया। देश की स्वतंत्रता के बाद से वहां कभी डीएमके तो कभी एआईडीएमके शासन में रहा। पहली बार कांग्रेस के साथ मिलकर तमिलनाडु के सुपरस्टार सुबाई सियासत में सुपर एंट्री करने को तैयार हैं।इन चुनावी नतीजों ने साफ कर दिया है कि भारतीय राजनीति में अब कोई भी सीट या नेता अपराजेय नहीं है। देश के नक्शे पर भगवा रंग तेजी से राज्य दर राज्य पसरता जा रहा है। जो देश के मूड को इंगित करने को काफी है।

बंगालवासियों ने ...

महाप्रभु, स्वामी विवेकानंद, कविगुरु टैगोर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे महापुरुषों की पावन भूमि बंगाल का खोया गौरव लौटाने और 'सोनार बांग्ला' के स्वप्न को साकार करने के लिए भाजपा दिन-रात एक कर देगी। बंगाल में भाजपा को मिली यह ऐतिहासिक जीत हमारे असंख्य कार्यकर्ताओं के त्याग, संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। यह उन परिवारों के धैर्य की जीत है, जिन्होंने हिंसा सहकर भी भगवा ध्वज नहीं छोड़ा। बंगाल की जनता ने इस प्रचंड बहुमत से भाजपा के उन सभी शहीद कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक जीत के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन समेत अन्य नेताओं का आभार व्यक्त किया।

पेज तीन का शेष

पश्चिम बंगाल में जीत...

केरल की जनता का आदरपूर्वक नमन करता हूं। मैं उनका वंदन करता हूं। भाजपा के हर छोटे-बड़े कार्यकर्ता ने कमाल कर दिया है, कमल खिला दिया है। आपने नया इतिहास रच दिया है। भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन के अध्यक्ष पद संभालने के बाद ये पहले विधानसभा चुनाव थे। इनमें पार्टी कार्यकर्ताओं को जो उनका मार्गदर्शन मिला, वह इस विजय में बहुमूल्य रहा है। मोदी ने कहा- जय-पराजय लोकतंत्र और चुनावी राजनीति का स्वाभाविक हिस्सा होता है, लेकिन पांच राज्यों की जनता ने पूरे विश्व को दिखाया है कि ये हमारा भारत मदर ऑफ डेमोक्रेसी क्यों है। लोकतंत्र हमारे लिए सिर्फ एक तंत्र नहीं है। ये हमारी रगों में दौड़ता हुआ संस्कार है। आज सिर्फ भारत का लोकतंत्र नहीं जीता है, आज भारत का संविधान भी जीता है। हमारी सांविधानिक संस्थाएं जीती हैं। हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं जीती हैं। बंगाल में करीब 93 फीसदी मतदान होना, अपने आप में ऐतिहासिक रहा है। भारत के लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखने में आप सबका योगदान इतिहास हमेशा याद रखेगा। उन्होंने कहा कि ने कहा- पिछले साल 14 नवंबर को जब बिहार चुनाव के नतीजे आए थे, तब मैंने इसी जगह से, भाजपा मुख्यालय से आपसे कहा था कि गंगाजी बिहार से आगे बहते हुए गंगा सागर तक जाती हैं। आज बंगाल की जीत के साथ गंगोत्री से गंगासागर तक कमल ही कमल खिला हुआ है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल आज मां गंगा के इर्द-गिर्द बसे इन राज्यों में भाजपा-एनडीए सरकार है। उन्होंने कहा कि बंगाल के ये चुनाव एक और वजह से बहुत खास रहे हैं। आप याद कीजिए बंगाल चुनाव के समय कैसी खबरें आती थीं। हिंसा, डर और निर्दोष लोगों की मौतें, लेकिन इस बार पूरे देश ने एक नई खबर सुनी। बंगाल में शांतिपूर्ण मतदान हुआ। पहली बार ऐसा हुआ कि चुनावी हिंसा में एक भी निर्दोष नागरिक की जान नहीं गई। लोकतंत्र के इस महापर्व में बंदूक की आवाज के ऊपर भी जनता की आवाज गूंजी। पहली बार डर नहीं, लोकतंत्र जीता है। पीएम मोदी ने कहा कि आज जब बंगाल ने परिवर्तन के नए दौर में प्रवेश किया है, तो मैं बंगाल के हर राजनीतिक दल से एक आग्रह भी करना चाहता हूं। बंगाल में बीते दशकों में राजनीतिक हिंसा की वजह से न जाने कितनी जिंदगियां बर्बाद हो चुकी हैं। मेरा मानना है कि आज से बंगाल की चुनावी जो आदतें फैली हुई हैं, उसमें बदलाव आना चाहिए। आज जब भाजपा जीती है तो बदला नहीं, बदलाव की बात होनी चाहिए। भय नहीं, भविष्य की बात होनी चाहिए। मेरी सभी राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं से अपील है कि आइये हिंसा के इस अंतहीन चक्र को हमेशा के लिए खत्म करें। किसने किसे वोट दिया, किसे नहीं दिया, उससे ऊपर उठकर बंगाल की सेवा के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण का एक और अहम स्तंभ भारत की नारी शक्ति है, नारी शक्ति हब विकसित भारत के निर्माण में तेजी से आगे बढ़ रही है। इस नारी शक्ति को कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने रोकने का प्रयत्न किया है। इन दलों ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पारित नहीं होने दिया। इसलिए मैंने कहा था कि इन दलों को आगे महिलाओं का आक्रोश झेलना पड़ेगा। आज कांग्रेस, टीएमसी और डीएमके को बहनों-बेटियों ने सजा दी है। केरल में लेफ्ट के 10 साल के कुशासन का फायदा कांग्रेस को जरूर मिला है, लेकिन मुझे विश्वास है कि केरल की बहनें भी अगले चुनाव में कांग्रेस को सबक सिखाएंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आजादी के बाद कांग्रेस ने देश के करीब करीब हर राज्य में सरकारें बनाईं। आजादी के बाद जो भाव था, उसका उन्हें लाभ मिला, लेकिन जैसे-जैसे आजादी के आंदोलन के भाव से देशा आगे निकला, वैसे वैसे कांग्रेस जनता का भरोसा खोती चली गई। बीते दशकों में देश ने युवाओं की अनेक पीढ़ियां जोड़ी हैं। लेकिन कांग्रेस घटती चली गई है। कांग्रेस देश की संवेदनाओं को नहीं समझ पाई । कांग्रेस महत्वकांक्षा की राजनीति को जानती ही नहीं है। भाजपा के लिए भारतीयता और भारत के भाव से बड़ा कुछ नहीं है। हमारे लिए भारत सबकुछ है और भारतीयता सबकुछ है। भाजपा सिर्फ राष्ट्रीय पार्टी है ऐसा नहीं है, यह क्षेत्रीय महत्वकांक्षा से राष्ट्रीय लक्ष्य पूरा करने वाली पार्टी है। इसलिए भाजपा देश की पसंद बन रही है और जनता जनार्दन का आशीर्वाद पा रही है। भाजपा परिवार की नहीं, जमीन से जुड़ी राजनीति कर रही है। आज पूर्वोत्तर भाजपा से जुड़ता है। आज पूरा आदिवासी अंचल भाजपा को प्रचंड जनादेश दे रहा है। मछुआरों--किसानों की पसंद भाजपा है। लोकतंत्र में जनता की आकांक्षा सर्वोपरि है। तमिलनाडु की जनता ने नया प्रयोग किया है। मैं यूडीएफ को भी बधाई देता हूं। मैं इन्हें विश्वास दिलाता हूं कि भारत सरकार इनके विकास में कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे।

बंगाल में भाजपा...

बनर्जी ने उन्हें 'जंगल महल' क्षेत्र- पश्चिम मेदिनीपुर, पुरुलिया और बांकुड़ा का प्रभारी बनाया। इन सभी जगहों पर उन्होंने टीएमसी का सफलतापूर्वक विस्तार किया। इसके अलावा, मुर्शिदाबाद और मालदा जैसे जिलों में भी कांग्रेस को कमजोर कर टीएमसी को मजबूत करने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। यही वजह है कि जब शुभेंदु भाजपा में शामिल हुए तो भले ही उन्होंने टीएमसी छोड़ दी, लेकिन इन क्षेत्रों पर उनका प्रभाव लगातार बना रहा।

केरल में यूडीएफ ...

ला सकती है और आने वाले समय में इसका राष्ट्रीय राजनीति पर भी प्रभाव देखने को मिल सकता है। विदित हो कि दस सालों के बाद केरलम में कांग्रेस की वापसी हुई है। सूबे के सीएम के रूप में 63 वर्षीय वेणुगोपाल , विधायक दल के नेता रहे 62 वर्षीय वीडी सथीशन और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमेश चेन्निथला का नाम प्रमुख रूप से उभरा है। वेणुगोपाल चूंकि राहुल गांधी के करीबी हैं इसलिए उन्हें प्रमुख दावेदार माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी के पिछला लोकसभा चुनाव भाजपा की स्मृति ईरानी से अमेठी में हारे थे तो सबसे सुरक्षित सीट वायनाड वेणुगोपाल ने राहुल गांधी के लिए खाली कर दी थी। राहुल गांधी अब अमेठी से सांसद हैं। वायनाड से प्रियंका गांधी इस बार लोकसभा पहुंची हैं। तभी से वेणुगोपाल दिल्ली में रहकर एआईसीसी में सबसे ताकतवर पद संगठन महामंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ज्यादा उम्मीद है कि अब वेणुगोपाल को सीएम बनाकर केरलम भेजा जाएगा।

केरल में यूडीएफ की शानदार जीत पर कांग्रेस का आभार बाकी राज्यों में अपेक्षा से कम प्रदर्शनः जयराम

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने केरल में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) को मिली प्रचंड जीत पर राज्य की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि केरल की जनता ने यूडीएफ को स्पष्ट बहुमत देकर सेवा का अवसर प्रदान किया है, जिसके लिए कांग्रेस हृदय से धन्यवाद देती है और जनता के विश्वास पर खरा उतरने का संकल्प लेती है।

जयराम रमेश ने अपने बयान में कहा कि केरल को छोड़कर अन्य राज्यों में पार्टी का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस इस परिणाम से न तो निराश है और न ही हतोत्साहित। उनके अनुसार, पार्टी एक वैचारिक संघर्ष लड़ रही है, जिसमें लोकतंत्र और सत्य की लड़ाई को आगे बढ़ाना शामिल है। उन्होंने कहा कि "लोकतंत्र और सच्चाई के लिए अधिनायकवाद और असत्य के खिलाफ संघर्ष का रास्ता हमेशा लंबा और कठिन होता है, लेकिन कांग्रेस पूरी दृढ़ता और संकल्प के साथ इस दिशा में आगे बढ़ती रहेगी।" कांग्रेस नेता ने बताया कि पार्टी चुनाव परिणामों का जल्द ही व्यापक विश्लेषण करेगी। साथ ही, केरल में आगे की रणनीति और संगठनात्मक मजबूती के लिए पर्यवेक्षकों को भेजने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि केरल में यूडीएफ की यह जीत कांग्रेस के लिए मनोबल बढ़ाने वाली है, जबकि अन्य राज्यों में अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन पार्टी के सामने चुनौतियों को भी उजागर करता है। ऐसे में आने वाले समय में कांग्रेस द्वारा की जाने वाली समीक्षा और रणनीतिक बदलाव पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी।

भड़के सीजेआई सूर्यकांत

दलितों से थाना साफ कराया ओडिशा अदालत के आदेश रद्द

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जमानत के बदले पुलिस स्टेशन साफ करने की शर्त

सुप्रीम कोर्ट ने ओडिशा अदालतों के उन आदेशों को रद्द कर दिया है जिनमें दलितों और आदिवासियों को जमानत के बदले पुलिस स्टेशन साफ करने की शर्त रखी गई थी। सीजेआई ने इसे न्यायपालिका की जातिवादी सोच और मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन बताया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हाईकोर्ट समेत ओडिशा की विभिन्न अदालतों द्वारा पारित उन आदेशों पर कड़ी नाराजगी जताई है जिनमें आरोपियों को जमानत देने के एवज में 'पुलिस स्टेशनों की सफाई' करने की शर्त रखी गई थी। इन आरोपियों में मुख्य रूप से दलित और आदिवासी समुदाय के लोग शामिल हैं। शीर्ष अदालत ने ऐसे सभी आदेश रद्द कर दिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इन शर्तों को मानवाधिकारों का उल्लंघन और व्यक्ति की गरिमा पर सीधा प्रहार बताया है। सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया था। पीठ ने इस स्थिति पर गहरी निराशा व्यक्त करते हुए ओडिशा न्यायपालिका के रवैये को आड़े हाथों लिया। जातिगत भेदभाव पर कोर्ट ने कहा कि इस तरह के आदेश समाज के हाशिए पर रहने वाले समुदायों के खिलाफ न्यायपालिका के भीतर छिपे जातिगत पूर्वाग्रह को दर्शाते हैं।

शर्त क्रूर और घृणितः अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि साधन संपन्न और अमीर लोगों को जमानत देते समय कभी ऐसी शर्तें नहीं लगाई जाती हैं। यह शर्त इतनी क्रूर और घृणित है कि यह ओडिशा न्यायपालिका को 'जाति-आधारित' साबित कर सकती है।

पश्चिम बंगाल को यह नया प्रयोग करने में 74 साल लगे

बदलाव की बयार और 'हैकड़ी' की हार

विजयदत्त श्रीधर
वरिष्ठ पत्रकार

एक्सपर्ट कमेंट

पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुड्डुचेरी विधानसभा चुनावों के नतीजे आ गए हैं। ये नतीजे देश की राजनीति की भावी दिशा और दशा का संकेत देते हैं। पहला संकेत तो यही है कि इन चुनावों पर जेन-जी का प्रभाव स्पष्ट परिलक्षित होता है। यह भी पता चलता है कि मतदाताओं के मन में चल रही बदलाव की बहार निर्णायक साबित हुई। दूसरे, जहां-जहां भी नेताओं की हैकड़ी सिर पर चढ़कर बोलती रही, उन्हें शिकस्त देने में मतदाताओं ने कोताही नहीं की। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को जो झटका लगा था, इन विधानसभा चुनावों ने उसकी भरपाई कर ली है। सबसे बड़ा उलटफेर कांग्रेस, मार्क्स वादी कम्युनिस्ट पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के बीच 1952 से 2025 तक झूलते रहे पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी का प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में आना है। यह बंगाल के मतदाताओं का परंपरागत राजनीतिक विचारधारा के त्रि-आयामी चक्रव्यूह से सत्ता के सिंहासन को बाहर निकालकर भाजपा को सौंपने का चमत्कारिक फैसला है। पश्चिम बंगाल को यह नया प्रयोग करने में 74 साल लगे। निश्चित ही यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति और अभियान का परिणाम है। तीसरे चर्चित चेहरा रहे उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जिन्हें निवृत्तमान मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी और उनकी पार्टी ने लगातार चुनावी किरदार बनाए रखा। उनके नाम पर बंगाल के मतदाताओं को डराया जाता रहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी जीती तो बंगाल में भी सरकार चलाने का बुलडोजर मॉडल लाया जाएगा।

केरल का नतीजा प्रत्याशितः -केरल का नतीजा प्रत्याशित रहा। वहां मार्क्सवादी नेतृत्व वाले वामपंथी मोर्चा और कांग्रेस के नेतृत्व वाले मोर्चा के बीच सत्ता की अदला-बदली होती रही है। इस बार मतदाताओं ने कांग्रेस को सत्ता सौंपकर एक प्रकार से राहत दी है।

असम में हिमंता बिस्वा सरमा ने डंके की चोट पर यह ऐलान किया था कि वे ही पुनः सरकार बनाएंगे। कांग्रेस ने गौरव गोगोई पर दांव लगाया था। परंतु वे भाजपा की चुनौती से पार नहीं पा सके। पुड्डुचेरी केंद्र शासित प्रदेश है। वहां भी भारतीय जनता पार्टी ने परचम लहराया है।

तमिलनाडु में नकारात्मक राजनीति हारीः तमिलनाडु में कांग्रेस के पराभव के बाद से लगभग छह दशक तक किसी राष्ट्रीय राजनीतिक दल का सत्तारोहण नहीं हो पाया है। वहां की राजनीति फिल्मी सितारों के इर्द-गिर्द घूमती रहती है। कभी करुणानिधि का पलड़ा भारी पड़ा तो कभी एमजी रामचंद्रन छा गए। उनके बाद जयललिता का सितारा चमका।

चिंतन

नकारात्मक राजनीति को जनता ने नकारा

पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरलम और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों के परिणामों से साफ है कि इस बार जनता ने नकारात्मक राजनीति को पूरी तरह से नकार दिया है। इन चुनावों में रिकॉर्ड मतदान ने साफ कर दिया है कि मतदाता अब केवल नारों, आरोप-प्रत्यारोप और नकारात्मक राजनीति से प्रभावित होने वाला नहीं है, बल्कि वह ठोस काम, स्थिरता व विश्वसनीय नेतृत्व को प्राथमिकता देता है। एसआईआर के बीच हुए इन चुनावों ने स्पष्ट कर दिया है कि जनता अब जागरूक है और मतदान में बढ़ चढ़कर भाग लेती है। सबसे पहले अगर पश्चिम बंगाल की बात करें, तो यहां सत्तारूढ़ दल टीएमसी व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार हमलावर रहीं। उन्होंने हर उस काम में अड़ंगा डाला जो जनता के हक में था। चाहे वह चुनाव आयोग हो, एसआईआर का काम हो या अर्धसैनिक बल। ममता ने इन सभी को निशाना बनाया और नकारात्मक राजनीति की। इसका परिणाम यह रहा कि उनकी पार्टी अपने ही गढ़ में मात खा गई। असम और पुडुचेरी में भी भाजपा और उसके सहयोगी दलों की जीत ने सकारात्मक राजनीति की जीत और नकारात्मक राजनीति (या विपक्षी नैरेटिव) की हार का संकेत दिया है। इन दोनों राज्यों में, भाजपा ने 'सुशासन' और 'विकास' का मुद्दा उठाया, जबकि विपक्ष पर नकारात्मक एजेंडा चलाने का आरोप लगा। परिणामों से स्पष्ट है कि जनता ने विकास की राजनीति को चुना। तमिलनाडु में भी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के नेतृत्व वाली सत्ताधारी गठबंधन के लिए एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है, जिसे राजनीतिक विश्लेषक नकारात्मक राजनीति या मतदाताओं द्वारा सत्ता विरोधी रुख के रूप में देख रहे हैं। यहां लोगों ने एम स्टालिन को नकार दिया और दक्षिण भारतीय फिल्म सुपरस्टार विजय की नई पार्टी, तमिलगा वेट्री कड़गम (टीवीके) ने चुनाव में सबको चौंकाते हुए जीत दर्ज की है। टीवीके जो पारंपरिक पार्टियों (डीएमके और एआईएडीएमके) के लिए एक नई चुनौती बनकर उभरी है। टीवीके ने गठन के मात्र दो साल में की सत्ता हासिल कर सबको चौकाया है। जनता ने सत्ता में एकाधिकार को तोड़कर एक नए विकल्प को चुना है, जिससे यह संदेश जाता है कि पारंपरिक राजनीति के खिलाफ लोग एकजुट हो रहे हैं। इसके अलावा, केरलम में भी 10 साल के शासन के बाद, जनता ने बदलाव के लिए वोट दिया, जिससे पिनाराई विजयन की एलडीएफ सरकार को करारी हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने मतदाताओं के असंतोष, नौकरी और महंगाई जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया, जिसे जनता ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। अब चुनाव जीतने वाले दलों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे जनता से किए गए वादों पर खरा उतरें और जनहित में बिना किसी भेदभाव के काम करें। इस बार देखा जा तो तमिलनाडु में टीवीके को छोड़ दें तो किसी भी राज्य में क्षेत्रीय दल को सफलता नहीं मिली है। चार राज्यों में राष्ट्रीय दलों पर ही जनता ने भरोसा जताया है। केरल में एलडीएफ की हार के साथ ही भारत में वामपंथी शासन का अंतिम और मजबूत किला भी गिर गया है। अब किसी भी राज्य में वामपंथी सरकार नहीं है। अब भाजपा और उसके सहयोगी दल (एनडीए) देश के 23 राज्यों में सत्ता में है। अंततः, चुनाव परिणामों ने यह स्थापित किया है कि भारतीय लोकतंत्र में अब 'परफॉर्मेंस पॉलिटिक्स' का दौर मजबूत हो रहा है। जनता अब सवाल पूछ रही है, काम का हिसाब मांग रही है और उसी आधार पर अपना फैसला सुना रही है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है और राजनीतिक दलों के लिए एक स्पष्ट संदेश नकारात्मकता नहीं, काम ही असली चुनावी हथियार है।

जनादेश

राजेंद्र बज

अब जिम्मेदारियों को भी समझने की जरूरत

सभी पांच चुनावी राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणाम आ गए। अब जनादेश के अनुरूप अलग-अलग राजनीतिक दलों को अलग-अलग भूमिका का निर्वहन करना है। चुनावी दौर में तमाम तरह के आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहा, लेकिन अब व्यक्तिगत कटुता भाव को सर्वथा तिलांजलि देकर अपनी-अपनी नीति और सिद्धांतों के आधार पर विभिन्न राजनीतिक दलों को व्यापक जनहित की दिशा में अपनी ऊर्जा और चेतना का उपयोग करना होगा। वैचारिक मतभेद चाहे लाख रहें, लेकिन अब लोकतंत्र की राजनीति में व्यक्तिगत कटुता का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। अन्यथा लोकतंत्र में लोकतंत्र की मूल भावना तार-तार हो सकती है।इस बार देखा गया है कि प्रमुख प्रतिद्वंद्वी दलों के शीर्ष नेतागण चुनाव प्रचार के दौरान आक्रामक शैली में नजर आए। सार्वजनिक सभाओं में शीर्ष राजनेताओं ने जिस प्रकार की शब्दावली का उपयोग करते हुए अपने दल के पक्ष में प्रचार किया, वह शब्दावली उनके पद की मर्यादा और गरिमा के अनुरूप नहीं थी। कदाचित देश में किसी विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान इस प्रकार की भाषा का इतना व्यापक प्रयोग पहले कम ही देखने को मिला होगा। हालांकि इस स्थिति के लिए किसी दल विशेष या नेता विशेष को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। दरअसल, कहीं किसी कोने से एक शुरुआत होती है, तद्नुसार ईंट का जवाब पत्थर से देने की होड़ मच जाती है।आमतौर पर होता यह है कि जो जिस भाषा और लहजे में बात करता है, प्रत्युत्तर में उसे उसी भाषा और लहजे में जवाब देना आवश्यक समझ लिया जाता है। लेकिन फिर भी जिम्मेदार पदों पर आसीन शख्सियत से यह अपेक्षा तो की ही जाती है कि वह अपने पद और कद की मर्यादा का परिपालन करें। इसके अभाव में दिनोंदिन विकृत होती जा रही राजनीति में और भी अधिक गिरावट आने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

विधानसभा चुनाव तो पांच राज्यों में हुए, लेकिन सोशल मीडिया के बढ़ते चलन के चलते देश और दुनिया ने देखा कि किस प्रकार की भाषा और शैली में प्रचार किया गया। कहा तो यह जाता है कि राजनीति में मतभेद स्वाभाविक है, लेकिन मनभेद नहीं होना चाहिए। लेकिन व्यक्तिगत तौर पर आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला इस कदर बढ़ा कि यह स्वस्थ लोकतांत्रिक संवाद की सीमाओं को लांघता हुआ प्रतीत हुआ। दरअसल होना यह चाहिए कि वास्तविक लड़ाई नीति और सिद्धांतों को लेकर हो, जिसमें व्यक्तिगत विरोध या कटुता का कोई स्थान न हो। यही संदेश नागरिकों के बीच जाना चाहिए। वास्तव में यह समझने लायक बात है कि प्रमुख प्रतिद्वंद्वी दल कम से कम एक समान उद्देश्य के लिए तो प्रतिबद्ध हैं और वह है अधिकतम जनकल्याण। यही लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है, जिसे हर राजनेता को अपने आचरण और व्यवहार में उतारना चाहिए।इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु सत्ता केवल एक माध्यम है, जिसके जरिए आम नागरिकों का जीवन सरल और सहज बनाया जा सकता है। हर नीति, हर निर्णय और हर योजना का अंतिम लक्ष्य नागरिकों के लिए बेहतर वातावरण तैयार करना होना चाहिए। जिसे शाब्दिक रूप में "सबका साथ, सबका विकास" जैसे विचार से समझा जा सकता है।यहां यह गौर करने योग्य है कि तमाम प्रतिद्वंदी दलों और उनके नेताओं का घोषित लक्ष्य मूलतः समान ही है। अंतर केवल उसे हासिल करने के तरीकों में है। ऐसे में चुनावी प्रतिस्पर्धा को व्यक्तिगत शत्रुता में बदलना लोकतंत्र की आत्मा को आहत करता है। इस प्रवृत्ति पर अब विराम लगना ही चाहिए।इसके साथ ही, राजनीतिक दलों को यह भी समझना होगा कि आज का मतदाता पहले से कहीं अधिक जागरूक और सजग है। वह केवल भाषणों या भावनात्मक अपीलों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि काम, पारदर्शिता और जवाबदेही को प्राथमिकता देता है। इसलिए चुनाव के बाद की राजनीति में संयम, संवाद और सहयोग की संस्कृति विकसित करना समय की मांग है। कुल मिलाकर, अब जबकि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं और जनता ने राजनीतिक जिम्मेदारियों का स्पष्ट बंटवारा कर दिया है, ऐसे में सभी दलों और उनके नेताओं को व्यक्तिगत कटुता भुलाकर अपने वादों और इरादों को पूरा करने का संकल्प लेना चाहिए। सच कहा जाए तो जब राजनीति में शालीनता, संवाद और जनसेवा का भाव मजबूत होगा, तभी हमारे लोकतंत्र की वास्तविक खूबसूरती निखरकर सामने आएगी और विश्व पटल पर भारत एक आदर्श लोकतंत्र के रूप में और अधिक प्रतिष्ठित होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

चुनाव परिणाम

डॉ. घनश्याम बादल

सत्ता, संदेश और बदलती राजनीति का सच

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम केवल सरकारों के गठन या पतन की कहानी नहीं हैं, बल्कि ये भारतीय लोकतंत्र की बदलती मानसिकता, मतदाता की परिपक्वता और राजनीति के नए समीकरणों का जीवंत दस्तावेज हैं। इन चुनावों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि अब सत्ता केवल परंपरा, भावनाओं या जातीय समीकरणों के भरोसे नहीं चल सकती; जनता परिणाम चाहती है, विकल्प खोजती है और समय आने पर सत्ता को बेदखल करने में हिचकती नहीं। पश्चिम बंगाल के परिणाम केवल एक राजनीतिक बदलाव नहीं, बल्कि एक लंबे समय से पनप रहे असंतोष का विस्फोट हैं। वर्षों से स्थापित सत्ता के खिलाफ जनता के भीतर जो नाराजगी थी, वह इस बार निर्णायक रूप से बाहर आई है।

पांच महत्वपूर्ण राज्यों- पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के ताज़ा विधानसभा चुनाव परिणाम केवल सरकारों के गठन या पतन की कहानी नहीं हैं, बल्कि ये भारतीय लोकतंत्र की बदलती मानसिकता, मतदाता की परिपक्वता और राजनीति के नए समीकरणों का जीवंत दस्तावेज हैं। इन चुनावों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि अब सत्ता केवल परंपरा, भावनाओं या जातीय समीकरणों के भरोसे नहीं चल सकती; जनता परिणाम चाहती है, विकल्प खोजती है और समय आने पर सत्ता को बेदखल करने में हिचकती नहीं। पश्चिम बंगाल के परिणाम केवल एक राजनीतिक बदलाव नहीं बल्कि एक लंबे समय से पनप रहे असंतोष का विस्फोट है। वर्षों से स्थापित सत्ता के खिलाफ जनता के भीतर जो नाराजगी थी, वह इस बार निर्णायक रूप से बाहर आई। प्रशासनिक पक्षपात, कथित भ्रष्टाचार, स्थानीय स्तर पर सत्ता के केंद्रीकरण और राजनीतिक हिंसा जैसे मुद्दों ने मतदाता को विकल्प तलाशने पर मजबूर किया। दूसरी ओर, विपक्ष ने केवल विरोध नहीं किया बल्कि बूथ स्तर तक संगठन खड़ा किया, मतदाता से सीधा संवाद स्थापित किया और एक वैकल्पिक राजनीतिक कथा गढ़ी। यह जीत केवल एक दल की नहीं, बल्कि उस रणनीति की है जिसमें संगठन, विचार और मौके की सही पहचान का संगम हुआ। हालांकि अब इन चुनाव परिणाम की सच्चाई से बचने के लिए विपक्ष एस आइ आर, केंद्र द्वारा प्रशासनिक मशीनरी एवं सीबीआई तथा ईडी जैसे संस्थानों के दुरुपयोग का भी आरोप लगाएगा। लेकिन बेहतर हो कि अभी तक सट्टा रोड दल उन मुद्दों पर गौर करें जिनकी वजह से बंगाल की जनता में असंतोष पनप और गलत संदेश गया।

असम में तस्वीर थोड़ी अलग है यहां सत्ता विरोध की लहर को वहां के सत्तारूढ़ नेतृत्व ने कुंद कर दिया। आमतौर पर भारतीय राजनीति में यह देखा जाता है कि लंबे समय तक सत्ता में रहने वाली सरकारें एंटी-इनकंबेंसी की शिकार हो जाती हैं, लेकिन असम में ऐसा नहीं हुआ। इसका कारण है नेतृत्व की स्पष्टता, योजनाओं का जमीनी क्रियान्वयन और पहचान की राजनीति का संतुलित उपयोग। सरकार ने कल्याणकारी योजनाओं को केवल कागज़ों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें मतदाता के जीवन से जोड़ा। इसके साथ ही, विपक्ष की कमजोर रणनीति और बिखराव ने सत्ता पक्ष के लिए राह और आसान कर दी। यह परिणाम बताता है कि यदि नेतृत्व मजबूत हो और योजनाएं जमीन पर दिखें, तो एंटी-इनकंबेंसी को हराया जा सकता है।

पुडुचेरी का जनादेश छोटे राज्य का बड़ा संकेत है। यहां मतदाता ने स्थिरता को प्राथमिकता दी। गठबंधन की राजनीति का सफल प्रयोग यह दिखाता है कि जब स्थानीय नेतृत्व और राष्ट्रीय समर्थन का संतुलन बनता है, तब परिणाम अनुकूल हो सकते हैं। विपक्ष यहां एक स्पष्ट वैकल्पिक दृष्टि देने में विफल रहा। नतीजा यह हुआ कि मतदाता ने प्रयोग करने के बजाय स्थायित्व को चुना। यह संकेत पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है कि गठबंधन तभी सफल होता है जब उसमें स्पष्ट नेतृत्व और साझा एजेंडा हो।

अब केरल के परिणाम सत्ता के चक्र को दर्शाते हैं। यहां मतदाता ने फिर सिद्ध किया कि कोई भी दल सत्ता को स्थाई डेरा न समझे। लंबे समय तक शासन करने के बाद स्वाभाविक प्रमाद और नीतिगत असंतोष ने सरकार के खिलाफ माहौल बनाया। कांग्रेस ने इस अवसर को पहचाना, अपने संगठन को पुनर्गठित किया और जमीनी स्तर पर प्रभावी अभियान चलाया। इसके अलावा, राज्य में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का चरित्र ऐसा है कि मतदाता संतुलन बनाए रखना चाहता है। यह परिणाम कांग्रेस के लिए राहत का संकेत है, लेकिन स्थायी पुनरुत्थान का प्रमाण नहीं, बल्कि एक अवसर है जिसे उसे आगे भी साबित करना होगा।

तमिलनाडु का जनादेश इन सभी राज्यों में सबसे चौंकाने वाला और दूरगामी प्रभाव वाला है। दशकों से चली आ रही दो-दलीय राजनीति को मतदाता ने एक झटके में चुनौती दे दी। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति में बदलाव का संकेत है। जनता ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह अब विकल्प चाहती है, और यदि पारंपरिक दल उस विकल्प को देने में विफल रहते हैं, तो वह नए नेतृत्व को स्वीकार करने के लिए तैयार है। करिश्माई नेतृत्व, युवा मतदाताओं का समर्थन और परंपरागत दलों के प्रति उदासीनता इन तीनों ने मिलकर एक नई राजनीतिक ताकत को जन्म दिया। यह घटना केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं रहेगी; इसका असर अन्य राज्यों की राजनीति पर भी पड़ेगा, जहां लंबे समय से एक ही तरह की सत्ता संरचना बनी हुई है।इन पांचों राज्यों के परिणामों को समग्र रूप से देखें तो एक स्पष्ट संदेश उभरता है। मतदाता अब अधिक सजग, अधिक मांग करने वाला और अधिक निर्णायक हो चुका है। वह न तो केवल वादों से प्रभावित होता है और न ही केवल भावनात्मक अपील से। उसे ठोस काम चाहिए, स्पष्ट नेतृत्व चाहिए और विकल्प चाहिए। यह लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है, क्योंकि यह राजनीतिक दलों को जवाबदेह बनाता है। राष्ट्रीय राजनीति के स्तर पर इन परिणामों का प्रभाव गहरा होगा। एक ओर जहां सत्ताधारी दल इस परिणाम से उत्साहित होकर अगले वर्ष होने वाले उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश के चुनाव में भी जीत का परचम लहराने के लिए हर संभव रणनीति अपनाएगा, वहीं विपक्ष को भी यह संदेश मिला है कि यदि वह संगठित हो, रणनीति स्पष्ट रखे और जमीनी मुद्दों को उठाए, तो वह वापसी कर सकता है। साथ ही, क्षेत्रीय और नए दलों का उभार यह दिखाता है कि भारतीय राजनीति अब बहुध्रुवीय होती जा रही है। यह प्रवृत्ति आने वाले लोकसभा चुनावों को और अधिक प्रतिस्पर्धी बना सकती है। इसके अलावा, इन चुनावों ने यह भी साबित किया है कि डिजिटल मीडिया, सोशल प्लेटफॉर्म और जमीनी अभियानों का संतुलित उपयोग अब चुनावी सफलता का नया सूत्र बन चुका है। मतदाता तक सीधी पहुंच, पारदर्शिता और त्वरित संवाद ने राजनीतिक दलों की कार्यशैली को बदल दिया है। अब केवल बड़े मंचों की रैलियां ही नहीं, बल्कि छोटे-छोटे संवाद, स्थानीय मुद्दों पर फोकस और विश्वसनीयता की छवि भी निर्णायक भूमिका निभा रही है। अस्तु, कहना गलत नहीं होगा कि 2026 के ये चुनाव भारतीय लोकतंत्र के "परिपक्वता चरण" का संकेत हैं। यहां मतदाता ने सत्ता को संदेश दिया है काम करो, वरना जाओ। यह संदेश जितना सरल है, उतना ही कठोर भी। अब राजनीति में टिके रहने के लिए केवल नारे नहीं, परिणाम देने होंगे; चेहरे नहीं, विश्वसनीयता चाहि। यही इस जनादेश का सार है व यही भविष्य की राजनीति की दिशा भी तय करेगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

गुणों के विकास से आध्यात्मिक स्वास्थ्य संभव

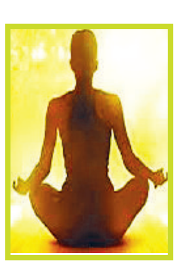

संकलित

दर्शन

हमारे पास एक शरीर है, हमें उसका पोषण करना है और जब वह रोगग्रस्त हो जाता है, तब हमें उसकी देखभाल करनी है। हमें उसके आरोग्य का उपाय ढूंढ़ना है और जीवन के भौतिक पक्ष से जुड़े सभी विषयों पर ध्यान देना है, परंतु बात यह है कि प्रायः मानव जाति केवल यहीं पर रुक जाती है। उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हमारे अस्तित्व का एक मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और उच्चतर आध्यात्मिक आयाम भी है। इसलिए सफलता का उनका (परमहंसजी का) मार्ग था उचित संतुलन को प्राप्त करना। वहां, जहां आप भौतिक सफलता और समृद्धि प्राप्त करते हैं। जहां आपके पास भावनात्मक संतुलन और आंतरिक शांति होती है। आध्यात्मिक रूप से आपके पास एक उच्चतर उद्देश्य के लिए अपने जीवन को संचालित करने का ज्ञान होता है, न केवल धन एकत्र करना और परिवार व संतानों की उपलब्धि, अपितु यह अनुभव करने का एक उच्चतर उद्देश्य कि मैं ईश्वर का एक स्फुलिंग हूं, मैं इस भौतिक शरीर में निवास करने वाला आत्मा हूं और अपने जीवन के सभी पक्षों में ईश्वर के पूर्ण साक्षात्कार और अभिव्यक्ति की प्राप्ति ही मेरा अंतिम उद्देश्य है। एक बार जब आप यह धारणा बना लेते हैं, तो जीवन अत्यंत रोमांचक हो जाता है, क्योंकि सब प्रकार के कौशल, क्षमताएं और योग्यताएं आपके लिए उपलब्ध हैं। ये प्रत्येक मनुष्य की अक्षय निधि का अंग हैं, परंतु वे तब तक पूर्ण रूप से निष्क्रिय रहती हैं, जब तक उन्हें सचेतन एकाग्रता और सचेतन प्रयास के द्वारा जाग्रत नहीं किया जाता है।

क्या आपकी दुकान में ईश्वर मिलेंगे?

संकलित

प्रेरणा

आठ साल का एक बच्चा एक रुपए का सिक्का मुट्ठी में लेकर एक दुकान पर जाकर कहा- क्या आपके दुकान में ईश्वर मिलेंगे?दुकानदार ने यह बात सुनकर सिक्का नीचे फेंक दिया और बच्चे को निकाल दिया। बच्चा पास की दुकान में जाकर 1 रुपए का सिक्का लेकर चुपचाप खड़ा रहा! लेकिन, उस अबोध बालक ने हार नहीं मानी। एक दुकान से दूसरी दुकान, दूसरी से तीसरी, ऐसा करते करते कुल चालीस दुकानों के चक्कर काटने के बाद एक बूढ़े दुकानदार के पास पहुंचा। उस बूढ़े दुकानदार ने पूछाः तुम ईश्वर को क्यों खरीदना चाहते हो? क्या करोगे ईश्वर लेकर? बच्चे ने बड़े उत्साह से उत्तर दियाः इस दुनिया में मां के अलावा मेरा और कोई नहीं है। मेरी मां दिनभर काम करके मेरे लिए खाना लाती है। मेरी मां अब अस्पताल में हैं। अगर मेरी मां मर गई तो मुझे कौन खिलाएगा ? डाक्टर ने कहा है कि अब सिर्फ ईश्वर ही तुम्हारी मां को बचा सकते हैं। क्या आपके दुकान में ईश्वर मिलेंगे? दुकानदार- हां, मिलेंगे! कितने पैसे हैं तुम्हारे पास? बच्चाः सिर्फ एक रुपए। बच्चे की मां का ऑप्रेशन हुआ। और बहुत जल्द ही वह स्वस्थ हो उठीं। डिस्चार्ज के कागज़ पर अस्पताल का बिल देखकर उस महिला के होश उड़ गए। डॉक्टर ने उन्हें आश्वासन देकर कहाः टेंशन की कोई बात नहीं है। एक वृद्ध सज्जन ने आपके सारे बिल चुका दिए हैं। साथ में एक चिट्ठी भी दी है। महिला चिट्ठी खोलकर पढ़ने लगी, उसमें लिखा था, मुझे धन्यवाद देने की कोई आवश्यकता नहीं है। आपको तो स्वयं ईश्वर ने ही बचाया है.. मैं तो सिर्फ एक ज़रिया हूं।

अंतर्मन

आज की पाती

देश के कई जिलों को पीएनजी से जोड़ा जाए

भारत सरकार के सबसे बड़े उपक्रम, गेल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक अनुमान के तहत देश में 16,000 किलोमीटर से अधिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क का संचालन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, गेल द्वारा 2,000 किलोमीटर से अधिक एलपीजी गैस पाइपलाइन का भी संचालन किया जाता है। गेल इंडिया लिमिटेड के माध्यम से देश के 22 राज्यों के लगभग 90 से अधिक जिलों में गैस पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है, जिसके जरिए सीएनजी, एलपीजी तथा कुछ जिलों में पीएनजी गैस की आपूर्ति भी की जा रही है। यदि भारत सरकार उन राज्यों के जिलों में, जहां से गैस पाइपलाइन गुजरती है, राज्य सरकारों के साथ समन्वय स्थापित कर जिला एवं तहसील मुख्यालयों को पाइपयुक्त प्राकृतिक गैस (पीएनजी) से जोडऩे की दिशा में ठोस पहल करे तो आमजन को राहत मिलेगी।

- रविंद्र जोशी, बिलासपुर

ट्रेंड

जनता ने सबक सिखाया

बंगालवासियों ने घुसपैठियों, उनके हितैषियों को ऐसा सबक सिखाया है, जिसे तुष्टीकरण की राजनीति करने वाली पार्टियां भूल नहीं पाएंगी। जिन आशाओं के साथ मोदी जी के नेतृत्व पर विश्वास जताया है, हम निश्चित रूप से उन्हें पूरा करेंगे। **-अमित शाह,** केंद्रीय गृहमंत्री

ब्रांड दूत बनें खिलाड़ी

खिलाड़ी 'नशा मुक्त अभियान' के ब्रांड दूत के तौर पर काम करें और युवाओं को नशे से दूर रहने तथा खेलों को अपनाने के लिए प्रेरित करें। इससे युवा पीढ़ी नशे से दूर रहेगी। आप भारत की नई पीढ़ी के आदर्श हैं। आपकी अपील युवाओं को सही रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करेगी।
-मनोज सिन्हा, उपराज्यपाल, जम्मू-कश्मीर

बंगाल के लोगों का धन्यवाद

जहां श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म हुआ, वह बंगाल हमारा है। पश्चिम बंगाल की देशभक्त जनता को विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जनादेश के लिए हृदय से कोटि-कोटि धन्यवाद। यह जनादेश राष्ट्रवाद और विकास के प्रति जनता के विश्वास का प्रतीक है। **-सम्राट चौधरी,** सीएम बिहार

विश्वास पर खरा उतरेंगे

कांग्रेस केरल की जनता को हार्दिक धन्यवाद देती है कि उन्होंने यूडीएफ को भारी बहुमत से सेवा का मौक़ा दिया है। हमारी ज़िम्मेदारी हम पहचानते हैं और केरल की जनता ने जो विश्वास हम पर जताया है, हम उस पर खरा उतरेंगे।
-जयराम रमेश, कांग्रेस महासचिव

करंट अफेयर

अटलांटिक में क्रूज पर संदिग्ध हंता वायरस का प्रकोप

अटलांटिक महासागर में एक क्रूज जहाज पर संदिग्ध हंता वायरस के प्रकोप के कारण एक बुजुर्ग दंपति समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम तीन अन्य के बीमार होने की सूचना है। यह जानकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन और दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य विभाग ने दी। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, मामले की जांच जारी है और कम से कम एक मामले में हंता वायरस के संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की इस स्वास्थ्य एजेंसी ने बताया कि एक मरीज दक्षिण अफ्रीका के एक अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती है, जबकि जहाज पर इसके लक्षण वाले दो अन्य मरीजों को वहां से निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। क्रूज का संचालन करने वाली नीदरलैंड की कंपनी के मुताबिक, जहाज फिलहाल अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित द्वीपीय देश केप वर्डे के पास खड़ा है। स्थानीय प्रशासन सहायता कर रहा है, लेकिन किसी को भी जहाज से उतरने की अनुमति नहीं दी गई है। कंपनी के अनुसार, बीमार लोगों में शामिल चालक दल के दो सदस्यों को तत्काल चिकित्सा की आवश्यकता है। दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि क्रूज पर 150 पर्यटक सवार थे।

ऑफ बीट

कैंसर के अंतिम चरण में मरीज हो जाते हैं उदासीन

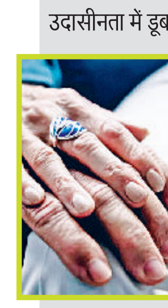

कैंसर के अंतिम चरण का एक क्रूर परिणाम यह है कि कई मरीज गहरी उदासीनता में डूब जाते हैं, क्योंकि वे उन गतिविधियों में भी रुचि खो देते हैं जिन्हें वे कभी पसंद करते थे। यह लक्षण दुर्बलता नामक सिंड्रोम का हिस्सा है, जो अंतिम चरण के लगभग 80 प्रतिशत कैंसर रोगियों को प्रभावित करता है। इससे मांसपेशियां बड़े पैमाने पर खत्म होने लगती हैं और वजन घटने लगता है, जिससे पर्याप्त पोषण के बावजूद मरीज की हड्डियां पतली हो जाती हैं। हौंसला पस्त होने से न केवल रोगियों की पीड़ा बढ़ती है, बल्कि उन्हें परिवार और दोस्तों से भी अलग कर देती है। चूंकि, रोगी को कठिन उपचार पद्धतियों को अपनाने में कड़ा संघर्ष करना पड़ता है इसलिए इससे परिवारों पर भी दबाव पड़ता है और उपचार जटिल हो जाता है। डॉक्टर आमतौर पर यह मानते हैं कि जब कैंसर के अंतिम चरण के मरीज जीवन से विमुख हो जाते हैं, तो यह शारीरिक गिरावट के प्रति एक अपरिहार्य मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया होती है। कैंसर से उत्पन्न कमजोरी में उदासीनता की पहेली को सुलझाने के लिए, हमें शरीर में सूजन के सटीक मार्ग का पता लगाने की आवश्यकता थी, तथा रोग के बढ़ने के दौरान जीवित मस्तिष्क के अंदर झांकने की आवश्यकता थी – जो कि लोगों में लगभग असंभव है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

हिमंता की 'हिम्मत' और 'भाजपा' पर बड़ी मुहर

भाजपा का वोट शेयर 2016 के 33.6% से बढ़कर 2026 में 38.59% हो गया, यह करीब 5% का उछाल

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम विस चुनाव 2026 में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 126 सदस्यीय सदन में 102 सीटों पर जीत या बढ़त हासिल कर बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके साथ ही हिमंता बिस्वा सरमा ने लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की ओर मजबूत कदम बढ़ाया है। नतीजों के बाद मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने विक्ट्री साइन दिखाकर और झूमकर कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया और इसे जनता के विश्वास की जीत बताया। चुनावी नतीजों के बाद पूरे राज्य में भाजपा समर्थकों के बीच जश्न का माहौल है। पार्टी नेताओं ने इसे विकास और स्थिरता की राजनीति पर जनता की मुहर बताया है।

असम में जश्न

विपक्ष की हार के कारण

- परिसीमन ने असम की राजनीति का गणित बदल दिया। अल्पसंख्यक प्रभाव वाली सीटें 35 से घटकर करीब 23 रह गईं।
- कल्याणकारी योजनाएं 26 लाख महिलाओं तक सीधी पहुंच बनाई
- कांग्रेस, एआईयूडीएफ, एजेपी और राइजोर दल जैसे विपक्षी दल अलग-अलग लड़े, जिससे विपक्षी वोटों का बंटवारा हुआ।
- कांग्रेस का गढ़ माना जाने वाला चाय बागान समुदाय ने भाजपा पर भरोसा किया
- सीएए,एनआरसी जैसे मुद्दों पर विपक्ष कोई ठोस विकल्प या नैरेटिव पेश नहीं कर पाया।

बहुमत- 64 **सीटें- 126/126**

दल	आगे	जीते	कुल
भाजपा+	24	78	102(+27)
कांग्रेस +	13	8	21 (-29)
अन्य	1	2	3(+2)

चुनावी प्रबंधन और गठबंधन

हिमंता कांग्रेस के पूर्व नेता रहे हैं। ऐसे में उन्हें विपक्षी पार्टियों की कमजोरियों का सटीक अंदाजा रहता है। उन्होंने क्षेत्रीय दलों (जैसे एजीपी और यूपीपीएल) के साथ गठबंधन को कुशलता से संभाला। उन्होंने चाय बागान श्रमिकों से लेकर ग्रामीण समुदायों तक अपनी पहुंच मजबूत की।

ये हैं जीत के फॉर्मूले — डिलीवरी फर्स्ट सरकार

हिमंता बिस्वा सरमा ने अपनी सरकार की छवि एक डिलीवरी-फर्स्ट सरकार के रूप में बनाई है। सड़क, रेल और विशेष रूप से सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स जैसे बड़े औद्योगिक निवेशों के माध्यम से उन्होंने असम को एक आधुनिक औद्योगिक केंद्र के रूप में पेश किया। उन्होंने असम में इंफ्रास्ट्रक्चर, एजुकेशन और हेल्थकेयर सर्विस को बेहतर बनाया। इससे असम में बीजेपी की छवि बेहतर हुई। असम में ओरुनोडोई जैसी कल्याणकारी योजनाएं पेश कीं, जिनके जरिए सीधे महिलाओं के खातों में पैसा पहुंचाया जाता है। युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर सरकारी नौकरियों की भर्ती ने उन्हें जमीन पर मजबूत लोकप्रियता दी।

जननायक के तौर पर उभरे हिमंता

निर्वाचन क्षेत्र जालुकबारी

- **परिणाम:** 2026 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने 89,562 वोटों के साथ शानदार जीत दर्ज की है। उनका वोट शेयर 76.1% रहा है
- **पार्टी:** भारतीय जनता पार्टी
- **पद:** मुख्यमंत्री, असम
- **शुरुआती करियर:** उन्होंने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत कांग्रेस से की थी।
- **जीत का सिलसिला:** वह जालुकबारी सीट से 2001, 2006 और 2011 में कांग्रेस के टिकट पर जीते।
- **भाजपा में शामिल:** 2015 में वह भाजपा में शामिल हुए और 2016, 2021 और अब 2026 में भाजपा के टिकट पर लगातार जीत हासिल की है।
- **महत्वपूर्ण भूमिका:** 2016 में भाजपा की पहली सरकार बनाने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी और 2021 में राज्य के मुख्यमंत्री बने।

भाजपा की जीत के कारण

- परिसीमन का गेमचेंजर वाला असर भाजपा को फायदा
- घुसपैठ और पहचान की सियासत का फायदा हुआ
- अरुणोदय और डीबीटी वाले वेलफेयर मॉडल लोगों को पसंद आए
- चाय बागान और जनजातीय इलाकों में पकड़ बनाने में कामयाबी मिली

पूर्वोत्तर में भाजपा का चेहरा

सिर्फ असम ही नहीं बल्कि नेडा के संयोजक के रूप में उन्होंने पूरे पूर्वोत्तर में भाजपा का आधार फैलाया है। उनके नेतृत्व में भाजपा ने असम को पूर्वोत्तर का प्रवेश द्वार बनाकर पूरे क्षेत्र में अपना वर्चस्व स्थापित किया।

80 हजार मतों से हिमंता की जीत

बड़े चेहरों की हार-जीत

मुख्यमंत्री सरमा ने जालुकबारी सीट से 1.12 लाख से ज्यादा वोट हासिल कर 80 हजार से अधिक मतों से जीत दर्ज की। वहीं कांग्रेस के बड़े नेता गौरव गोगोई को जोरहाट सीट पर भाजपा के हितेंद्र नाथ गोस्वामी ने 23,182 वोटों से हराकर बड़ा उलटफेर किया।

सहयोगियों का प्रदर्शन

चुनाव आयोग के अनुसार, भाजपा जहां 50 से अधिक सीटों पर आगे रही, वहीं उसके सहयोगी असम गण परिषद और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट ने भी मिलकर अच्छा प्रदर्शन किया। कांग्रेस 18 सीटों पर आगे रही, जबकि क्षेत्रीय दलों की भूमिका सीमित होती नजर आई।

चुनावी मंच का फोटो मीम्स बनकर वायरल हुआ

बेबाक छवि के रूप में पहचान

हिमंत बिस्वा बेबाक छवि वाले नेता हैं। इस इस छवि ने युवाओं को पार्टी से जोड़ने में मदद की। इसका असर चुनाव के परिणामों पर भी दिखाई देता है। विशेष समुदाय और कांग्रेस के खिलाफ उनकी भड़काऊ टिप्पणियां अक्सर चर्चा में रहती हैं। इसे लेकर समय-समय पर विवाद भी होते रहते हैं, लेकिन उनकी ऐसी टिप्पणियां पार्टी की छवि को खराब नहीं कर पाईं। नतीजा दूसरे समुदाय के लोग बीजेपी से जुड़ते गए।

ऐतिहासिक जनादेश

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने इसे ऐतिहासिक जनादेश बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य सरकार की नीतियों पर जनता के भरोसे का परिणाम है। हम राज्य के समग्र विकास के लिए और तेजी से काम करेंगे।

जीते दिग्गज

- *हिमंत बिस्वा सरमा (भाजपा)*
- *हितेंद्र नाथ गोस्वामी (भाजपा)*
- *अजंता नेओग(भाजपा)*

हारे दिग्गज

- *गौरव गोगोई (कांग्रेस)*
- *देबब्रत सैकिया(कांग्रेस)*
- *लुरिंज्योति गोगोई (एजेपी)*

पहचान की राजनीति

हिंमत ने असम में 'जाति, माटी और भेटी' (स्वदेशी पहचान, भूमि और आधार) के मुद्दे को बहुत आक्रामकता से उठाया है। उन्होंने खुद को असमिया संस्कृति और स्वदेशी अधिकारों के रक्षक के रूप में पेश किया। अवैध प्रवासियों और जनसांख्यिकीय बदलाव के मुद्दों पर उनके सख्त रुख ने हिंदू मतदाताओं के बड़े वर्ग को एकजुट करने में मदद की।

दो साल पुरानी पार्टी ने बनाया 5 दशकों का रिकॉर्ड

सियासत के नए सिंघम थलपति विजय

एजेंसी ▶▶ तमिलनाडु

तमिलनाडु में बड़ा उलटफेर हुआ है। एक्टर विजय ऐतिहासिक जीत लगभग तय है। ये वही थलपति विजय हैं, जिनका फिल्म बिगिल में एक डॉयलाग बेहद पॉपुलर हुआ था-एक बार मैंने मैदान में कदम रख दिया तो मुझे जीतना ही होगा। विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में अगर उनकी पार्टी 118 सीटों का आंकड़ा छू लेती है तो वह सरकार बनाने में कामयाब हो सकती है। यहीं वजह है कि तमिलनाडु में थलपति का विजयी धमाका हुआ है और उन्हे सियासत के नए सिंघम के तौर पर देखा जा रहा है। विजय की टीवीके बमुश्किल दो साल पुरानी पार्टी है और पहली बार में ही वह सत्ता में बैठने जा रही है। निचले स्तर पर भी, यह विजय को राज्य की राजनीति के शीर्ष पायदान पर मजबूती से स्थापित करता है। ऊपरी स्तर पर, यह उन्हें 234 सदस्यीय सदन में बहुमत के लिए आवश्यक 118 सीटों के बेहद करीब पहुंचा देता है। इस उदय की सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि यह कितना संक्षिप्त और सुनियोजित रहा है।

रैलियों में ऐसी जुटती थी भीड़

बहुमत- 118 **कुल सीट 234**

दल	आगे	जीते	कुल
टीवीके	27	79	106(+106)
अनाद्रमुक+	16	37	53(-22)
डीएमके+	21	44	65(-94)
अन्य	2	7	9(+9)

एमजीआर ने एक दशक तक राज किया

पिछली बार जब सिनेमा ने फोर्ट सेंट जॉर्ज पर सीधा कब्जा जमाया था, तब एमजीआर ने 1977 के विधानसभा चुनाव में भारी जीत हासिल की थी और 1987 में अपनी मृत्यु तक एक दशक तक तमिलनाडु पर शासन किया था। उन्होंने प्रशंसकों की निष्ठा को एक संस्थागत राजनीतिक मशीन में बदल दिया, कल्याणकारी योजनाओं को मतदाताओं के साथ एक भावनात्मक अनुबंध के रूप में स्थापित किया और राज्य में व्यक्तित्व और नीति के अंतर्संबंध को स्थायी रूप से बदल दिया।

द्रविड़ दुर्ग दरकने की 5 बड़ी वजहें

- **परिवारवाद और भ्रष्टाचार पर प्रहार:** डीएमके सरकार के खिलाफ बढ़ती एंटी-इंकंबेंसी और परिवारवाद के आरोपों को विजय ने कुशलता से भुनाया। उन्होंने खुद को एक बाहरी विकल्प के तौर पर पेश किया।
- **युवाओं का वोट-कन्वर्जन** : विजय की जीत में युवाओं ने ब्रांड एंबेसडर की भूमिका निभाई। युवा मतदाताओं ने न केवल खुद विजय को वोट दिया, बल्कि अपने घर के बड़े-बुजुर्गों और दादा-दादी को भी राजी किया।
- **शिक्षा और फैक्ट-चेक वाली राजनीति:** विजय ने चुनावी रैलियों को सिर्फ नारों तक सीमित नहीं रखा। 10वीं और 12वीं के टॉपर्स को सम्मानित करने के उनके अभियान ने मध्यम वर्गीय परिवारों के दिल में जगह बनाई।
- **जातिगत राजनीति से ऊपर तमिल प्राइड:** तमिलनाडु की राजनीति हमेशा जातिगत समीकरणों में उलझी रही है, लेकिन विजय ने पेरियार, अंबेडकर और कामराज की विरासत को एक साथ समेटकर एक नई पहचान गढ़ी।
- **सिनेमाई प्रभाव और स्पष्ट विजन:** विजय ने राजनीति में आने से पहले अपनी फिल्मों के जरिए जो प्रो-पीपल छवि बनाई थी, उसने जनता के मन में यह विश्वास पैदा किया कि वे उनकी समस्याओं को समझते हैं।

वे भी नहीं कर पाई थीं यह

- एमजी रामचंद्रन के बाद से कोई भी अभिनेता बार-बार प्रयास करने और भारी प्रशंसक होने के बावजूद उस अंतिम चुनावी दहलीज को पार नहीं कर पाया है।
- जयललिता, एक प्रमुख फिल्म स्टार होने के बावजूद एमजीआर की मौजूदा एआईएडीएमके को

जीते दिग्गज

टीवीके प्रमुख विजय ने पेरम्बूर निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की है। उन्होंने डीएमके के प्रतिद्वंद्वी आरडी शेखर को हराया।
उदयनिधि स्टालिन

हारे दिग्गज

- *एम के स्टॉलिन डीएमके*
- *राज्य के सिटिंग सीएम हैं और उनकी बड़ी हार मानी*
- *जा रही है।*

डी. जयकुमार एआईएडीएमके
सीमेन एनटीके

राजनीतिक धार दिखाई दी

2010 के दशक के उत्तरार्ध और 2020 के दशक के आरंभ में, विजय की फिल्म-केंद्रित सार्वजनिक उपस्थिति में तीक्ष्ण राजनीतिक धार दिखाई देने लगी। 2019 में नागरिकता संशोधन अधिनियम की उनकी आलोचना ने सिनेमा से परे रुख अपनाने की उनकी इच्छा का संकेत दिया। पार्टी के लॉन्च से पहले ही संगठनात्मक क्षमता का प्रमाण मिल गया था। 2021 के स्थानीय निकाय चुनावों में, विजय मक्कल इयक्कम के उम्मीदवारों ने अपने द्वारा लड़ी गई अधिकांश सीटों पर जीत हासिल की, जिससे यह साबित हो गया कि यह नेटवर्क लोकप्रियता को केवल भीड़ जुटाने तक सीमित नहीं रख सकता, बल्कि वोटों में भी तब्दील कर सकता है।

चाइल्ड एक्टर के तौर पर की थी शुरुआत

विजय का पूरा नाम जोसेफ़ विजय चंद्रशेखर है। उनका जन्म 22 जून 1974 को चेन्नई में हुआ। पिता एस.ए. चंद्रशेखर तमिल सिनेमा के जाने-माने निर्देशक रहे हैं और माँ शोभा एक गायिका थीं। फ़िल्मी माहौल में पले-बढ़े विजय ने बहुत कम उम्र में ही अभिनय शुरू कर दिया था।

ऐसे खड़ी की कामयाबी की इमारत

विजय ने 2009 में ही अपने प्रशंसक आधार को पुनर्गठित करना शुरू कर दिया था, जब उनके विशाल क्लबों को विजय मक्कल इयक्कम के रूप में औपचारिक रूप दिया गया था। शुरुआत में एक कल्याणकारी और सेवा नेटवर्क के रूप में स्थापित इस संगठन ने राहत कार्य, शिक्षा सहायता और स्थानीय हस्तक्षेपों के माध्यम से बूथ स्तर पर धीरे-धीरे अपनी पहचान बनाई। 2011 में, इसने खुले तौर पर एआईएडीएमके के

सोशल मीडिया पर चले मीम्स

फिल्में नहीं करेंगे विजय

जब विजय ने फरवरी 2024 में तमिलगा वेट्री कज़गम की स्थापना करके अंततः बड़ा कदम उठाया, तो उन्होंने असाधारण स्पष्टता के साथ ऐसा किया। उन्होंने ऐलान किया कि टीवीके 2026 के विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। चुनाव पूर्व गठबंधन नहीं करेगी और खुद को डीएमके-एआईएडीएमके के एकाधिकार के स्वच्छ विकल्प के रूप में स्थापित करेगी। इस घोषणा के बाद उन्होंने फिल्मों से संन्यास लेने की घोषणा की, जिससे लगभग 70 फिल्मों के साथ तीन दशक के करियर का अंत हो गया। संदेश साफ था- यह कोई मामूली परियोजना नहीं थी, बल्कि सियासत में लंबी छलांग थी।

- यूरिया और उर्वरकों की कीमतों में बढ़ोतरी का रुझान दिख रहा
- खरीफ 2026 सत्र में उर्वरकों की उपलब्धता 'अच्छी' और 'स्थिर' बनी हुई है
- मार्च-अप्रैल के लिए घरेलू उत्पादन 67 .76 लाख टन रहा

सब्सिडी खर्च 1.71 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान

पश्चिम एशिया संकट: बजट अनुमान से अधिक रह सकती है उर्वरक सब्सिडी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण आयातित यूरिया और अन्य उर्वरकों की बढ़ती कीमतों के बीच वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सरकार का उर्वरक सब्सिडी खर्च 1.71 लाख करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन से अधिक होने का अनुमान है।

मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह यह कहा। उर्वरक विभाग में अतिरिक्त सचिव अपर्णा एस शर्मा ने पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर एक अंतर-मंत्रालयी सम्मेलन में कहा, ''हम जानते हैं कि कीमतें बढ़ी हैं। यूरिया और अन्य उर्वरकों दोनों की कीमतों में बढ़ोतरी का रुझान दिख रहा है...। निश्चित रूप से बढ़ोतरी होगी, लेकिन अभी कुछ नहीं कहा जा सकता।''

उर्वरकों की उपलब्धता अच्छी और स्थिर

शर्मा ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों के बावजूद, खरीफ 2026 सत्र में उर्वरकों की उपलब्धता 'अच्छी' और 'स्थिर' बनी हुई है। मार्च-अप्रैल के लिए घरेलू उत्पादन 67.76 लाख टन रहा। इसमें यूरिया (40.72 लाख टन), डाई अमोनियम फॉस्फेट (5.39 लाख टन), एनपीके (13.65 लाख टन) और एसएसपी (8 लाख टन) शामिल हैं।

अस्थायी बंद संयंत्र फिर से होंगे चालू

शर्मा ने बताया कि यूरिया के कुछ ऐसे संयंत्र जो अस्थायी रूप से बंद हो गए थे, वे अब फिर से चालू होने वाले हैं। उनके लिए गैस की आपूर्ति पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। यूरिया के आयात के लिए एक वैश्विक निविदा की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और मई-जून तक इसकी आपूर्ति होने की उम्मीद है।

समय से पहले स्टॉक किया जाएगा जमा

अधिकारियों के अनुसार यह 'बेहतर योजना और समय से पहले स्टॉक जमा करने' की रणनीति को बताता है। कृषि मंत्रालय के आकलन के आधार पर राज्यों के हिसाब से मांग का खाका तैयार कर लिया गया है और इसके लिए स्टॉक जमा करने तथा अग्रिम योजना बनाने का काम पहले ही पूरा कर लिया गया है। केंद्रीय स्तर पर स्टॉक जमा करने के अलावा, जिलों के भीतर इसके पुनर्वितरण की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की ही रहेगी।

आपातकालीन प्रकोष्ठ होगा स्थापित

शर्मा ने कहा, ''हम राज्यों के साथ नियमित बैठकें कर रहे हैं। जैसे-जैसे मौसम नजदीक आएगा, पुनर्वितरण से जुड़ी समस्याओं से निपटने के लिए एक चौबीस घंटे संचालित होने वाला आपातकालीन प्रकोष्ठ स्थापित किया जाएगा।''

घरेलू उत्पादन का लक्ष्य तय

इसके अलावा 17 लाख टन का आयात भी किया गया। यह आयात बंदरगाह और विदेश मंत्रालयों के समन्वित प्रयासों से संभव हो पाया। विभाग ने मई महीने के लिए 22 लाख टन यूरिया, 4 लाख टन डीएपी और 8 लाख टन एनपीके के घरेलू उत्पादन का लक्ष्य रखा है।

19 लाख टन एनपीके उर्वरकों के आयात के लिए निविदा जारी

उर्वरकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 19 लाख टन एनपीके उर्वरकों के आयात हेतु एक अलग वैश्विक निविदा भी जारी किया गया है। कृषि विभाग ने खरीफ 2026 सत्र के लिए उर्वरकों की आवश्यकता 390.54 लाख टन रहने का अनुमान जताया है। इसके मुकाबले, राज्यों ने पहले ही 195.71 लाख टन उर्वरक का स्टॉक जमा कर लिया है। यह कुल आवश्यकता का लगभग 50 प्रतिशत है।

चुनावी नतीजों से शेयर बाजार में तेजी लौटी सेंसेक्स 356 अंक चढ़ा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

प्रमुख कंपनियों में लिवाली आने और पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजे बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहने से सोमवार को घरेलू शेयर बाजार चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 356 अंक की मजबूती रही जबकि निफ्टी 122 अंक चढ़ा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 355.90 अंक यानी 0.46 प्रतिशत बढ़कर 77,269.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 997.25 अंक उछलकर 77,910.75 अंक तक पहुंच गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 121.75 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,119.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, इटर्नल और मारुति सुजुकी के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और आईटीसी के शेयर नुकसान में रहे।

वैश्विक स्वास्थ्य व अनुसंधान सहयोग को मिलेगी नई दिशा

हरिद्वार। वैश्विक स्तर पर शिक्षा, अनुसंधान और विशेष रूप से समग्र स्वास्थ्य विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पतंजलि अनुसंधान संस्थान और ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी के बीच एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता ज्ञापन कल नई दिल्ली स्थित ऑस्ट्रेलिया उच्चायोग में संपन्न हुई वार्ता के ही आगे की कार्यवाई के अंतर्गत किया गया है। यह साझेदारी दोनों संस्थानों के बीच दीर्घकालिक साक्ष्य-आधारित सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक निर्णायक पहल है, जो पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय को वैश्विक मंच पर स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करेगी। इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि पतंजलि, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान के समन्वय में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, और सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी, जो ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में स्थित एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थान है। इस साझेदारी के माध्यम से शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह सहयोग न केवल दोनों संस्थानों की विशेषज्ञता को एक मंच पर लाएगा, बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान के लिए भी एक सशक्त आधार तैयार करेगा। यह सहयोग न केवल अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देगा, बल्कि स्वास्थ्य, विज्ञान और समाज के व्यापक हित में ठोस योगदान भी सुनिश्चित करेगा।

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि में अप्रैल में मामूली सुधार

नई दिल्ली। देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में नए कारोबार की शुरुआत और उत्पादन में वृद्धि के मामले में अप्रैल में मामूली सुधार देखने को मिला, लेकिन वृद्धि दर लगभग चार वर्ष में दूसरे सबसे कमजोर स्तर से बढ़ी। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक मार्च के 53.9 के मुकाबले अप्रैल में 54.7 पर रहा। यह करीब चार साल में समग्र परिचालन परिस्थितियों में दूसरे सबसे धीमे सुधार को दर्शाता है। यह सूचकांक नए ऑर्डर, उत्पादन, रोजगार, आपूर्तिकर्ताओं की आपूर्ति के समय और खरीद भंडार जैसे मानकों के आधार पर समग्र स्थिति को दर्शाता है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाइड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

टाइम्स हायर एजुकेशन विश्व रैंकिंग 2026 में गलगोटियाज विवि की छलांग

भारत के 1,300 से अधिक विश्वविद्यालय में से केवल 128 संस्थानों को टीएचई रैंकिंग के नवीनतम संस्करण में शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

गलगोटियाज विश्वविद्यालय को प्रतिष्ठित टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में बड़ी मान्यता दी गई है। इससे दुनिया के उच्च शिक्षण संस्थानों के सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक मूल्यांकनों में गलगोटियाज यूनिवर्सिटी की राष्ट्रीय और वैश्विक स्थिति को और मजबूत मिली है। भारत के 1,300 से अधिक विश्वविद्यालयों में से केवल 128 संस्थानों को टीएचई रैंकिंग के नवीनतम संस्करण में शामिल किया गया है। इन चुनिंदा संस्थानों में गलगोटियाज विश्वविद्यालय भी शामिल है, जिसे भारत के निजी विश्वविद्यालयों में 27वें स्थान पर रखा गया है, जो इस विश्वविद्यालय के बढ़ते शैक्षणिक प्रोफाइल और उच्च शिक्षा परिदृश्य में इसकी बढ़ती पहचान को रेखांकित करता है। टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग टीचिंग क्वालिटी, रिसर्च एनवॉयरमेंट, रिसर्च क्वालिटी, अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण और इंडस्ट्री से जुड़ाव सहित विभिन्न मानकों पर संस्थानों का मूल्यांकन करती है। 2026 के संस्करण में रिसर्च क्वालिटी गलगोटियाज विश्वविद्यालय के लिए एक मजबूत पहलू के रूप में सामने आया है, जो इसके सुदृढ़ विद्वतापूर्ण आउटपुट, एकेडमिक दृश्यता में वृद्धि और बढ़ते अनुसंधान प्रभाव को साबित करता है। इस बारे में गलगोटियाज विश्वविद्यालय के सीईओ डॉ. ध्रुव गलगोटिया ने कहा कि यह रैंकिंग हमारे लिए एक विश्वविद्यालय के रूप में सिर्फ मील का पत्थर ही नहीं है, बल्कि यह हमारे हर उस स्टूडेंट का उत्सव है जिसने सपने देखने का साहस किया, हर उस माता-पिता का जो उन सपनों में विश्वास करते हैं और हर उस भारतीय का जो हमारी यात्रा पर गर्व करते हैं। यह केवल गलगोटियाज के लिए ही खास पल नहीं है, इससे भी अधिक यह एक शक्तिशाली रिमाइंडर है कि यह भारत के उठने और नेतृत्व करने का समय है।

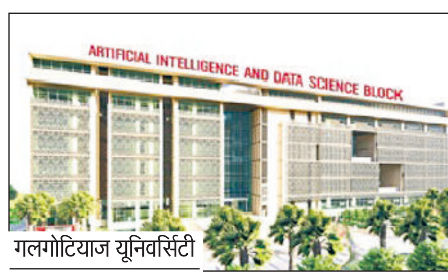

गलगोटियाज यूनिवर्सिटी

गलगोटियाज विवि भारत के निजी विश्वविद्यालयों में 11वें स्थान पर

टीएचई की ताजा मान्यता इंटरनेशनल रैंकिंग में विश्वविद्यालय की व्यापक प्रगति को दर्शाती है और कंप्यूटर विज्ञान के लिए क्यूएस सब्जेक्ट रैंकिंग में इसके प्रदर्शन का अनुसरण करती है, जिसमें गलगोटियाज विश्वविद्यालय भारत के निजी विश्वविद्यालयों में 11वें स्थान पर रहा। लगभग एक साथ मिलीं ये मान्यताएं एकेडमिक क्वालिटी, इनोवेशन-आधारित लर्निंग और भविष्य-उन्मुख शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय की बढ़ती प्रतिष्ठा साबित करती हैं। गलगोटियाज विश्वविद्यालय ने मल्टीडिसिप्लिनरी प्रोग्राम्स का विस्तार करने, अनुसंधान क्षमता को मजबूत करने, इंडस्ट्री के साथ साझेदारी बढ़ाने और छात्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय अवसर उत्पन्न करने का सिलसिला लगातार जारी रखा है। तेजी से बदलती दुनिया में उभरते अवसरों के लिए छात्रों को तैयार करने के लिए विश्वविद्यालय ने खास तौर पर डिजाइन किए गए तकनीक-सक्षम लर्निंग सिस्टम, इनोवेशन इकोसिस्टम और कॅरियर-फोकस्ड एकेडमिक उपायों में भी निवेश किया है। फैकल्टी की गुणवत्ता, रिसर्च की गहराई, वैश्विक जुड़ाव और स्टूडेंट के बेहतर परिणामों में निवेश जारी रखने के साथ गलगोटियाज विश्वविद्यालय लगातार नई पीढ़ी के शिक्षार्थियों की आकांक्षाओं के अनुरूप एक बेहद प्रासंगिक संस्थान के रूप में खुद को आगे बढ़ा रहा है।

हासिल किए कुल 31 पेटेंट

गलगोटियाज विश्वविद्यालय ने एक मजबूत और गतिशील रिसर्च इकोसिस्टम का निर्माण किया है और कुल 31 पेटेंट हासिल किए हैं, जो इनोवेशन और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी के निर्माण के प्रति इसकी बढ़ती प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसका स्कोपस प्रकाशन प्रोफाइल 8,500 से अधिक इंडेक्स दस्तावेजों, 65,500 से अधिक संदर्भों और 94 के प्रभावशाली एच-इंडेक्स के साथ उल्लेखनीय शैक्षणिक सुदृढ़ता को प्रदर्शित करता है।

15 गवर्नमेंट फंडेड रिसर्च प्रोजेक्ट हासिल

विश्वविद्यालय की वैश्विक स्थिति को आगे बढ़ाते हुए सात संकाय सदस्यों को उनके असाधारण शोध योगदान के लिए दुनिया के शीर्ष दो फीसदी वैज्ञानिकों में स्थान दिया गया है। विश्वविद्यालय ने आईसीएसएसआर, एएनआरएफ, सीएसआईआर, एसईआरबी, डीएचआर, आईयूएसी और आईआईटी बॉम्बे टीआईएच फाउंडेशन जैसी प्रतिष्ठित एजेंसियों से 1.70 करोड़ रुपए के कुल बाहरी वित्त पोषण के साथ 15 गवर्नमेंट फंडेड रिसर्च प्रोजेक्ट हासिल की है।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह बीते वित्त वर्ष बढ़कर 23.40 लाख करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली। सरकार का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह वित्त वर्ष 2025-26 में 5.12 प्रतिशत बढ़कर 23.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। हालांकि यह मार्च 2026 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए तय संशोधित बजट लक्ष्य से कम है। वित्त वर्ष 2025-26 के संशोधित अनुमान में सरकार ने प्रत्यक्ष कर संग्रह 24.21 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया था। मूल बजट अनुमान 25.20 लाख करोड़ रुपये था। विश्लेषकों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में प्रत्यक्ष कर संग्रह में अपेक्षाकृत नरमी आयकर दरों में की गई कटौती के कारण रही, जिसकी घोषणा एक फरवरी 2025 को पेश बजट में की गई थी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक अप्रैल 2025 से प्रभावी आयकर छूट की सीमा सात लाख रुपये से बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दी थी। साथ ही कर दरों और स्लैब में व्यापक बदलाव किए गए तथा मानक कटौती बढ़ाकर 75,000 रुपये कर दी गई।

रेल पहिया कारखाना/बेला
जिला-सारण, (बिहार)-841221

खुली ई-निविदा सूचना सं. आर डब्ल्यू पी/भंडार/वर्क्स/एडीभीटी/2026-27/01, दिनांक: 29.04.2026 निविदा खुलने की तिथि : 29.05.2026, Tender No. S_RWP_TPT_RAIL_2025-26_02B, Due on 29.05.2026

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक/रेल पहिया कारखाना, बेला भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से स्क्रैप रेल की ढुलाई हेतु ऑनलाइन "ई-खुली निविदा" भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल (आई.आर.ई.पी.एस) www.ireps.gov.in के माध्यम से आमंत्रित करते हैं:- 1. कार्य का नाम, स्थान, मात्रा एवं समापन की अवधि : कटी हुई स्क्रैप रेल का परिवहन। जिसमें शामिल है: (i) विभिन्न रेलवे इकाइयों/स्थानों पर कटी हुई स्क्रैप रेल का संग्रहण (ii) स्क्रैप रेल का 3 (तीन) मीटर तक की लंबाई में कटाई (iii) कटी हुई स्क्रैप रेल को वाहन में लोड करना (iv) कटी हुई स्क्रैप रेल को भारतीय रेलवे के विभिन्न स्थानों से 501-1000 किमी. की दूरी स्लैब के अंतर्गत रेल व्हील प्लांट बेला, सारण, बिहार- 841221 तक परिवहन (औसत लीड दूरी 750 किमी मानते हुए)। नोट : गंतव्य पर अनलोडिंग रेलवे द्वारा की जाएगी। मात्रा : 3432000 मीट्रिक टन-किमी समापन अवधि: एल.ओ.ए. के निर्गत तिथि से 12 माह। 2. अनुमानित लागत : रु. 1,66,79,520.00, 3. ब्याना (ई एम डी) की राशि : रु. 3,33,600/-, 4. निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय : 29.05.2026 up to 14:15 hrs., 5. वेबसाईट विवरण, नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा की पूर्ण विवरणी देखी जा सकती है। : निविदा की पूर्ण जानकारी प्राप्त करने एवं निविदा जमा करने हेतु आईआरईपीएस के आधिकारिक वेबसाईट अर्थात www.ireps.gov.in का अवलोकन करें। बोली प्रस्तुत करने वाली भावी कंपनियों को ऊपर की निविदाओं के संबंध में शुद्धिपत्र सहित अद्यतन जानकारी प्राप्त करने के लिए आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल (www.ireps.gov.in) के साथ संपर्क में रहने की सलाह दी जाती है, क्योंकि ऐसी जानकारी समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं की जाएगी। प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक/रेपका/बेला

आर.डब्ल्यू.पी./सी.पी.आर.ओ./ए.डी.भी.टी./2026-27/10

राशिफल

मेष दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार की सुख-सुविधाओं के लिए खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

वृष मन प्रसन्न तो रहेगा। परन्तु बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है।

मिथुन व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। भाइयों से मतभेद हो सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

सिंह संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी मित्र के सहयोग से सम्पत्ति में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा। मीठे खानपान में रुचि रहेगी।

कन्या संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। कुटुम्ब की किसी बुजुर्ग महिला से धन मिल सकता है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

तुला वाणी में मधुरता रहेगी। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी।

धनु क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। कारोबार में किसी मित्र के सहयोग से लाभ में वृद्धि होगी।

मकर व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा। परन्तु आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। धार्मिक आयोजनों में हिस्सा लेंगे।

मीन मन प्रसन्न रहेगा। कर्मक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

दिल्ली में चांदी 6,800 रुपये उछली, सोना 2,000 रुपये टूटा

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को चांदी की कीमत 6,800 रुपये चढ़कर 2.49 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रही। विदेशी बाजारों में कीमतों पर दबाव के बावजूद आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की तरफ से मजबूत खरीदारी के कारण घरेलू बाजार में भाव में तेजी रही। हालांकि, अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 2,000 रुपये, यानी 1.3 प्रतिशत टूटकर 1,52,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रहा। बृहस्पतिवार को बाजार बंद होने के समय इसकी कीमत 1,54,800 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। उन्होंने कहा कि तेल की बढ़ती कीमतों ने इस आशंका को और मजबूत किया है कि ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं, और साल के आखिर में इनमें और तेजी आने की आशंका है। सत्र के दौरान ये दोनों ऊपर चढ़े, जिससे कीमती धातुओं की कीमतों पर दबाव बना। सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमतों में 6,800 रुपये यानी 2.8 प्रतिशत की तेजी आई और यह 2,49,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) पर पहुंच गई। पिछले सत्र में चांदी की कीमत 2,42,700 रुपये प्रति किलोग्राम थी। वैश्विक स्तर पर, हाजिर चांदी 2.55 प्रतिशत टूटकर 73.43 डॉलर प्रति औंस रही।

रुपया पहुंचा अब तक के सबसे निचले स्तर पर

मुंबई (एजेंसी)। रुपया सोमवार को 39 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 95.23 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच वैश्विक बाजारों में अस्थिरता, तेल की कीमतों में उछाल और मुद्रास्फीति और आर्थिक नरमी की आशंकाएं बढ़ने से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट तेल की कीमत 110 डॉलर के आसपास बनी हुई है जिससे भारत जैसी तेल आयात करने वाली अर्थव्यवस्थाएं दबाव में हैं। इसके अलावा, वैश्विक अनिश्चितताओं में वृद्धि के बीच विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी जैसे कारकों ने निवेशकों के विश्वास को और भी कमजोर किया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.95 पर खुला। कारोबार के दौरान इसमें गिरावट जारी रही और अंत में 95.23 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा जो पिछले बंद भाव से 39 पैसे की गिरावट है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.84 पर बंद हुआ था। 'महाराष्ट्र दिवस' के उपलक्ष्य में शुक्रवार को शेयर बाजार और मुद्रा बाजार बंद थे। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ अनुसंधान विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, ''डॉलर में मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भारतीय रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी संजय संजू उर्फ चौमीन** पुत्रः राजेंद्र, **पताः** टी-24, रेलवे कॉलोनी, मोरी गेट, **दिल्ली FIR No. 807/25, Dt. 10.10.2025, U/s: 304(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता-2023, पुलिस थानाः कोतवाली, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **संजय संजू उर्फ चौमीन** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **संजय संजू उर्फ चौमीन** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **संजय संजू उर्फ चौमीन FIR No. 807/25, Dt. 10.10.2025, U/s: 304(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता-2023, पुलिस थानाः कोतवाली, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.06.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री सायशा चड्ढा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-08
कमरा नं. 272
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/5864/N/2026
(Court Matter)

शब्द पहेली - 6216

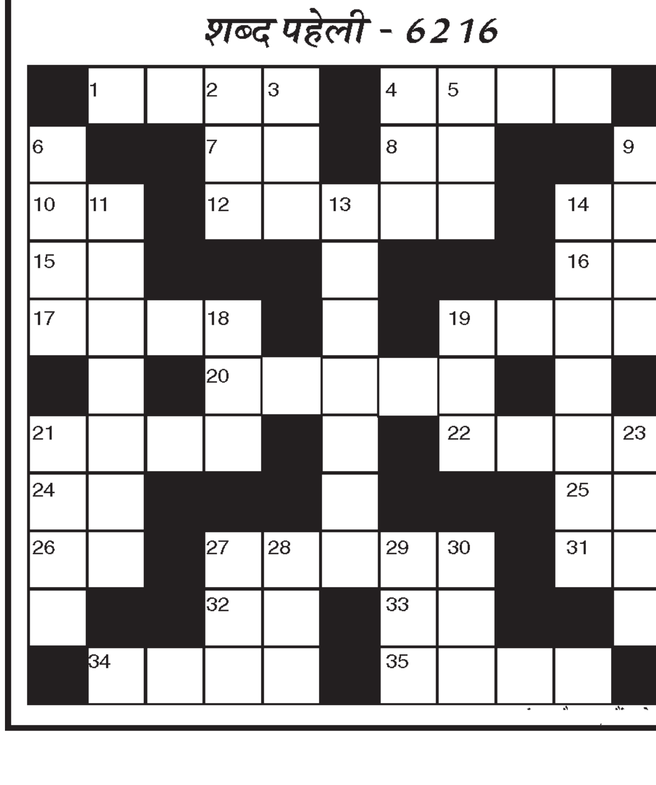

बाएँ से दाए-
1. एक असुर जिसे शिव ने वरदान दिया था -4
4. दान देने वाला-4
7. सवारी गाड़ी-2
8. संख्या, रत्न-2
10. जाप, मंत्र पाठ-2
12. आक्रमणकारी-5
14. अपशिष्ट पदार्थ-2
15. दिन, प्रहार-2
16. भीगा हुआ-2
17. शिशु, पैदा हुआ बच्चा-4
19. कीमती-4
20. आलसी, निष्ठाहीन-5
21. जिसे दीक्षा नहीं दी गई हो-5
22. गारंटी, मुचलका-4
24. रिश्तेदार-2
25. शेर, नाहर-2
26. पिटाई, चोट-2
27. निम्नता, न्यूनता-5
31. परिणाम, निष्कर्ष-2
32. महेंद्रसिंह धोनी को इस नाम से भी जानते हैं-2
33. मूल, कंद-2
34. उदाहरणार्थ-4
35. पितृपक्ष-4

ऊपर से नीचे
2. सवेरा, भोर-3
3. सांभर जैसा आहार -3
4. दैत्य, असुर-3
5. शहर-3
6. तरुण, जवान-4
9. एक महीन व कीमती कपड़ा-4
11. ईश्वर, रब-7
13. डांट, फटकार, भर्त्सना -3,4
14. भारत के पुर्व प्रधानमंत्री-5,2
18. अधीन-3
19. निवेदन, प्रार्थना-3
21. असमतल-4
23. धमाका, सनसनी-4
27. करिश्मा-3
28. बारीक-3
29. कपड़े धोनेवाला-3
30. पिटाई करना, भांपना-3

शब्द पहेली - 6215 का हल

र	प	ट	ना		ज		अ	प	रा	ध
	ल		म		ना	वि	क		ल	ड़
ह			ज	ल	न		ल			क
म	क	स	द		खा	ना		थ	का	न
रा		ब		म	न		ध्व		लि	
ज	प	क	र	ना		रा	ज	कु	मा	र
	ह		वा		या	त्री		ली		वा
क	रा	र		न	न		अ	न	ब	न
म			ज		चा	क	र			गी
सि	ला		ह	म	ल		दा		सां	
न	क	सी	र		क		स	दा	चा	र

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	9	6	2	13
बेंगलुरु	9	6	3	12
हैदराबाद	10	6	4	12
राजस्थान	10	6	4	12
गुजरात	10	6	4	12
चेन्नई	9	4	5	8
दिल्ली	9	4	5	8
कोलकाता	9	3	5	7
मुंबई	10	3	7	6
लखनऊ	9	2	7	4

ऑरेंज कैप

अभिषेक शर्मा
440 रन
हैदराबाद

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
17 विकेट
बेंगलुरु

आरसीबी को झटका, इंग्लैंड लौटे ओपनर सॉल्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट पिछले महीने उंगली में लगी चोट का स्कैन कराने के लिए इंग्लैंड लौट गए हैं। इस चोट के कारण साल्ट आरसीबी के पिछले तीन मैचों में नहीं खेल पाए थे।

उनकी जगह उनके हमवतन जैकब बेथेल ने विराट कोहली के साथ पारी का आगाज किया। यह 29 वर्षीय खिलाड़ी 18 अप्रैल को चिन्नास्वामी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर बाउंड्री बचाने के लिए डाइव लगाते समय चोटिल हो गया था। उनकी बाएं हाथ की उंगली में चोट लग गई थी।

किया गया उंगली का स्कैन

रिपोर्ट के अनुसार, 'ईसीबी (इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड) से अनुबंधित साल्ट इंग्लैंड के टीम प्रबंधन के अनुरोध पर स्वदेश लौट गए हैं और उनकी उंगली का स्कैन किया गया है।' रिपोर्ट के अनुसार आरसीबी और साल्ट दोनों को उम्मीद है कि वह जल्द फिट हो जाएंगे और वह इस महीने बाद में भारत लौट सकते हैं। साल्ट ने मौजूदा आईपीएल में छह पारियों में 168.33 के स्ट्राइक रेट से 202 रन बनाए थे। आरसीबी फिलहाल पंजाब किंग्स के बाद अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। उसका अगला मुकाबला गुरुवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से होगा।

निगार सुल्ताना ने जमीन पर पटका बल्ला, आईसीसी ने लिया बड़ा एक्शन

दुबई। बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना जोटी को सिलहट में श्रीलंका के खिलाफ तीसरे महिला टी20 मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई गई है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बताया कि बांग्लादेश की कप्तान ने अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघन किया है, जो 'किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट के सामान या कपड़ों, मैदान के सामान या फिक्स्चर और फिटिंग का गलत इस्तेमाल' करने से संबंधित है।

श्रीलंका ने सीरीज अपने नाम की

मैच की बात करें तो श्रीलंका ने बारिश से प्रभावित तीसरे टी20 मैच में बांग्लादेश को तीन रनों से हराकर 3-0 से सीरीज अपने नाम कर ली। श्रीलंका की कप्तान चमारी अथापथु ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए टीम को जीत दिलाई। उन्होंने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए और फिर गेंदबाजी में 2/15 का प्रदर्शन किया।

आईपीएल: मुंबई का सबसे बड़ा रन चेज

रोहित-रिकेल्टन के तूफान में उड़े सुपर जाइंट्स, इंडियन्स छह विकेट से जीता

भाषा ▶▶| मुंबई

सलामी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन के अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी से मुंबई इंडियन्स ने इंडियन प्रीमियर लीग की तालिका की सबसे निचले पायदान की दो टीम के बीच हुए मुकाबले में सोमवार को यहां लखनऊ सुपर जाइंट्स को छह विकेट से हराकर नॉकआउट में जगह बनाने की अपनी मामूली उम्मीदों को जीवंत रखा। इस जीत से मुंबई के 10 मैच में तीन जीत से छह अंक हो गए हैं और टीम नौवें स्थान पर बनी हुई है। सुपर जाइंट्स की टीम लगातार छठी हार के बाद नौ मैच में चार अंक के साथ 10वें और अंतिम पायदान पर है। सुपर जाइंट्स के 229 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियन्स ने चोट के बाद वापसी कर रहे रोहित (84 रन, 44 गेंद, छह चौके, सात छक्के) और रिकेल्टन (83 रन, 32 गेंद, छह चौके, आठ छक्के) के बीच पहले विकेट की 143 रन की तूफानी साझेदारी की बदौलत आठ गेंद शेष रहते चार विकेट पर 229 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। निकोलस पूरन (63 रन, 21 गेंद, आठ छक्के, एक चौका) ने

अर्धशतक जड़ने के अलावा सलामी बल्लेबाज मिचेल (44 रन, 25 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) के साथ दूसरे विकेट के लिए 94 रन जोड़े जिससे सुपर जाइंट्स ने पांच विकेट पर 228 रन बनाए।

लखनऊ-228/5 (20)

खिलाड़ी	रन
मिचेल का नमन बो बॉश	44
जोश का सूर्यकुमार बो गजनफर	13
निकोलस का रिकेल्टन बो बॉश	63
ऋषभ पंत का रिकेल्टन बो जैक्स	15
एडेन मारक्रम नाबाद	31
अक्षत रघुवंशी का एवं बो रघु	11
हिम्मत सिंह नाबाद	40

अतिरिक्तः 11
कुलः 20 ओवर में पांच विकेट परः 228 रन
विकेट पतनः 1-29, 1-123, 3-125, 4-148, 5-160
गेंदबाजीः चाहर 4-0-43-0, बुमराह 4-0-45-0, गजनफर 4-0-50-1, जैक्स 2-0-34-1, बॉश 2-0-20-2, रघु 4-0-36-1

मुंबई-229/4 (18.4)

खिलाड़ी	रन
रेयान का इंग्लिस बो मोहसिन	83
रोहित शर्मा का शमी बो सिद्धार्थ	84
तिलक का मारक्रम को सिद्धार्थ	11
सूर्यकुमार का पूरन बो शमी	12
नमन धीर नाबाद	23
विल जैक्स नाबाद	10

अतिरिक्तः 06
कुलः18.4 ओवर में चार विकेट परः 229 रन
विकेट पतनः 1-143, 2-177, 3-189, 4-213
गेंदबाजीः शमी 4-0-53-1, मोहसिन 4-0-47-1, प्रिंस 3-0-24-0, आवेश 3.4-056-0, सिद्धार्थ 4-0-47-2

घर में जीत की राह तलाशेगी कैपिटल्स

■ आज शाम 7 .30 बजे से अक्षर और रुतुराज की टीमों के बीच अहम मुकाबला

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स को अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीन हार झेलने के सिलसिले को खत्म करने के लिए मंगलवार को आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ होने वाले मैच में खेल के तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली और चेन्नई दोनों टीम के 9 मैचों में आठ-आठ अंक हैं। अब जबकि उनके 5 मैच बचे हुए हैं तब छोटी सी गलती भी भारी पड़ सकती है। दिल्ली कैपिटल्स ने लगातार तीन हार के बाद शुक्रवार को जयपुर में खेले गए मैच में महत्वपूर्ण जीत हासिल की। उसने इससे पहले जो तीन मैच गंवाए थे उनमें से दो हार उसे घरेलू मैदान पर मिलीं थी। कोटला में पंजाब किंग्स के खिलाफ उसकी टीम 264 रन के स्कोर का बचाव नहीं कर पाई थी जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ उसके बल्लेबाज नहीं चल पाए थे। इससे पहले दिल्ली को कोटला में गुजरात टाइटंस से भी एक रन से हार का सामना करना पड़ा था।

इंटर मिलान ने 21वीं बार जीता इटालियन लीग का खिताब

इंटर मिलान ने परमा को 2-0 से हराया

एजेंसी ▶▶| मिलान

इंटर मिलान ने परमा को 2-0 से हराकर तीन दौर के मैच शेष रहते ही इटालियन लीग फुटबॉल टूर्नामेंट सीरी ए का खिताब अपने नाम कर लिया। इंटर मिलान को ट्रॉफी हासिल करने के लिए केवल एक ड्रॉ की जरूरत थी। उसने परमा पर जीत से 2025 के चैंपियन और दूसरे स्थान पर काबिज नेपोली पर 12 अंकों की अजेय बढ़त बना ली है। यह इंटर मिलान का 21वां सीरी ए खिताब है। वह सर्वाधिक खिताब जीतने के मामले में युवेंटस (36) के बाद दूसरे स्थान पर है। इंटर मिलान की तरफ से पहला गोल पहले हाफ में मार्कस थुरम ने किया जबकि 37 वर्षीय हेनरिक मखितार्यान ने 80वें मिनट दूसरा गोल दागा। इस सत्र में दो ट्रॉफियां जीतने की दौड़ में शामिल इंटर मिलान 10 दिनों में इटालियन कप के फाइनल में लाजियो का सामना करेगा।

स्पेनिश लीग : रियाल मैड्रिड ने एस्पेनयोल को हराया, बार्सिलोना का बढ़ा इंतजार

मैड्रिड। विनीसियस जूनियर (55वें और 66वें मिनट) ने दूसरे हाफ में दो गोल किए, जिससे रियाल मैड्रिड ने एस्पेनयोल को 2-0 से हराकर बार्सिलोना का लगातार दूसरी बार स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट ला लिगा का खिताब जीतने का इंतजार बढ़ा दिया। बार्सिलोना ने ओसासुना को 2-1 से हराकर रियाल मैड्रिड पर 14 अंकों की बढ़त बना ली थी। रियाल मैड्रिड अगर एस्पेनयोल से नहीं जीत पाता तो बार्सिलोना 29वां लीग खिताब अपने नाम कर देता। बार्सिलोना और रियाल मैड्रिड के बीच अब 11 अंक का अंतर रह गया है। अब जबकि इस प्रतियोगिता में चार दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं तब बार्सिलोना 34 मैच में 88 अंक के साथ शीर्ष पर बना हुआ है जबकि रियाल मैड्रिड के इतने ही मैच में 77 अंक हैं। इन दोनों टीमों के बीच अब इस सप्ताह के आखिर में मैच खेला जाएगा जिसमें जीत दर्ज करने पर बार्सिलोना चैंपियन बन जाएगा।

खबर संक्षेप

पेशावर ने जीता पीएसएल का खिताब

लाहौर। आरोन हार्डी के ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर पेशावर जाल्मी ने हैदराबाद किंग्समेन को फाइनल में 5 विकेट से हराकर 2017 के बाद पहली बार पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीता। हार्डी ने 27 रन देकर चार विकेट लिए, जिससे पेशावर ने हैदराबाद को 18 ओवर में केवल 129 रन पर आउट कर दिया। पेशावर की तरफ से साइम अयूब (54) ने जुझारु अर्धशतक बनाया। इसके बाद हार्डी ने 39 गेंदों पर 56 रन की नाबाद पारी खेली, जिससे पेशावर ने गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में 15.2 ओवर में 5 विकेट पर 130 रन बनाकर जीत दर्ज की।

सामूहिक प्रयास से जीत हासिल कर रही टाइटन्सः होल्डर

अहमदाबाद। जेसन होल्डर का मानना है कि गुजरात टाइटन्स ने अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया है लेकिन इसके बावजूद वह मैच जीत रहा है और इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में बना हुआ है। होल्डर ने इस बात पर खुशी व्यक्त की कि टीम व्यक्तिगत प्रदर्शन के बजाय सामूहिक प्रयास से जीत हासिल कर रही है। होल्डर ने कहा, 'हम जिस तरह से खेल रहे हैं उसकी खूबसूरती यह है कि हम किसी भी मैच में केवल एक खिलाड़ी के प्रदर्शन पर निर्भर नहीं हैं और अलग-अलग दिनों में अलग-अलग खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।'

डब्ल्यूटीए 1000 खिताब

मार्टा ने हासिल की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग सबालेंका के बराबर पर पहुंची

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

मार्टा कोस्त्युक ने कॅरियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीत लिया। क्ले कोर्ट पर शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने ताजा डब्ल्यूटीए रैंकिंग में करियर की सर्वश्रेष्ठ 15वीं रैंकिंग भी हासिल की। कोस्त्युक ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक सेट गंवाया। इससे पहले वह 2026 सीजन में ब्रिस्बेन के फाइनल तक भी पहुंची थीं। मैड्रिड में मिली यह जीत उनके करियर का तीसरा खिताब और लगातार दूसरा खिताब है, जो साल की शुरुआत में चोट से प्रभावित अभियान के बाद उनकी शानदार वापसी को दर्शाता है। खास बात यह है कि इस सीजन वह टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ पांच जीत दर्ज कर चुकी हैं। इस मामले में वह एरिना सबालेंका की बराबरी पर हैं और सिर्फ एलेना रायबाकिना से पीछे हैं।

एंड्रीवा को रैंकिंग में फायदा

टीन सेंसेशन मीरा एंड्रीवा को भी रैंकिंग में काफी फायदा हुआ। मैड्रिड में उपविजेता रहने के बाद वह वर्ल्ड नंबर 7 पर पहुंच गईं। यह उनका तीसरा डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल और क्ले कोर्ट पर पहला फाइनल था। वहीं, इगा स्वियातेक बीमारी के कारण टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने के बावजूद टॉप 3 में वापस जगह बनाने में कामयाब रहीं।

अंजलि ने 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण जीता

नई दिल्ली। राजस्थान की अंजलि शेखावत ने सोमवार को यहां 24वीं कुमार सुरेंद्र सिंह स्मृति निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। अंजलि क्वालीफिकेशन में 576 अंक के साथ चौथे स्थान पर रही थी। उन्होंने फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए 240.5 के स्कोर से शीर्ष स्थान हासिल किया। हरियाणा की कनक बुधवार ने 238.7 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता जबकि पंजाब की अगम रंजीत कौर ग्रेवाल ने 216 के स्कोर से कांस्य पदक हासिल किया। क्वालीफिकेशन दौर में तेलंगाना की ओलंपियन ईशा सिंह 582 अंक के साथ शीर्ष पर रहीं थी। हालांकि ईशा सिंह और मध्य प्रदेश की महिमा तुर्ही अग्रवाल ने फाइनल में हिस्सा नहीं लिया। तुर्ही ने 575 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहते हुए क्वालीफाई किया था।

एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप

जापान की कड़ी चुनौती के लिए तैयार भारत

एजेंसी ▶▶| सुझोऊ

भारत को मंगलवार को एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप 2026 फुटबॉल टूर्नामेंट में जापान की मजबूत टीम के रूप में कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। भारत अपनी शुरुआती हार से उबरकर टूर्नामेंट में वापसी की उम्मीद कर रहा है। भारतीय टीम ग्रुप बी के अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया से 0-2 से हार गई थी। अब वे ऐसी स्थिति में हैं, जहां हर गोल मायने रखेगा, विशेषकर तब जब जापान ने लेबनान को 13-0 से हराकर तीन अंक हासिल कर लिए हैं। महिला फुटबॉल की तकनीकी रूप से सबसे बेहतरीन टीम में से एक जापान इस

मुकाबले में अपना शानदार इतिहास लेकर उतर रहा है। उसने एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप के 9 टूर्नामेंट में सात बार फाइनल में जगह बनाई है और चार बार खिताब जीता है। इस एशियाई दिग्गज टीम ने 2014 में फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप का खिताब जीतकर वैश्विक स्तर पर भी अपना दबदबा साबित किया था।

दीक्षा, त्वेसा और हिताशी का निराशाजनक प्रदर्शन

लेडीज क्लासिक में नीचे खिसकी भारतीय तिकड़ी

एजेंसी ▶▶| सपोर्ट लुईस

दीक्षा डागर, त्वेसा मलिक और हिताशी बख्शी की भारतीय तिकड़ी को 2026 एमसीबी लेडीज क्लासिक मॉरीशस गोल्फ के अंतिम दौर में खराब प्रदर्शन के कारण तालिका में नीचे खिसकना पड़ा।

शुरुआती दो दौर में 68-69 के स्कोर के साथ अच्छी स्थिति में रही दीक्षा तीसरे दौर में 74 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त 21वें स्थान पर रहीं। दीक्षा ने नौवें होल पर सिर्फ एक बर्डी लगाई और पहले, दसवें तथा पंद्रहवें होल पर बोगी कर बैठीं। त्वेसा 70-71 के स्कोर के बाद 73 का कार्ड खेलकर संयुक्त 38वें स्थान पर रहीं।

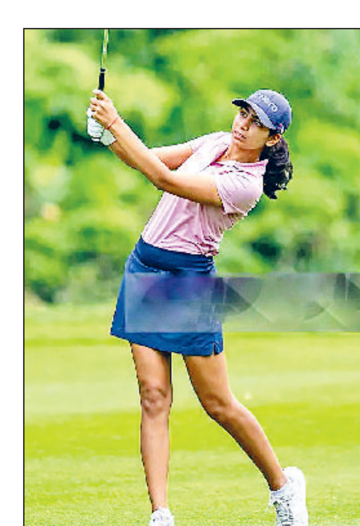

लय गंवा बैठीं हिताशी

हिताशी ने पहले दो दिनों में 71-69 के स्कोर के साथ अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन तीसरे दिन लय गंवा बैठीं। वह 76 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त 58वें स्थान पर खिसक गईं। डेनमार्क की स्मिला टार्निंग सोंडरबी ने अंतिम होल पर बर्डी लगाकर लेडीज यूरोपियन टूर (एलईटी) पर अपना दूसरा खिताब जीता।

24 मई से पेरिस में शुरू होगी स्पर्धा

फ्रेंच ओपन पुरस्कार राशि : जोकोविच, सिनर और एरीना नाखुश

एजेंसी ▶▶| पेरिस

नोवाक जोकोविच, यानिक सिनर, एरीना सबालेंका और कोको गॉफ सहित कई प्रमुख खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि को लेकर 'अपनी गहरी निराशा' व्यक्त की है। यह क्ले कोर्ट ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता इस महीने के आखिर में पेरिस में शुरू होगी। खिलाड़ियों का कहना है कि उनकी कुछ अन्य मांगें भी हैं, जिन पर आयोजकों ने ध्यान नहीं दिया है। इनमें बेहतर प्रतिनिधित्व, स्वास्थ्य और पेंशन शामिल हैं।

खिलाड़ियों की यह मांग तब आई जब फ्रेंच ओपन के आयोजकों ने पिछले महीने घोषणा की थी कि रोलां गैरां पर खेले जाने वाले टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि में लगभग 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है, जिससे कुल पुरस्कार राशि 61.7 मिलियन यूरो (72.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर) हो

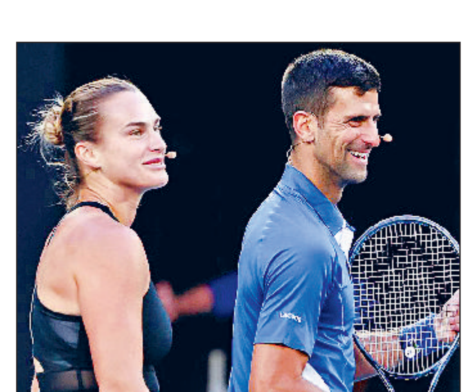

गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.3 मिलियन यूरो अधिक है।

पुरस्कार राशि में केवल 5.4 प्रतिशत वृद्धि

खिलाड़ियों ने कहा, 'असली आंकड़े बिल्कुल अलग कहानी बयां करते हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों के अनुसार फ्रेंच ओपन ने 2025 में 395 मिलियन यूरो का राजस्व प्राप्त किया, जो उससे पिछले वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक था। इसके बावजूद पुरस्कार राशि में केवल 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस तरह से खिलाड़ियों का राजस्व में हिस्सा घटकर 14.3 प्रतिशत रह गया है।'

चैंपियन को मिलेंगे 28 लाख यूरो

शीर्ष खिलाड़ियों ने कहा, 'फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट के राजस्व में खिलाड़ियों की हिस्सेदारी 2024 में 15.5 प्रतिशत से घट गई है और 2026 में इसके 14.9 प्रतिशत रहने की संभावना है।' फ्रेंच ओपन 24 मई से शुरू होगा। पुरुष और महिला एकल चैंपियन को 28 लाख यूरो और उपविजेता खिलाड़ियों को 14 लाख यूरो मिलेंगे। सेमीफाइनल में पहुंचने वालों को सात लाख 50 हजार यूरो जबकि पहले दौर में हारने वाले खिलाड़ियों को 87000 यूरो मिलेंगे। पुरुष और महिला युगल विजेताओं को 6 लाख यूरो और मिश्रित युगल चैंपियन को 1 लाख 22 हजार यूरो मिलेंगे।

बेअसर साबित हुई भारत की फटकार... नेपाल ने लिपुलेख पर दोहराया अपना दावा

कहा, अपनी सीमा विस्तार के इच्छुक नहीं, पहले से नेपाल के पास ही है लिपुलेख का इलाका

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए प्राचीन परंपरागत मार्ग लिपुलेख के इस्तेमाल को लेकर जताई गई आपत्ति के बाद भारत द्वारा दिए गए दो टूक जवाब से नेपाल पर कोई खास असर नहीं पड़ा है।

सोमवार को उसने एक बार फिर से उत्तराखंड में पड़ने वाले इस इलाके को अपना अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि इस संबंध में उसकी मंशा अपनी सीमाओं का विस्तार करने की कतई नहीं है। बल्कि यह इलाका पहले से ही उसका है और नेपाल सरकार का रुख भी इसे लेकर न केवल पूरी तरह से साफ है। बल्कि वह इस बाबत पूरी तरह से प्रतिबद्ध भी है। यह जानकारी 4 मई को नेपाल सरकार के प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने मीडिया से बातचीत में दी है।

लिपुलेख, नाथुला से होगी यात्रा: दरअसल, भारत के विदेश मंत्रालय ने पिछले सप्ताह जून से अगस्त महीने में लिपुलेख (उत्तराखंड) और नाथुला (सिक्किम) जैसे दो मार्गों से कैलाश मानसरोवर यात्रा कराने की घोषणा की थी। जिसमें कुल 20 बैच में 1 हजार तीर्थयात्रियों को इसके लिए अनुमति देने और 19 मई से रजिस्ट्रेशन की शुरुआत करने की बात कही गई है। जिसके बाद नेपाल की प्रतिक्रिया आई कि वर्ष 1816 की सुगौली संधि यह स्पष्ट करती है कि महाकाली नदी के पूर्व में मौजूद तीन जगहों जैसे लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी उसका अभिन्न अंग हैं। ऐसे में खासतौर पर लिपुलेख से इस यात्रा को कराए जाने को लेकर उसने अपनी चिंता को न केवल भारत बल्कि चीन के सामने भी उठाया है। नेपाल ने अपने विरोध में यह तर्क भी दिया है कि वह लगातार भारत के सामने इस इलाके से सीमाई व्यापार, ढांचागत निर्माण या किसी तरह की तीर्थयात्रा न कराए।

लिपुलेख से 1954 से चल रही यात्रा: मामले पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 3 मई को एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा और उससे जुड़े हुए दो प्राचीन मार्गों को लेकर भारत की स्थिति बिलकुल साफ है। लिपुलेख दर्रा वर्ष 1954 से इस पवित्र यात्रा का मार्ग रहा है और यहां से दशकों से तीर्थयात्री जाते रहे हैं। यह कोई ताजा घटनाक्रम नहीं है। ऐसे में लिपुलेख को लेकर पड़ोसी नेपाल द्वारा किए गए एकतरफा दावे ऐतिहासिक तथ्यों और प्रमाणों पर आधारित नहीं हैं। भारत उसके इस दृष्टिकोण को अनुचित मानता है। साथ ही वह सभी लंबित सीमा संबंधी विवादों को बातचीत और कूटनीति के माध्यम से हल करने के लिए तैयार है।

संवाद-सहयोग का भी रोना रोया : नेपाल सरकार के प्रवक्ता ने हालांकि मीडिया से बातचीत में दोनों देशों के बीच इस मुद्दे का कूटनीतिक संवाद और सहयोग के माध्यम से समाधान निकालने की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि नेपाल के विदेश मंत्रालय ने पहले से इसे लेकर एक आधिकारिक पत्र के जरिए अपने पक्ष के बारे में भारत को अवगत करा दिया है।

इन कारणों से बाधित हुई यात्रा

बताते चलें कि चीन के अधिकार क्षेत्र वाले तिब्बत स्वायत्तशासी क्षेत्र (टीएआर) में मौजूद कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील हिंदुओं, जैन और बौद्ध समुदाय के लोगों के लिए धार्मिक रूप से खासा महत्व रखता है। यह यात्रा वर्ष 2020 में आई वैश्विक कोरोना महामारी और उसके साथ-साथ पूर्वी लद्दाख के वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के इलाके में भारत, चीन की सेनाओं के बीच हुए विवाद की वजह से लगभग पांच वर्ष तक बाधित रही। सैन्य तनाव के खत्म होने के बाद भारत ने पिछले साल 2025 में कैलाश मानसरोवर यात्रा की फिर से शुरुआत करने का ऐलान किया था। इस क्रम में इस वर्ष इसका दूसरा संस्करण है।

जमैका को भारत का खास तोहफा, सबीना पार्क को दिया इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड

रनों, सम्मान और दोस्ती से लिखी गई भारत और जमैका के संबंधों की कहानी: जयशंकर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत और जमैका के संबंधों में 'क्रिकेट' न केवल एक मजबूत सांस्कृतिक पुल के समान मौजूद है। बल्कि दोनों देशों की कहानी रनों, सम्मान और दोस्ती से लिखी गई है। यह जानकारी विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने बीते रविवार को प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस के साथ जमैका के ऐतिहासिक सबीना पार्क में भारत की ओर से भेंट किए गए एक आधुनिक और डिजिटल स्कोर बोर्ड का उद्घाटन करते हुए दी है। उन्होंने ये भी कहा कि खेल देशों को आपस में जोड़ते हैं, साझा अनुभव बनाते हैं और आपसी सम्मान में बढ़ोतरी करते हैं। दोनों देशों के लिए क्रिकेट विशेष महत्व रखता है।

जयशंकर ने उम्मीद जताई कि यह स्कोरबोर्ड आने वाली कई पारियों को गिने। जिनमें से एक भारत और जमैका की दोस्ती की पारी हो। यहां बता दें कि सबीना पार्क जमैका की क्रिकेट टीम का घर है। इसके अलावा यह इस द्वीपीय देश का एकमात्र टेस्ट क्रिकेट ग्राउंड भी है। भारत के विदेश मंत्री पिछले सप्ताह शनिवार को अपने तीन कैरेबियाई देशों (जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद-टोबैगो) की 9 दिवसीय यात्रा के पहले पड़ाव के रूप में जमैका पहुंचे हैं। जिसका उद्देश्य भारत के इन देशों के साथ रणनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक मजबूती प्रदान करना है।

द्रविड़ के शतक को किया याद: उन्होंने सबीना पार्क के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा यह ग्राउंड भारतीय क्रिकेट से जुड़ी हुई कुछ खास यादों को संजोए हुए है। जिसमें प्रसिद्ध क्रिकेटर राहुल द्रविड़ द्वारा लगाया गया शतक और वर्ष 2011 में विराट कोहली द्वारा की यहां से की गई अपने टेस्ट क्रिकेट की शुरुआत मुख्य रूप से शामिल है। इस लिहाज से आज का यह क्षण दोनों देशों के संबंधों के लिए भी प्रतीक के समान है। भारत, जमैका के संबंध या फिर उनकी कहानी रनों, सम्मान और दोस्ती में लिखी गई है।

बताए स्कोर बोर्ड के फायदे: जयशंकर के मुताबिक, यह एक 'स्टेट ऑफ द आर्ट' आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड है। जो जमैका के क्रिकेट प्रेमियों के क्रिकेट देखने के अनुभव को शानदार और यादगार बनाएगा। साथ ही यह हमारे बीच मौजूद क्रिकेट साझेदारी में भी मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने इसे दोनों देशों के बीच सद्भावना का प्रतीक बताया और यह उम्मीद जताई कि यह कई यादगार इनिंग का गवाह बनेगा। जिसमें खासतौर पर भारत, जमैका की बढ़ती हुई दोस्ती भी शामिल रहेगी।

जमैका ने दिए कई महान खिलाड़ी: उन्होंने कहा कि जमैका का क्रिकेट के मामले में बेहद समृद्ध इतिहास रहा है और उसे इसे लेकर दुनियाभर में काफी सम्मान भी मिला है। यह जमैका ही है, जिसने जॉर्ज हेडली, माइकल होल्डिंग, कर्टनी वाल्श, क्रिस गेल और एंड्रयू रिचर्डसन जैसे महान खिलाड़ी दिए हैं।

कैरेबियाई देश के क्रिकेट खिलाड़ियों को भारतीय प्रशंसकों से भी काफी सहयोग मिलता रहा है। जिसमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) भी शामिल है। जिस तरह से देश आपस में सहयोग और प्रतियोगिता करते हैं। वैसे ही भारत और जमैका हमेशा से आपस में एक विशेष संबंध साझा करते हैं। जो दोनों के संबंधों को परिभाषित करता है। क्रिकेट इसमें सबसे ऊपर रहा है। जयशंकर ने स्कोरबोर्ड के उद्घाटन के वक्त क्रिस गेल की गैर-मौजूदगी का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी कमी खल रही है।

भौगोलिक दूरी का कोई महत्व नहीं: विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और जमैका के बीच मौजूद भौगोलिक दूरी के बावजूद दोनों वैश्विक दक्षिण समूह के विकासशील देशों के रूप में समान इतिहास और आकांक्षाओं के साथ आपस में जुड़े हुए हैं। हम बेहद करीब हैं और हमने अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भी अपनी एक जगह बनाई है। जयशंकर ने तूफान और उसके अलावा कोरोनाकाल जैसे चुनौतीपूर्ण समय में भारत द्वारा दवाओं और वैक्सीन के जरिए जमैका को दिए गए सहयोग को याद किया। भारतीय समुदाय, पीएम होल्नेस से मिले जयशंकरउन्होंने जमैका पहुंचने पर वहां रह रहे भारतीय समुदाय के साथ बातचीत की और उसे आनंददायक बताते हुए कहा, प्रधानमंत्री होल्नेस के गर्मजोशी से भरे भाषणों को सुनकर अच्छा लगा। जिसमें उन्होंने अपने अनेक योगदानों के बारे में जानकारी दी है।

मैंने उनके साथ चर्चा के दौरान संबंधों में हालिया हुई प्रगति को भी साझा किया। बुनियादी ढांचे, मानव विकास और प्रौद्योगिकी संचालित शासन और उद्यमिता में जारी परिवर्तनकारी प्रक्रिया जैसे मामलों पर भी चर्चा की है।

मई के मध्य भाग में नीदरलैंड, स्वीडन नॉर्वे और इटली जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी

नार्वे में होने वाले तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में करेंगे शिरकत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मई के मध्य भाग यानी 15 से 20 मई तक नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली जैसे चार यूरोपीय देशों की यात्रा कर सकते हैं। जिसका मुख्य उद्देश्य ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत तकनीकी सहयोग, निवेश और रक्षा सहयोग को मजबूती प्रदान करने के अलावा साझा हितों से जुड़े क्षेत्रीय-वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करना है। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को अनौपचारिक रूप से यह जानकारी दी है।

> **चारों यूरोपीय देशों के साथ आपसी संबंधों सहित क्षेत्रीय, वैश्विक मुद्दों पर होगी चर्चा**

यात्रा का पहला पड़ाव नीदरलैंड होगा: पीएम की चार देशों की इस विदेश यात्रा का पहला पड़ाव नीदरलैंड होगा। जिसकी शुरुआत 15 से 17 मई तक होगा। जिसके बाद वह 17 मई को स्वीडन जाएंगे। यात्रा के तीसरे पड़ाव के रूप में 17 से 19 मई तक पीएम मोदी नॉर्वे में रहेंगे। जहां वह तीसरे भारत-नॉर्डिक देशों के शिखर सम्मेलन में भारत का नेतृत्व करेंगे। जबकि प्रधानमंत्री की यात्रा का अंतिम पड़ाव इटली होगा। जहां वह 19 से 20 मई तक रहेंगे। चारों देशों के साथ भारत के मजबूत आर्थिक, कूटनीतिक और रणनीतिक संबंध हैं। पीएम की इस यात्रा से यह और अधिक प्रगाढ़ होंगे।

संबंधों में बदलाव के बीच होती यात्रा: यहां बता दें कि बीते वक्त में पहले रूस-यूक्रेन युद्ध और उसके बाद ईरान के खिलाफ छेड़ी गई जंग को लेकर अमेरिका के यूरोपीय सहयोगी देश उससे बहुत अधिक खुश नहीं हैं। हालिया समय में कुछ ने इस संबंध में अपनी नाराजगी भी जाहिर की है। जैसे ईरान युद्ध की शुरुआत के कुछ समय बाद ब्रिटेन ने ईरान की घेराबंदी के मामले में अपनी सैन्य मदद देने से इंकार किया। तो वहीं, इटली ने इजरायल के साथ अपने तमाम रक्षा समझौतों को रद्द करने का निर्णय लिया है। वैश्विक परिदृश्य में होते इस बदलाव के बीच अब यह सभी यूरोपीय देश अमेरिका पर अपनी निर्भरता को कम करने के मकसद से नए बाजारों को तलाश रहे हैं। जिसमें एशिया महाद्वीप के विशाल बाजार वाले देश जैसे भारत मुख्य रूप से शामिल है। इस घटनाक्रम के मध्य दोनों पक्षों के बीच भविष्य में होने वाली कोई भी साझेदारी साझा रूप से लाभप्रद साबित हो सकती है।

युद्ध की बदलती प्रकृति को बखूबी समझता भारत, तकनीकी प्रगति को करता तैनात: राजनाथ सिंह

यूपी में आयोजित की गई नॉर्थ टेक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए बोले रक्षा मंत्री

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

इस सप्ताह गुरुवार (7 मई) को मनाई जाने वाली ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ से ठीक तीन दिन पहले यानी सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पहलगाम आतंकी हमले के करारे जवाब के रूप में पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए भारतीय सशस्त्र सेनाओं के इस महत्वपूर्ण अभियान का नाम सहित उल्लेख करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर इस बात का अकाट्य प्रमाण प्रस्तुत करता है कि भारत न केवल युद्ध की बदलती प्रकृति को बहुत अच्छी तरह से समझता है।

बल्कि अटूट आत्मविश्वास के साथ तकनीकी प्रगति को भी तैनात करता है। उन्होंने रूस-यूक्रेन और सीरिया-लेबनान में हुए हमलों की मिसाल देते हुए कहा कि इनसे आधुनिक युद्ध में हो रहे तकनीकी बदलावों के साथ तेज गति से अनायास होते हमलों के बारे में साफ जानकारी मिलती है। रक्षा मंत्री ने 4 मई को उत्तर प्रदेश (यूपी) के प्रयागराज में सेना की उत्तरी और मध्य कमांड तथा भारतीय रक्षा निर्माता सोसाइटी द्वारा आयोजित की गई तीन दिवसीय नॉर्थ टेक संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को

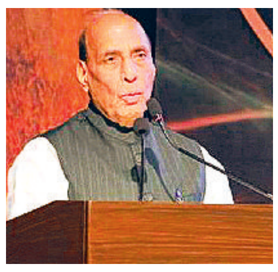

संबोधित करते हुए यह जानकारी दी है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान के जरिए राजनाथ सिंह के संबोधन को मीडिया से साझा किया है।

दैनिक उपयोग की चीजों से होते हमले: उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष में युद्ध का स्वरूप मात्र तीन से चार वर्षों में टैंकों और मिसाइलों से बदलकर ड्रोन और सेंसर जैसे क्रांतिकारी उपकरणों में परिवर्तित हो गया है। इसके अलावा लेबनान और सीरिया में हुए पेजर हमलों ने हमें बताया कि कैसे दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुकी वस्तुएं भी घातक हथियार बनती जा रही हैं? इन हमलों ने हमें आधुनिक युद्ध पद्धतियों के पुनर्मूल्यांकन के लिए प्रेरित किया है। वहीं, ऐसी स्थिति में हमें भी तैयार रहना होगा।

यूं मिलेगी युद्धक्षेत्र में निणार्यक बढ़त: राजनाथ सिंह ने तीनों सेनाओं से सक्रिय दृष्टिकोण और उससे जुड़ी हुई आवश्यकताओं को अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि इतिहास इस बात का साक्षी है कि युद्ध में निर्णायक बढ़त उसी को मिलती है। जिसके पास अचानक हमला करने की शक्ति होती है। भारत के रक्षा बल पहले से इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। लेकिन अब हमें और अधिक सक्रियता के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा, जो राष्ट्र तकनीकी क्रांति को सबसे तेजी से अपनाएगा। उसे भविष्य के युद्ध परिदृश्य में निर्णायक बढ़त हासिल होगी। आज की दुनिया में अनुसंधान का कोई विकल्प नहीं है, भविष्य के युद्ध किस प्रकार लड़े जाएंगे। यह आज प्रयोगशालाओं में निर्धारित हो रहा है। उन्होंने कहा, मेरा मतलब साफ है कि हमें ऐसी क्षमताएं विकसित करनी पड़ेंगी। जो हमें शत्रु पर अप्रत्याशित हमला करने में सक्षम बनाएं।

अनुसंधान केंद्र की प्राथमिकता: सरकार ने रक्षा अनुसंधान को अपनी प्राथमिकता में शुमार किया है और डीआरडीओ के माध्यम से इसे अगले स्तर पर ले जाने का प्रयास जारी है। संगठन अब इस यात्रा में अकेला नहीं है, दूर तक जाने के लिए साथ चलें के मंत्र के साथ वह बड़ी तादाद में उद्योगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहा है। उद्योगों को निर्देशित ऊर्जा तथा हाइपरसोनिक हथियार, जलमग्न क्षेत्र जागरूकता, अंतरिक्ष स्थिति जागरूकता, क्वांटम प्रौद्योगिकी, एआई और मशीन लर्निंग जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़कर उत्कृष्टता हासिल करनी चाहिए। जिसमें उन्हें केंद्र द्वारा पूरा समर्थन प्रदान किया जाएगा। रक्षा अनुसंधान-विकास का 25% हिस्सा उद्योग, शिक्षा जगत और स्टार्टअप्स को आवंटित किया गया है। इन्होंने 4 हजार 500 करोड़ रुपए से अधिक के बजट का प्रयोग कर लिया है।

डीआरडीओ ने अपने पेटेंट तक भारतीय उद्योगों की निःशुल्क पहुंच सुनिश्चित करने का निर्णय लिया है। साथ ही अपनी परीक्षण सुविधाएं भुगतान के आधार पर उद्योगों के लिए खोल दी हैं। अब हर साल सैकड़ों उद्योग इनका उपयोग कर सकते हैं। डीआरडीओ द्वारा 20% शुल्क पूरी तरह से माफ करने को लेकर लाई गई प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की नई नीति के बाद संगठन ने अब तक उद्योगों को 2 हजार 200 से अधिक की प्रौद्योगिकियां हस्तांतरित की हैं।

38 हजार करोड़ के पार पहुंचा रक्षा निर्यात: राजनाथ के मुताबिक, आत्मनिर्भरता को लेकर सरकार के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। वित्त वर्ष-2025-26 में घरेलू रक्षा उत्पादन 1.54 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर तक जा पहुंचा है। जबकि रक्षा निर्यात अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 38 हजार 424 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। जिसमें निजी क्षेत्र का काफी अहम योगदान रहा है। भविष्य में इसकी रफ्तार और अधिक बढ़ने की संभावना है।

सेना के अधिकारियों का पक्ष: कार्यक्रम में सेना की केंद्रीय कमान के प्रमुख जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल अनिन्द्य सेनगुप्ता ने कहा कि ये संगोष्ठी रक्षा बलों, उद्योग, स्टार्टअप, नवप्रवर्तकों और शिक्षाविदों को महत्वपूर्ण परिचालन चुनौतियों से निपटने के उद्देश्य से स्वदेशी तकनीकी समाधान विकसित के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करती है। उत्तरी कमांड के अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने हाल के संघर्षों का जिक्र करते हुए मानवरहित हवाई प्रणाली, काउंटर-यूएएस सिस्टम, एआई सक्षम निर्णय लेने वाले उपकरण, सटीक मारक क्षमताएं तथा उन्नत तोपखाना प्रणालियों जैसी क्षमताओं को युद्धक्षेत्र में प्रभुत्व स्थापित करने के लिए अपरिहार्य बताया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109